NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance
specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 13 अंक: 182 लखनऊ, बुधवार 14 फरवरी 2024 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

आपके सहयोग के बिना संभव नहीं होता बीएपीएस मंदिर का निर्माण, यूएई के राष्ट्रपति से मुलाकात कर बोले पीएम मोदी

एजेंसी।

नई दिल्ली यूएई के राष्ट्रपति से मुलाकात के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि मेरा निमंत्रण स्वीकार करने और वाइब्रेंट गुजरात शिखर सम्मेलन के लिए मेरे गृह राज्य गुजरात आने के लिए मैं आपको ध न्यवाद देता हूं। आपने इस आयोजन को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है और दुनिया में इसकी प्रतिष्ठा बढ़ी है।प्रध ानमंत्री नरेंद्र मोदी और संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने संयुक्त अरब अमीरात के अबू धाबी में बैठक की। संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल

नाहयान और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच समझौता ज्ञापन(एमओयू) का आदान–प्रदान हुआ। यूएई के राष्ट्रपति से मुलाकात के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि ये भी खुशी की बात है कि आज हम द्विपक्षीय निवेश संधि पर हस्ताक्षर कर रहे हैं। मेरा मानना है कि ये जी20 देशों के लिए बड़ी खबर होगी कि भारत और यूएई इस महत्वपूर्ण दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। यूएई के राष्ट्रपति से मुलाकात के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि यहां बीएपीएस (बोचासनवासी अक्षार पुरूषोत्तम स्वामीनारायण संस्था) मंदिर का निर्माण आपके सहयोग के बिना संभव नहीं होता। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल मंदिर का उद्घाटन करेंगे।

यूएई के राष्ट्रपति से मुलाकात के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि मेरा निमंत्रण स्वीकार करने और वाइब्रेंट गुजरात शिखर सम्मेलन के लिए मेरे गृह राज्य गुजरात आने के लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। आपने इस आयोजन को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है और दुनिया में इसकी प्रतिष्ठा बढ़ी है।

स्वामी प्रसाद मौर्य ने छोड़ा सपा का दामन, राष्ट्रीय महासचिव पद से दिया इस्तीफा

लखनऊ मौर्य ने कहा कि इस पर पार्टी के ही कुछ छुटभैये और कुछ बड़े नेताओं ने उसे उनका बयान कहकर उनके प्रयास की धार को कुंद करने की कोशिश की। उन्होंने कहा, हैरानी तो तब हुई जब पार्टी के वरिष्ठतम नेताओं ने चुप रहने के बजाय (बयानों को) मौर्य जी का निजी बयान कह कर कार्यकर्ताओं के हौसले को तोड़ने की कोशिश की। लखनऊ। अपने विवादित बयानों को लेकर अक्सर चर्चा में रहने वाले स्वामी प्रसाद मौर्य ने मंगलवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय महासचिव पद से त्यागपत्र दे दिया। मौर्य ने पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव के नाम लिखा त्यागपत्र सोशल मीडिया मंच एक्स परसाझा किया। उन्होंने कहा कि वह बिना पद के भी पार्टी को मजबूत करने के लिए तत्पर रहेंगे। सपा के विधान परिषद सदस्य मौर्य ने पार्टी अध्यक्ष को लिखे पत्र में कहा है कि उन्होंने पार्टी का

जनाधार बढ़ाने का काम अपने तौर तरीके से जारी रखा और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 'मकड़जाल' में फंसे आदिवासियों, दलितों और पिछड़ों के 'स्वाभिमान' को जगाने की कोशिश की। मौर्य ने कहा कि इस पर पार्टी के ही कुछ छुटभैये और कुछ बड़े नेताओं ने उसे उनका बयान कहकर उनके प्रयास की धार को कुंद करने की कोशिश की। उन्होंने कहा, हैरानी तो तब हुई जब पार्टी के वरिष्ठतम नेताओं ने चुप रहने के बजाय (बयानों को) मौर्य जी का निजी बयान कह कर कार्यकर्ताओं के हौसले को तोड़ने की कोशिश की। मैं नहीं समझ पाया एक राष्ट्रीय महासचिव मैं हूं, जिसका कोई भी बयान निजी बयान हो जाता है और पार्टी के कुछ राष्ट्रीय महासचिव व नेता ऐसे भी हैं जिनका हर बयान पार्टी का हो जाता है। यह समझ के परे है। मौर्य ने पत्र में कहा, दूसरी हैरानी यह है कि मेरे इस प्रयास से आदिवासियों, दलितों, पिछड़ों का रुझान समाजवादी पार्टी की तरफ बढ़ा है। बढ़ा हुआ जनाधार पार्टी का और जनाधार बढ़ाने का प्रयास व वक्तव्य पार्टी का न होकर निजी कैसे? यदि राष्ट्रीय महासचिव पद में भी भेदभाव है, तो मैं समझता हूं ऐसे भेदभाव पूर्ण, महत्वहीन पद पर बने रहने का कोई औचित्य नहीं है। इसलिए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव पद से मैं त्यागपत्र दे रहा हूं, कृपया इसे स्वीकार करें। उन्होंने कहा, पद के बिना भी पार्टी को सशक्त बनाने के लिए मैं तत्पर रहूंगा। आपके द्वारा दिये गये

नीतीश ने संजय झा को दिया बड़ा इनाम, बनाया राज्यसभा उम्मीदवार, 14 फरवरी को करेंगे नामांकन

एजेंसी।

नई दिल्ली 2019 से बिहार विधान परिषद के सदस्य, झा ने 2019 से 28 जनवरी, 2024 तक जल संसाधन मंत्री के रूप में कार्य किया। जद–यू की गठबंधन सहयोगी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पहले ही भीम सिंह और पार्टी की महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष ध र्मशीला गुप्ता को अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया था। नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली बिहार सरकार ने मंगलवार को जेडीयू के पूर्व मंत्री संजय कुमार झा को आगामी राज्यसभा चुनाव के लिए राज्य से उम्मीदवार बनाया है। झा, जो राज्य विधान परिषद के सदस्य हैं, को बिहार के सीएम नीतीश कुमार का करीबी सहयोगी माना जाता है। चुनाव 27 फरवरी को होने वाले हैं और वोटों की

गिनती भी उसी दिन की जाएगी। चुनाव, जिसके लिए नामांकन पत्र दाखिल करने की आखिरी तारीख 15 फरवरी है, बिहार में छह सीटों के लिए निर्धारित है। सत्तारूढ़ राजग जिसमें जद (यू) और भाजपा शामिल हैं, तीन सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं। 2019 से बिहार विधान परिषद के सदस्य, झा ने 2019 से 28 जनवरी, 2024 तक जल संसाधन मंत्री के रूप में कार्य किया। जद–यू की गठबंध न सहयोगी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पहले ही भीम सिंह और पार्टी की महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष धर्मशीला गुप्ता को अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया था। 14 फरवरी को राज्यसभा चुनाव के लिए तीनों उम्मीदवार नामांकन करेंगे। आधा दर्जन सीटों में से, जिनके लिए नामांकन पत्र दाखिल करना 15 फरवरी को समाप्त हो जाएगा, तीन–तीन सीटें राज्य के सत्तारूढ़ एनडीए और विपक्षी महागठबंधन या ग्रैंड अलायंस (जीए) के पास हैं। जिन सांसदों का कार्यकाल खत्म हो रहा है उनमें वशिष्ठ नारायण सिंह और अनिल हेगड़े (जेडीयू), सुशील कुमार मोदी (बीजेपी), मनोज कुमार झा और अशफाक करीम (आरजेडी) और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह शामिल हैं। एनडीए के पास कुल 131 विधायक हैं जबकि जीए के पास 112 विधायक हैं। संजय झा ब्राह्मण समाज से आते हैं और मिथिलांचल में जदयू के बड़े नेता के तौर पर इनकी पहचान है। इसके साथ ही संजय झा नीतीश कुमार के सबसे भरोसेमंद भी माने जाते हैं। हमेशा से संजय झा का झुकाव बीजेपी की तरफ रहा। हाल में भाजपा–जदयू गठबंधन में भी इनकी बड़ी भूमिका रही है।

मथुरा में बुजुर्ग की हत्या कर लूटपाट करने के जुर्म में दंपति को उम्रकैद

संवाददाता। मथुरा सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता मुकेश गोस्वामी ने मंगलवार को बताया कि अपर जिला एवं सत्र न्यायाध गीश (द्वितीय) राकेश सिंह ने वृन्दावन के एक मकान में अकेले रहने वाले बुजुर्ग की हत्या कर अलमारी से रुपये व स्कूटी लूटने वाले घरेलू सहायक व उसकी पत्नी को सोमवार को उम्रकैद की सजा सुनाई तथा दोनों पर दस–दस हजार रुपये का जुर्माना लगाया। मथुरा। मथुरा की एक अदालत ने घर में बुजुर्ग की हत्या कर लूटपाट करने के जुर्म में घरेलू सहायक व उसकी पत्नी को उम्रकैद की सजा सुनाई है। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता मुकेश गोस्वामी ने मंगलवार को बताया कि अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (द्वितीय) राकेश सिंह ने वृन्दावन के एक मकान में अकेले रहने वाले बुजुर्ग की हत्या कर अलमारी से रुपये व स्कूटी लूटने वाले घरेलू सहायक व उसकी पत्नी को सोमवार को उम्रकैद की सजा दी।

अनुराग ठाकुर ने किसान नेताओं से शांति की अपील की, बोले– अगर पीएम मोदी कतर में नौसेना अधिकारियों को बचा सकते हैं..

एजेंसी।

नई दिल्ली अनुराग ठाकुर ने कहा कि मैं प्रदर्शनकारियों से कहूंगा कि हिंसा ना करें, उग्र ना हों। मैं किसान नेताओं से अनुरोध करता हूं कि कृप्या करके बातचीत का दौर जारी रखें। उन्होंने कहा कि हम लगातार कहते हैं, शांति बनाए रखें और चर्चा में भाग लें। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि मोदी सरकार ने कृषि क्षेत्र के बढ़ावे के लिए और किसान के कल्याण के बहुत सारे कार्य किए हैं। अनुराग ठाकुर का यह बयान ऐसे समय में आया है जब किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की मांग को लेकर दिल्ली चलो मार्च निकाल रहे है। अनुराग ठाकुर ने कहा कि जब किसानों ने मांग रखी तब हमने चर्चा के लिए एक दम से सहमति जताई। इस बार भी हमारे केंद्रीय मंत्री चंडीगढ़ गए और कई घंटे तक वार्ता भी की, जब किसान उठ कर चल पड़े तब भी हमने कहा कि चर्चा को जारी रखिए....जब नए मुद्दे जुड़ते जाएंगे तो समय तो लगेगा..... हमारा कहना है कि हम नए विषयों पर भी चर्चा करने के

लिए तैयार हैं लेकिन इस पर अन्य लोगों से भी बात करनी पड़ेगी, क्या ये गलत हैं?अनुराग ठाकुर ने कहा कि मैं प्रदर्शनकारियों से कहूंगा कि हिंसा ना करें, उग्र ना हों। मैं किसान नेताओं से अनुरोध करता हूं कि कृप्या करके बातचीत का दौर जारी रखें। उन्होंने कहा कि हम लगातार कहते हैं, शांति बनाए रखें और चर्चा में भाग लें। अगर पीएम मोदी कतर में नौसेना अधिकारियों को मौत की सजा से बचा सकते हैं और उन्हें सुरक्षित देश ला सकते हैं, तो हम बातचीत के जरिए समाध ान निकाल सकते हैं...हिंसा या बर्बरता से कुछ हासिल नहीं होगा, इससे देश को नुकसान होगा, इसलिए कृपया बातचीत जारी रखें। मैं शांति बनाए रखने की अपील करता हूं और किसान नेताओं से बातचीत में शामिल होने का अनुरोध करता हूं। नुराग ठाकुर ने आगे कहा, ष्प्रदर्शनकारियों को समझना चाहिए कि एकदम से नए मुद्दों को चर्चा में जोड़ते रहने से उनका तत्काल समाधान नहीं हो सकता। अगर आप भारत के ॅज्ज से अलग होने की बात करोगे, फ्री ट्रेड एग्रीमेंट खत्म करने की बात करोगे, स्मार्ट मीटर लगाने बंद कर दोगे, पराली वाले विषय पर हमें बाहर कर दोगे या जलवायु के मुद्दे से कृषि को बाहर करने की बात करोगे, दो यह एक दिन के निर्णय नहीं है। इसके लिए दूसरे स्टेकहोल्डर और राज्यों से भी बात करनी होगी। और इसलिए सरकार ने इसके ऊपर विस्तृत चर्चा करने हेतु कमेटी बनाने का प्रस्ताव भी दिया है। सरकार की ओर से ना पहले कमी थी ना अब कमी है। अनुराग ठाकुर ने आगे कहा,ष्कुछ लोग इस मुद्दे पर राजनीतिक रोटियां सेकना चाहते हैं। कांग्रेस के बयान पर मुझे हंसी आती है। 2013–14 में जब उनकी सरकार थी, तब यूपीए काल का सबसे ज्यादा कृषि बजट ध्27 हजार 662 करोड रुपए था। अभी मोदी सरकार का कृषि बजट ध्1 लाख 25 हजार करोड़ से ज्यादा है। यानी यूपीए काल से 5 गुना ज्यादा कृषि बजट। उनके समय किसान सम्मान निधि नहीं थी, हमने किसान सम्मान निधि के माध्यम से 11 करोड़ से ज्यादा किसानों को 2 लाख 81 हजार करोड रुपए सीधा उनके बैंक खातों में हस्तांतरित किए हैं। उनके समय के फसल बीमा योजना के अंतर्गत किसानों को कुछ नहीं मिलता था। मोदी सरकार में डेढ़ लाख करोड़ से ज्यादा का मुआवजा किसानों को मिला है। 10 हजार एफपीओ में से 8 हजार बन चुके हैं और इसे लाखों किसान भी जुड़ चुके हैं।

विधानसभा में नारेबाजी पर भड़के नीतीश, राबड़ी देवी के सामने ही कहा, हम शुरू कर देंगे तो बर्बाद हो जाएंगे...

एजेंसी

पटना बिहार राजद विधायक सुनील सिंह ने नीतीश कुमार के खिलाफ नारे लगाये. इसके बाद सभापति ने नाराजगी जताते हुए कहा कि इस तरह का व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके बाद विपक्षी सदस्य आक्रोशित हो गये। पूर्व सीएम राबड़ी देवी समेत कई सदस्य नीतीश कुमार के खिलाफ नारे लगाने लगे और सदन के वेल में आ गये। बिहार विधानसभा में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उस वक्त नाराजगी जताई जब सदन में उनके बोलने के दौरान विपक्षी सदस्यों ने उनके खिलाफ नारेबाजी की। नीतीश कुमार ने टिप्पणी की कि इस तरह की नारेबाजी उनकी सरकार द्वारा किए गए सकारात्मक कार्यों के कारण हो रही है, जबकि विपक्ष व्यवधान पैदा करने का सहारा ले रहा है। कुमार सदन को स्वास्थ्य सेवाओं में प्रगति के बारे में जानकारी दे रहे थे, तभी पीछे से श्नीतीश कुमार मुर्दाबादश और श्नीतीश कुमार श्हाये–हायेश जैसे नारे सुनाई दिये। राजद विधायक सुनील सिंह ने नीतीश कुमार के खिलाफ नारे लगाये. इसके बाद सभापति ने नाराजगी जताते हुए कहा कि इस तरह का व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसके बाद विपक्षी सदस्य आक्रोशित हो गये। पूर्व सीएम राबड़ी देवी समेत कई सदस्य नीतीश कुमार के खिलाफ नारे लगाने लगे और सदन के वेल में आ गये। राजद विधायक सुनील सिंह और जदयू विधायक संजय सिंह के बीच बहस हो गई। इस बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी अपनी बात रखते हुए बेलगाम राजद सदस्यों को कड़ी चेतावनी दी। विपक्ष की नारेबाजी के जवाब में कुमार ने कहा, ष्आप नीतीश कुमार मुर्दाबाद के नारे इसलिए लगा रहे हैं क्योंकि हम चिकित्सा सुविधाओं के माध्यम से सभी को इलाज मुहैया करा रहे हैं। आप चाहते थे कि सभी मर जाएं।ष कुमार ने अपने खिलाफ नारे लगा रहे सिंह को फटकार लगाते हुए कहा, ष्आप नारे लगा रहे हैं, क्या आपको अपनी स्थिति याद नहीं है? अगर मैं जवाब देना शुरू कर दूंगा, तो आप बर्बाद हो जाएंगे। जाओ बैठ जाओ, या चले जाओ। हम इसे महत्व नहीं देतेय हम यह नहीं देख रहे हैं कि आप कैसा व्यवहार कर रहे हैं।

बिहार सरकार ने 2.79 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया, वृद्धि दर देश में सबसे अधिक

अगले वित्त वर्ष के लिए राज्य का प्रस्तावित बजट 2,78,725.72 करोड़ रुपये है, जो चालू वित्त वर्ष की तुलना में 16,840 करोड़ रुपये अधिक है। कुल व्यय में एक लाख करोड़ रुपये वार्षिक योजना परिव्यय के लिए निर्धारित किए गए हैं, जिसका सबसे बड़ा हिस्सा (22.20 प्रतिशत) शिक्षा विभाग के लिए आरक्षित है। इसके बाद 13. 84 प्रतिशत ग्रामीण विकास के लिए है।पटना। बिहार में नीतीश कुमार सरकार ने मंगलवार को 2.79 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया। बजट के मुताबिक राज्य की वित्तीय स्थिति अच्छी है और वृद्धि दर देश में सबसे अधिक 10 प्रतिशत से ज्यादा है। राज्य के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने विधानसभा में बजट पेश करते हुए कहा कि यह बिहार के लिए गर्व की बात है कि उसकी वृद्धि दर राष्ट्रीय औसत से कहीं अधिक 10.64 प्रतिशत है। वित्त विभाग संभालने वाले चौधरी ने कहा, हम राज्य के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम चालू वित्त वर्ष में 2.5 करोड़ लोगों को गरीबी के चंगुल से बाहर निकालने में सफल रहे। उन्होंने विपक्ष के हंगामे के बीच बजट पेश किया। इस दौरान विपक्षी दल के सदस्य पलटूराम होश में आओ जैसे नारे लगाते हुए सदन से बाहर चले गए। चौधरी ने राज्य की प्रमुख उपलब्धियां गिनाते हुए मातृत्व मृत्यु में उल्लेखनीय गिरावट का जिक्र किया और कहा कि इसमें 47 प्रतिशत की कमी हुई है। अगले वित्त वर्ष के लिए राज्य का प्रस्तावित बजट 2,78,725.72 करोड़ रुपये है, जो चालू वित्त वर्ष की तुलना में 16,840 करोड़ रुपये अधिक है। कुल व्यय में एक लाख करोड़ रुपये वार्षिक योजना परिव्यय के लिए निर्धारित किए गए हैं, जिसका सबसे बड़ा हिस्सा (22.20 प्रतिशत) शिक्षा विभाग के लिए आरक्षित है। इसके बाद 13.84 प्रतिशत ग्रामीण विकास के लिए है। स्वास्थ्य पर अनुमानित व्यय वार्षिक योजना परिव्यय का 7.41 प्रतिशत है,

किसानों के प्रदर्शन के बीच बोले कृषि मंत्री, सरकार पर विश्वास रखें, हम आपके कल्याण के लिए प्रतिबद्ध

दिल्ली। प्रतिबद्धकोशिश करेंगे कि इस तरह की स्थिति बने जिससे वातावरण प्रदूषित हो। मैं किसान भाइयों से कहूंगा कि इन चीजों से वे बचें। किसानों के कल्याण की रक्षा के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए, केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने मंगलवार को कहा कि सरकार कई मुद्दों के लिए तैयार है, और वे समाध ान खोजने के तरीकों पर काम कर सकते हैं। केंद्रीय मंत्री ने श्दिल्ली चलोश मार्च के जवाब में किसानों से माहौल खराब करने की कोशिश करने वाले तत्वों से सावधान रहने का भी आग्रह किया। केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि सरकार को जो जानकारी मिल रही है उसमें बहुत सारे ऐसे लोग जो इसमें कोशिश करेंगे कि इस तरह की स्थिति बने जिससे वातावरण प्रदूषित हो। मैं किसान भाइयों से कहूंगा कि इन चीजों से वे बचें। अर्जुन मुंडा ने कहा कि भारत सरकार किसानों के हितों को लेकर प्रतिबद्ध है। अधिकांश बातों पर हम बात करने के लिए तैयार हैं। उसके कई विकल्प वे भी दे सकते हैं हम भी विकल्प दे सकते हैं, एक विकल्प पर आकर हम एक समाधान ढूंढ सकते हैं। स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट की सिफारिश के अनुसार सभी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी वाला कानून बनाने की मांग के बारे में पूछे जाने पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार ऐसे कई मामलों पर सहमत है। उन्होंने कहा कि ऐसे कई मुद्दों पर सरकार सहमत थी और चर्चा आगे बढ़ी थी, लेकिन कुछ मुद्दों को लेकर मुझे लगता है कि इसमें कुछ लोग ऐसे भी हो सकते हैं जो इसे समाधान की

बजाय समस्या के रूप में देखना चाहते हैं, लेकिन मैं किसानों से आग्रह करूंगा कि वे उन लोगों से सावधान रहें जो पूरे माहौल को प्रतिकूल बनाना चाहते हैं। मुंडा ने कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर कानून जल्दबाजी में नहीं लाया जा सकताय हितधारकों के साथ व्यापक परामर्श की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सरकार ने किसानों की अधिकतर मांग स्वीकार कर ली हैंय एमएसपी गारंटी से जुड़ी मांग पर चर्चा को तैयार। उन्होंने कहा कि कहा कि कुछ तत्व किसानों को बदनाम करने और राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर सकते हैं। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि उन्होंने जो मांगें रखी हैं, उनमें से अधिकांश सरकार ने पूरी कर दी हैं। बाकी मांगों को लेकर पिछले हफ्ते से ही पीयूष गोयल, अर्जुन मुंडा और नित्यानंद राय जैसे संबंधित मंत्री उनसे बात कर रहे हैं। मैं उनसे (किसानों से) अनुरोध करता हूं क्योंकि उन्होंने अब मांगें दे दी हैं और यह ज्ञात तथ्य है कि सरकार किसान समर्थक है...मैं उनसे यही अपील करता हूं।

बसों में दिव्यांगजनों के साथ अच्छा व्यवहार सुनिश्चित करवायें परिवहन विभाग - नरेन्द्र कश्यप

दिव्यांगजन मंत्री की अध्यक्षता मे सम्पन्न हुयी दिव्यांगता पर गठित राज्य सलाहकार बोर्ड की पांचवीं बैठक

नियमित रूप से आयोजित की जाय राज्य सलाहकार बोर्ड की बैठक

लखनऊ(आरएनएस)। दिव्यांगजनों को विभागों में आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए विभागों के भवनों को दिव्यांगजन फ्रेंडली बनाया जाय। स्वास्थ्य विभाग दिव्यांगजनों को दिव्यांग प्रमाण पत्र समयबद्ध रूप से बनाने का कार्य करे, जिससे दिव्यांगजनों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन की बसों में दिव्यांजनों के साथ अच्छा व्यवहार किया जाय। यदि दिव्यांगजन को देखकर देखकर बस चालक एवं कन्डेक्टर बस न रोके ऐसे लोगों के खिलाफ कार्यवाही भी जाय। खाद्य रसद विभाग दिव्यांगजनों को राशन कार्ड उपलब्ध कराने में सहयोग प्रदान करें, जिससे अधिक से अधिक पात्र दिव्यांगजनों का राशन कार्ड बन सके। विभागों में दिव्यांगजनों के लिए आयोजित होने वाले वर्कशाप में दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के प्रतिनिधि ा को अवश्य आमंत्रित किया जाय। उक्त निर्देश प्रदेश के दिव्यांगजन सशक्तीकरण एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेन्द्र कश्यप ने मंगलवार को योजना भवन में आयोजित दिव्यांगता पर गठित राज्य सलाहकार बोर्ड उत्तर प्रदेश की पांचवी बैठक में आये विभागों के प्रतिनिधियों को दिये। मंत्री नरेन्द्र कश्यप ने कहा कि दिव्यांगजन सशक्तीरण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ड्रीम संकल्प है, जिसे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा नियमित रूप से समीक्षा कर एवं योजनाओं के माध्यम से पूरा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दिव्यांगता पर गठित राज्य सलाहकार बोर्ड नियमित रूप से आयोजित की जाय, जिससे दिव्यांगजनों को सशक्तीकरण मे आ रही बाधाओं पर विचार–विमर्श कर उसका समाधान किया जा सके। इसके साथ दिव्यांगजनों के जीवन को और कैसे बेहतर किया जा सकता है, इस बार बोर्ड सदस्यों के सुझावों को सुनकर उसपर रणनीति बनायी जा सके। दिव्यांगजन मंत्री ने बताया कि दिव्यांग व्यक्तियों हेतु भरण पोषण अनुदान योजना के अन्तर्गत दिव्यांगजनों को 1 हजार रूपये प्रतिमाह पेंशन दी जा रही है। वित्तीय वर्ष 2023–24 में 10 लाख 40 हजार 823 दिव्यांगजनों को तृतीय किश्त की धनराशि उपलब्ध करा दी गयी है। इसी तरह कुष्ठावस्था पेंशन योजना के अन्तर्गत 3 हजार रूपये प्रतिमाह की ध नराशि उपलब्ध करायी जा रही है। वित्तीय वर्ष 2023–24 में 11 हजार 671 दिव्यांगजनों को तृतीय किश्त की धनराशि उपलब्ध करा दी गयी है। उन्होंने बताया कि शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों को कृ त्रिम अंग एवं सहायक क्रय हेतु अनुदान योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2023–24 में 10 हजार 229 उपकरण दिव्यांगजनों को उपलब्ध कराया जा चुका है। शल्य चिकित्सा अनुदान योजना के अन्तर्गत 10 हजार रूपये प्रति लाभार्थी प्रति वर्ष दिया जाता है। कॉक्लियर इम्प्लान्ट योजना के अन्तर्गत 6 लाख रूपये प्रति लाभार्थी अनुदान दिया जाता है। वित्तीय वर्ष 2023–24 में 158 दिव्यांगजनों को लाभावित्त किया गया है। दिव्यांग दम्पति को शादी करने पर प्रोत्साहन पुरस्कार योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2023–24 में 534 दम्पतियों को लाभान्वित किया गया है। इसी तरह दुकान निर्माण व संचालन योजना के अंतर्गत 755 दिव्यांगजनों को लाभांवित किया गया है। दिव्यांगजन मंत्री ने बताया कि बचपन केयर सेंटर में 03 से 07 वर्ष के आयु वर्ग के दृ ष्टिबाधित, श्रवणबाधित, मानसिक मंदित बालक व बालिकाओं को उनके बौद्धिक स्तर के आधार पर वर्गीकृत कर प्री–प्राइमरी स्तर की शिक्षा प्रदान की जाती है। सेंटर में बच्चों को यूनीफार्म, पठन–पाठन सामग्री, आवागमन, मध्यान्ह भोजन आदि की सुविध ा निशुल्क प्रदान की जा रही है। वर्तमान में आईएसओ प्रमाणीकृत 18 बचपन केयर सेंटर में 1069 बच्चे पठन–पाठन कर रहें है। प्रदेश के विभिन्न जनपदों में दृष्टिबाधित, मूकबधि र, मानसिक मंदित तथा शारीरिक रूप से अक्षम दिव्यांगजन हेतु 16 विशेष विद्यालय तथा 05 समेकित विशेष विद्यालयों का संचालन किया जा रहा है। दिव्यांगजनों को उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने हेतु डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय लखनऊ एवं जगदगुरू रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय चित्रकूट संचालित किया जा रहा है। प्रदेश के निराश्रित मानसिक मंदित आश्रय गृह सह प्रशिक्षण केन्द्र बरेली मे महिलाओं हेतु तथा गोरखपुर एवं मेरठ में पुरूषों हेतु एक–एक आश्रय गृह सह प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना की गयी है।

पर्यटन विभाग की भूमि लीज नीति–2024 से प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा मिलने के साथ ही भूमि बैंक की स्थापना में मिलेगी मदद

भूमि लीज नीति–2024 को मा0 मंत्रि–परिषद ने 05 फरवरी को अनुमोदित किया–जयवीर सिंह

लखनऊ(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग की भूमि लीज नीति–2024 को मंत्रिपरिषद ने 05 फरवरी, 2024 को अनुमोदित कर दिया है। अब यह नीति प्रख्यापित होने जा रही है। यह नीति 06 चरणों में विभाजित है। प्रत्येक चरण के अंतर्गत अलग–अलग व्यवस्थायें की गयी हैं। प्रथम चरण के अंतर्गत निवेश प्रस्ताव के लिए रूचि की अभिव्यक्ति की व्यवस्था है। इसके तहत पर्यटन विभाग पट्टे के आधार पर भूमि आवंटन के लिए जनपद व पर्यटन गन्तव्यवार उपयुक्त भू–खण्ड की पहचान कर एक सूची बनायेगा। इसे पर्यटन विभाग के भूमि बैंक के रूप में चिन्हित किया जायेगा। इसके उपरान्त निवेशकों से रूचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित की जायेगी। भूमि बैंक के रूप में निर्धारित सभी जमीनों का स्वामित्व पर्यटन विभाग उ0प्र0 के पास ही रहेगा।

यह जानकारी आज यहां प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि प्रदेश में पर्यटन की गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार के पास उपलब्ध भूमि के अतिरिक्त भूमि की आवश्यकता पड़ने पर राज्य सरकार के अनुमोदन से अन्य विभागों से पर्यटन विभाग के पक्ष में भूमि हस्तान्तरित की जायेगी अथवा भूमि स्वामियों से भूमि अधिग्रहण अधिनियम की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत खरीदी जायेगी। जयवीर सिंह ने बताया कि भूमि लीज नीति के प्रथम चरण में निवेश प्रस्ताव के लिए रूचि की अभिव्यक्ति के बारे में बताया गया है। इसके तहत पर्यटन विभाग छोटे भूखण्ड को ''जहॉ है जिस स्थिति में है'' के आधार पर आवंटित करेगा। बड़े भू खण्ड पर निवेशकों को यूनिट पार्सल के रूप में आवंटन के लिए प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर विस्तार से ले आउट तैयार किया जायेगा। निवेशक आवंटित भू–खण्ड पर पर्यटन सुविधाओं के विकास की परियोजनाओं की डिजाइन, वित्त पोषण और विकसित करेगा। भू स्थल के आसपास आधारभूत संरचनाओं एवं अवस्थापना सुविधाओं संबंध ी विकास से संबंधित कार्यों पर होने वाला व्यय संबंधित विभागों द्वारा यथासंभव उनके बजट प्राविधान से किया जायेगा। जयवीर सिंह ने बताया कि विकास कार्यों के लिए संबंधित विभागों के विभागीय बजट में प्राविधान नहीं होगा, उसका आकलन कर पर्यटन विभाग द्वारा विकासात्मक व्यय के लिए बजटीय प्राविधान किया जायेगा। निवेशकध्पट्टाधारक द्वारा बिजली संबंधी कार्य एवं कनेक्शन, जल, सीवर, पर्यावरण, माइनिंग, नगर निकायध्पंचायत निकाय आदि से संबंधित वैधानिक देयों एवं अन्य सभी करों का भुगतान किया जायेगा। आवंटित भूखण्ड पर अनुमोदित परियोजना के अनुसार आंतरिक बुनियादी ढाचों का विकास निवेशकध्पट्टा धारक द्वारा किया जायेगा। नीति के द्वितीय चरण के अंतर्गत निवेश प्रस्तावों का तकनीकी मूल्यांकन की व्यवस्था है तथा तृतीय चरण में निवेश प्रस्तावों की स्वीकृति तथा चतुर्थ चरण में भूमि आवंटन की प्रक्रिया के बारे में व्यवस्था दी गयी है। पर्यटन मंत्री ने बताया कि 5वें चरण में समझौते पर हस्ताक्षर की प्रक्रिया पूरी कराने की व्यवस्था है। आवंटन प्रक्रिया के माध्यम से भूमि प्राप्त करने वाले निवेशकों को बैंक ऋण प्राप्त करने, वित्तीय समापन और निर्माण गतिविधि ायों को प्रारम्भ करने के लिए संबंधित विभाग से सभी आवश्यक अनुमोदन एनओसी आदि प्राप्त करने के लिए 09 माह की अवधि प्रदान की जायेगी। लीज पट्टा के आधार पर प्राप्त भूमि को निवेशक द्वारा सबलीज का अधिकार प्रदान नहीं किया जायेगा। भूमि लीज नीति के क्रियान्वयन में कतिपय शर्तों एवं प्रतिबंधों का अनुपालन अनिवार्य रूप से किया जायेगा। उ0प्र0 पर्यटन भूमि पट्टानीति के अंतर्गत उल्लिखित 06 चरणों में से प्रत्येक चरण की समयसीमा निर्धारण किया जाए। जिससे प्रत्येक भूमि पार्सल का विकास एक निश्चित समय सीमा के भीतर हो सके। प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति मुकेश कुमार मेश्राम ने इस नीति की विभिन्न प्रस्तावों पर 10 फरवरी, 2024 को हस्ताक्षर करते हुए महानिदेशक पर्यटन उ0प्र0 को अग्रेतर कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं।

आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सि), सोवा–रिग्पा, होम्योपैथी आदि चिकित्सा पद्धतियों के प्रचार–प्रसार पर होगा मंथन

60 से अधिक देशों के प्रतिनिधि करेंगे शिरकत

आयुष एवं स्वास्थ्य कल्याण पर तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन लखनऊ में, 22 फरवरी 2024 से

लखनऊ(आरएनएस)। आयुष एवं स्वास्थ्य कल्याण पर तीसरा अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन लखनऊ में 22 फरवरी, 2024 से प्रारम्भ होने जा रहा है। यह चार दिवसीय प्रदर्शनी व सम्मेलन अन्तर्राष्ट्रीय आरोग्य 2024 के तहत आयोजित किया जा रहा है। इस सम्मेलन में चिकित्सा की प्राचीन पद्धतियों में से आयुर्वेद तथा इसके साथ–साथ योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, होम्योपैथी आदि चिकित्सा प्रणाली से सम्बंधित अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर की जा रही नवीन शोधों, उपचार, औषधियों आदि के बारे में जानकारी प्राप्त होगी। इसके साथ ही इस सम्मेलन में इन पद्धतियों को लोकप्रिय बनाने के लिए व्यापक प्रचार–प्रसार की रणनीति बनाने के लिए गहन विचार–विमर्श किया जायेगा। इस सम्बंध में आज लोक भवन स्थित मीडिया सेंटर में पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार के आयुष विभाग की प्रमुख सचिव लीना जौहरी ने बताया कि आम जनमानस के स्वास्थ्य को बेहतर बनाना तथा आयुष के अंतर्गत आने वाली चिकित्सा प्रणालियों को बढ़ावा देना एवं इन्हें विकसित करके इसके उपयोग के बारे में नागरिकों को जागरूकता करना इस सम्मेलन का प्रमुख उद्देश्य है। श्रीमती जौहरी ने कहा कि ''हमारा मिशन विश्व स्तर पर आयुष की परिवर्तनकारी क्षमता का प्रदर्शन करना है और इस प्रदर्शनी के माध्यम से हम सभी लोगों के लिए इससे होने वाले स्वास्थ्य लाभों की जानकारी भी देना है। आयुष मंत्रालय भारत सरकार व फेडरेशन ऑफ इंडियन चौंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित यह चार दिवसीय कार्यक्रम 22 से 25 फरवरी, 2024 तक लखनऊ के अवध शिल्पग्राम में आयोजित किया जाएगा। साथ ही यह वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार और आयुष निर्यात संवर्धन परिषद (आयुष एक्सिल) द्वारा पोषित है। ''आयुष फॉर वन हेल्थ'' थीम पर आधारित यह कार्यक्रम वैश्विक संदर्भ में आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा–रिग्पा और होम्योपैथी (आयुष) सहित पारंपरिक भारतीय चिकित्सा प्रणालियों की ताकत और वैज्ञानिक मान्यता का प्रदर्शन करेगा और इनके विश्वव्यापी प्रचार, विकास और मान्यता को सुविधाजनक बनाने पर यहां विभिन्न सत्रों में चर्चा की जाएगी। जौहरी ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय आरोग्य 2024 एकीकृत स्वास्थ्य देखभाल और कल्याण में एक नए युग की शुरुआत करता है, जो दुनिया को एक साझा दृ ष्टिकोण के तहत एकजुट भी करता है। आयुष प्रणालियों के महत्व पर प्रकाश डालकर आध ुनिक गैर–संचारी रोगों से निपटने के लिए, हम वैश्विक स्वास्थ्य चुनौतियों के लिए समग्र समाधानों का समर्थन करते हैं। वैश्विक शिखर सम्मेलन में उपस्थित लोग वैकल्पिक दवाओं के माध्यम से बीमारियों के प्रबंध ान पर ज्ञानवर्धक सत्रों में भाग लेने में सक्षम होंगे, जो आयुर्वेद में निहित प्राकृतिक स्वास्थ्य देखभाल समाधानों में भारत के नेतृत्व को रेखांकित करेगा। ''अंतर्राष्ट्रीय आरोग्य 2024'' इसलिए भी अत्यधिक महत्व रखता है क्योंकि यह समग्र स्वास्थ्य और कल्याण के क्षेत्र में अभिसरण, सहयोग और नवाचार के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। अंतर्राष्ट्रीय आरोग्य का उद्देश्य हमेशा वैश्विक मान्यता को प्रोत्साहित करना, आयुष प्रथाओं को बढ़ावा देना और विकसित करना, जागरूकता को बढ़ावा देना, हितधारकों की बातचीत और बाजार विकास को सुविध ाजनक बनाना है। दिसंबर 2019 में आयोजित दूसरे सफल संस्करण के बाद, ''अंतर्राष्ट्रीय आरोग्य 2024'' की इस तृतीय श्रृंखला में भारत से बड़ी संख्या में प्रतिनिधि और खरीदार शामिल होंगे। साथ ही आयातकों, नियामकों और सरकारी अधि ाकारियों सहित 60 देशों के अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। इसमें वैकल्पिक चिकित्सा के 250 से अधिक निर्माताओं को एक साथ लाने की उम्मीद है, जो अपने उत्पादों और सेवाओं का प्रदर्शन करेंगे। यह मेगा इवेंट आयुष क्षेत्र के प्रमुख हितधारकों को एक छत के नीचे एकत्रित करेगा, आयुष उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने में मदद करेगा, भारत की वैकल्पिक चिकित्सा प्रणालियों में नवीनतम अनुसंधान को बढ़ावा देगा।

परिवहन निगम की ग्रामीण एवं उप नगरीय बस सेवाओं के फेयर स्टाप में होगी बढ़ोत्तरी – दयाशंकर सिंह

लखनऊ(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने निर्देश दिये हैं कि ग्रामीण क्षेत्र की सड़कों पर प्रत्येक तीन किमी0 तथा अन्य मार्गों पर प्रत्येक 05 किमी0 की दूरी पर एक फेयर स्टाप बनाया जाय। उन्होंने कहा कि स्टाप सड़क पर स्थित गांव के अतिरिक्त सड़क का वह बिन्दुध्चौराहाध्तिराहा भी हो सकता है जहां से उन गांवों के यात्री बस सेवा पाते हैं। सड़क से दूर स्थित ऐसे फेयर स्टाप से निकटवर्ती क्षेत्रों के यात्रियों को सेवा पाने का अवसर सुलभ हो एवं तद्नुसार टिकट निर्गत हो। जनपद मुख्यालयों व उच्चतर नगरों के अन्दर दो स्टाप के मध्य की दूरी 03 किमी से अधिक रखी जा सकती है लेकिन 05 किमी0 से अधि ाक नहीं होनी चाहिए। परिवहन मंत्री ने कहा कि सड़कों के चौड़ीकरण व उच्चीकरण होने से तथा सड़कों के किनारे नये–नये गांव निरन्तर अस्तित्व में आने से सड़क किनारे स्थित गांवों व कस्बों में जनसंख्या का घनत्व व आकार बढ़ रहा है साथ ही बसों के फेयर स्टाप में बढ़ोत्तरी की मांग निरन्तर जन–प्रतिनिधियों एवं सम्मानीय नागरिकों के माध्यम से निरन्तर मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि नये फेयर स्टाप बनाने में कोई व्यय भी अन्तरवलित नहीं है। मांग के अनुरूप फेयर स्टाप न होने से व निगम की सेवा सुलभ न होने से यात्री वैकल्पिक परिवहन माध्यमों का आश्रय लेते हैं, जिससे अधिसूचित मार्गों पर अनाधिकृत वाहनों के संचालन में वृद्धि देखी जाती है। मुख्यमंत्री के निरन्तर निर्देश प्राप्त होते रहते हैं कि प्रत्येक गांव को निगम की बसों से सेवित किया जाय। परिवहन मंत्री ने कहा कि निगम बसों के स्टाप के सम्बंध में ग्राम्य सेवाएं, शटल स्थानीय सेवाएं, सीमित स्टॉप सेवाएं, एक्सप्रेस सेवाएं, सुपरफास्ट सेवाएं के रूप में वर्गीकृत किया गया है। ग्राम्य सेवाएं की बसें मार्ग पर प्रत्येक स्टाप पर रूकेंगी तथा इनकी औसत गति 40 किमी0 प्रति घण्टा निर्धारित की गयी है। स्थानीय शटर सेवाएं दो जनपदों की सीमाओं के अन्दर संचालित होंगी। ये बस सेवाएं भी प्रत्येक स्टाप पर रूकेंगी तथा इनकी औसत गति 46 किमी0 प्रति घण्टा रखी गयी है। सीमित स्टाप वाली बस सेवा अपने पूर्व निर्धारित स्टाप मात्र पर रूकेगी। इन सेवाओं की बसें 5000 की जनसंख्या वाले गांव से निम्नतर उपनगरों में नहीं रूकेंगी तथा इसकी औसत गति सीमा 54 किमी0 प्रति घण्टा होगी। एक्सप्रेस सेवा का आशय दूतगामी बस सेवा से है, जिसके प्रत्येक स्टाप ब्लाक स्तरीय कस्बे या 25 हजार की जनसंख्या वाले कस्बे होंगे तथा इसकी औसत गति सीमा 60 किमी0 प्रति घण्टा निर्धारित होगी एवं सुपरफास्ट सेवा ऐसी द्रूतगामी बस सेवा है जो 35 हजार जनसंख्या वाले उपनगरों पर रूकेगी तथा इसकी औसत गति सीमा 64 किमी0 प्रति घण्टा निर्धारित है।

सड़क सुरक्षा सरकार की प्रमुख प्राथमिकता– जितिन प्रसाद

महत्पूर्ण मार्गों पर एम्बुलेंस की व्यवस्था होगी

सड़क दुर्घटना रोकने के लिए सड़क निर्माण में नवीनत्म तकनीक का प्रयोग किया जायेगा

लखनऊ(आरएनएस) । उत्तर प्रदेश लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद ने कहा कि सड़क सुरक्षा सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में है। सड़क दुर्घटनाओं को कम करने में लोक निर्माण विभाग की अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि महत्पूर्ण मार्गों पर एम्बुलेंस की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। अस्पतालों से समन्वय बनाकर रखा जाये, ताकि दुर्घटना होने पर घायलों को तत्काल अस्पताल में इलाज मिल सके और उनका जीवन बचाया जा सके। यह निर्देश आज लोक निर्माण विभाग में सड़क सुरक्षा के प्रति संवेदीकृ त होने हेतु आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला के शुभारंभ अवसर पर अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं के प्रमुख कारणों में ओवरस्पीडिंग, ओवरलोडिंग, वाहन सुरक्षा उपकरणों का प्रयोग न करना, खराब रोड इंजीनियरिंग तथा दोषपूर्ण सड़क सुरक्षा उपाय आदि है। सर्वाधिक सड़क दुर्घटनाएं राष्ट्रीय राजमार्ग पर लगभग 34 प्रतिशत, राज्य राजमार्ग पर लगभग 29 प्रतिशत, एक्सप्रेस–वे पर 2 प्रतिशत एवं अन्य मार्गों पर 35 प्रतिशत हो रही है। सड़क निर्माण में नवीनत्म तकनीक का प्रयोग करके काफी हद तक दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। लोक निर्माण मंत्री ने कहा कि दुर्घटनाओं के लिए सड़कों की डिजाइन फाल्ट दुर्घटना का बहुत बड़ा कारण है। इसको दूर करने के लिए सभी अभियंताओं को हर माह प्रशिक्षण दिया जाये। उन्होंने कहा कि सड़क निमार्ण हेतु बनाये जाने वाले इस्टीमेट में सड़क सुरक्षा से संबंधित कम्पोनेंट को अवश्य शामिल किया जाये। सड़कों पर स्पीड ब्रेकर और मार्किंग की अच्छी व्यवस्था होनी चाहिए। मानकों एवं गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए। सभी ब्लैक स्पाट को चिन्हित करें और अवैध कट भी बंद करायें। लापरवाही पाये जाने पर दोषियों के विरूद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाये। तकनीकी सलाहकार, लोक निर्माण विभाग वी0के0सिंह ने बताया कि यातायात को सुरक्षित बनाये रखने के लिए मार्गों को गढ्ढा मुक्त किया जा रहा है। मार्गों के चिन्हित दुर्घटना बाहुल्य स्थलों (ब्लैक स्पॉट्स) पर अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक सुधार कार्य कराये गये हैं। सभी विभागीय वाहनों के पीछे रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप लगाने का कार्य किया जा रहा है । सड़कों से दृष्टि अवरोधी होर्डिंग्स को हटाकर अन्य स्थलों पर शिफ्ट कराया जा रहा है। मल्टीलेन मार्गों पर अनियोजित डिवाईडर ओपनिंग को बंद कराने का कार्य किया जा रहा है। मल्टीलेन मार्गों पर लेन मार्किंग, मार्गों पर रेट्रो रिफ्लेक्टिव रोड साईनेज, ट्रैफिक कॉमिंग मेजर्स यथा रिपीटेड बार, रम्बल स्ट्रिप, स्पीड टेबल, रफनिंग ऑफ रोटरी का कार्य कराया जा रहा है। साथ ही पैदल यात्रियों हेतु जेब्रा कॉसिंग, रोड मार्किंग भी कराई जा रही है। प्रमुख अभियंता, लोक निर्माण वी0के0 श्रीवास्तव ने बताया कि समस्त जनपदों में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समितियाँ गठित हैं। समिति की प्रतिमाह बैठक कराकर जनपदीय रोड सेफ्टी ऐक्शन प्लान तैयार कराते हुए सड़क सुरक्षा से सम्बन्धित बिन्दुओं को कियान्वित कराया जा रहा है। लो०नि०वि० के मार्गों पर प्रदेश में कुल 1365 ब्लैक स्पॉट चिन्हित किये गये हैं। इन ब्लैक स्पॉट्स पर सी०आर०आर०आई० दिल्ली, आई०आई०टी० दिल्ली एवं आई०आई०टी० बी०एच०यू० द्वारा रोड सेफ्टी ऑडिट रिपोर्ट प्राप्त करते हुए, सेफ्टी ऑडिट की संस्तुतियों के आधार पर समस्त ब्लैक स्पॉट्स का सुध ारीकरण का कार्य पूर्ण किया गया है। प्रमुख अभियंता, लोक निर्माण ए0के अग्रवाल ने बताया कि विगत वर्षों में विभाग द्वारा ट्रैफिक कॉमिंग मेजर्स के अन्तर्गत कुल 33819 रम्बल स्ट्रिप ध् रिपीटेड बार स्पीड टेबल का कार्य तथा विभिन्न मार्गों पर कुल 14701 गति नियंत्रण संकेतक व अन्य प्रकार के कुल 110098 सचेतक ध्सूचनात्मक साईन बोर्ड लगाये गये हैं। मार्गस्थ सुविधाओं के अन्तर्गत 56 ट्रक ले बाई के निर्माण का कार्य पूर्ण हो चुका है। उन्होंने बताया कि जन जागरूकता अभियान के अन्तर्गत वर्तमान में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह दिनांक 15.01.2024 से दिनांक 14.02. 2024 तक मनाते हुए लोक निर्माण विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा के दृ ष्टिगत अपना योगदान दिया गया।

पर्यटन विकास की निर्माणाधीन परियोजनाओं को गुणवत्ता के साथ समय से पूरा करें–जयवीर सिंह

प्रदेश में बढ़ते धार्मिक पर्यटन को दृष्टिगत रखते हुए अवस्थापना सुविधाएं बढ़ायी जाएं

पर्यटन मंत्री ने संस्क ृति व पर्यटन विभाग की समीक्षा की

लखनऊ(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर िसंह ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि निर्माणाध ीन परियोजनाओं को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय में पूरा कर लें। उन्होंने कहा कि चालू वित्तीय वर्ष में कम समय बचा है इस लिए युद्धस्तर पर कार्य करते हुए पर्यटन विकास से संबंधित निर्माणाधीन परियोजनाओं को पूरा किया जाए, जिससे इसका लाभ समय से आम जनता को प्राप्त हो सके। इसके अलावा प्रदेश मे आने वाले पर्यटकों को आसानी हो और पर्यटन को बढ़ावा मिले। उन्होंने निर्देश दिया कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। अधोमानक सामग्री का उपयोग पाये जाने पर संबंधित कार्यदायी संस्था एवं पर्यवेक्षण करने वाले अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित की जाएगी।पर्यटन मंत्री आज गोमती नगर स्थित पर्यटन विभाग के सभागार में पर्यटन एवं संस्कृति विभाग की लम्बित परियोजनाओं की विस्तार से समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने निर्देश दिया कि घटिया सामग्री का उपयोग पाये जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बैठक में मुख्यमंत्री पर्यटन विकास सहभागिता योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि इसमें किसी प्रकार का विलम्ब बर्दास्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने वाराणसी मण्डल में कई घाटों एवं मार्गों के सौन्दर्यीकरण कार्य को यथाशीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। जयवरीर सिंह ने गोरखपुर में विभाग द्वारा क्रियान्वित परियोजनाओं, चित्रकूट में गणेश बाग में लगने वाले म्यूजिकल फाउण्टेन तथा मिर्जापुर में विंध्याचल मंदिर की गलियों के सौन्दर्यीकरण के कार्य को समय से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में धार्मिक एवं अध्यात्मिक पर्यटन बहुत तेजी से बढ़ रहा है। अयोध्या में भगवान श्रीराम के मंदिर के लोकार्पण के बाद पूरे प्रदेश में श्रद्धालुओं एवं आगंतुकों की संख्या में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। राज्य सरकार आगंतुकों को बेहतर कनेक्टिविटी एवं अत्याधुनिक अवस्थापना सुविधाएं मुहैया कराकर पर्यटन को बढ़ाने पर जोर दे रही है। जयवीर सिंह ने कहा कि पर्यटन सेक्टर में आमदनी, रोजगार, एवं निवेश की व्यापक संभावनाओं को देखते हुए मुख्यमंत्री का इस सेक्टर पर विशेष फोकस है। इसलिए संस्कृति एवं पर्यटन विभाग की निर्माणाधीन पर्यटन विकास की योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि बौद्धस्थली संकिसा के पर्यटन विकास संबंधी कार्यों को पूरा किया जाए। इसके अलावा वाराणसी में सारनाथ की परियोजनाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए।जयवीर सिंह ने कहा कि अयोध्या की सड़कों के साथ–साथ देवीपाटन में पर्यटन सुविधाओं का विकास पर विशेष जोर दिया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में ईको–टूरिज्म और साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए संचालित परियोजनाओं पर तेजी से कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के पर्यटक स्थलों को विश्व के नक्शे पर लाने का हरसंभव प्रयास किया जाए। ताकि भारत में आने वाला हर पर्यटक सबसे पहले उत्तर प्रदेश की ओर आए। उन्होंने कहा कि इससे स्थानीय लोगों को रोजगार प्राप्त होगा।

जेईई मेन में सी.एम.एस. के 15 छात्रों के 99 परसेन्टाइल से अधिक अंक, सर्वाधिक 182 छात्र हुए सफल

लखनऊ, 13 फरवरी। सिटी मोन्टेसरी स्कूल के सर्वाधिक 15 छात्रों ने 'जेईई मेन–2024' परीक्षा में 99 परसेन्टाइल से अधिक अंक अर्जित कर अपने मेधात्व का परचम लहराया है तो वहीं दूसरी ओर 72 छात्रों ने 95 परसेन्टाइल से अधिक जबकि 115 छात्रों ने

90 परसेन्टाइल से अधिक अंक अर्जित कर अपने ही पिछले रिकार्ड को तोड़ा है। सी.एम.एस. प्रेसीडेन्ट व प्रबन्धक, प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने सभी सफल छात्रों को बधाई देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि आगे चलकर ये छात्र राष्ट्र के विकास व समृद्धि में रचनात्मक योगदान देंगे। प्रो. किंगडन ने सी.एम.एस. प्रधानाचार्याओं व शिक्षकों का भी आभार व्यक्त किया, जो छात्रों के लिए उपयुक्त शैक्षिक वातावरण को बनाये रखने को प्रतिबद्ध हैं और जिनकी बदौलत विद्यालय के छात्र दिन–प्रतिदिन नये कीर्तिमान गढ़ रहे हैं।

जे.ई.ई. मेन–2024 परीक्षा में 99 परसेन्टाइल से अधिक अंक अर्जित करने वाले छात्रों में श्रेयांस चतुर्वेदी (99.76 परसेन्टाइल), अर्णव त्रिपाठी (99.71 परसेन्टाइल), गौरव गुप्ता (99.65 परसेन्टाइल), किंजल सिंह (99.63 परसेन्टाइल), मयंक पाण्डेय (99.61 परसेन्टाइल), अनंत शुक्ला (99.58 परसेन्टाइल), प्रद्युम्न सिंह (99.57 परसेन्टाइल), उज्जवल अग्रवाल (99.53 परसेन्टाइल), अमोघ अनंत (99.50 परसेन्टाइल), अनंत त्रिपाठी (99.47 परसेन्टाइल), मोहम्मद अनस अली उस्मानी (99.25 परसेन्टाइल), यशार्थ सेंगर (99.17 परसेन्टाइल), अक्षिता सिंह (99.14 परसेन्टाइल), अनिकेश अग्रवाल (99.11 परसेन्टाइल) एवं कृष्ण अग्रवाल (99 परसेन्टाइल) प्रमुख हैं। इन छात्रों ने अपनी अभूतपूर्व सफलता का श्रेय सी.एम.एस. के अपने शिक्षकों व विद्यालय के शैक्षिक वातावरण को दिया है।सी.एम.एस. के सर्वाधिक 182 छात्रों ने जे.ई.ई. मेन–2024 परीक्षा में सफलता अर्जित की है।

नगर आयुक्त ने मौके पर पहुंच कर सुनी प्रदर्शनकारियों की बात

भाकियू अराजनैतिक के कार्यकर्ताओं ने किया निगम कार्यालय पर प्रदर्शन

(मथुरा)भाकियू अराजनैतिक के कार्यकर्ताओं ने महानगर की समस्याओं को लेकर नगर निगम कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया। महानगर अध्यक्ष पवन चतुर्वेदी के नेतृत्व में पहुंचे कार्यकर्ताओं ने महानगर की समस्याओं से नगर आयुक्त को अवगत कराने की बात रखी। नगर आयुक्त के मौके पर नहीं पहुंचने से नाराज प्रदर्शनकारियों ने ऐलान कर दिया कि अगर नगर आयुक्त मौके पर

आकर उनकी समस्या नहीं सुनते हैं तो वह नगर निगम कार्यालय में तालाबंदी कर देंगे। किसान संगठन के प्रदर्शन की सूचना पर कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और किसान नेताओं को मनाने का प्रयास किया लेकिन कार्यकर्ता इसी बात पर अड़े रहे कि नगर आयुक्त को ही वह अपनी समस्या बताएंगे। इसके बाद नगर आयुक्त शशांक चौधरी मौके पर पहुंचे और किसान संगठन के कार्यकर्ताओं की बात सुनी। इसके बाद प्रदर्शन को स्थगित कर दिया गया। महानगर अध्यक्ष पवन चतुर्वेदी ने बताया कि नगर निगम से जुड़ी समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। अधिकारी पीड़ितों की बातों को अनसुना कर रहे हैं। यहां तक कि कई बार पीड़ितों की बात सुनने तक तैयार नहीं होते हैं। हमने नगर आयुक्त के सामने सभी समस्याओं को उठाया है। नगर आयुक्त की ओर से आश्वासन दिया गया है कि उनकी समस्याओं का समाधान होगा। इन सभी समस्याओं का समाधान एक हफ्ते में नहीं हुआ तो भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक कार्यकर्ता गाय भैंस बकरी के साथ मथुरा वृंदावन नगर निगम में अनिश्चितकालीन आंदोलन करेंगे जिसकी सारी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। महानगर संयोजक विजय सिंघल, महिला जिला अध्यक्ष मीना ठाकुर, महानगर अध्यक्ष पवन चतुर्वेदी, राजवीर सिंह, नेता दिनेश आनंद पापे, करन पाठक, मुजाहिद कुरैशी, नरेश चौधरी, मुजाहिद कुरैशी, फैजान कुरैशी, तनवीर कुरेशी, असलम कुरैशी, शैलेंद्र मिश्रा, चिरागुद्दीन कुरैशी आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

उपाध्याय श्री विहसंतसागर मुनिराज को झांसी आगमन हेतू श्रीफल भेंट

झांसी! मेडिटेशन गुरु के नाम से प्रख्यात जैन संत उपाध्याय श्री विहसंत सागर जी मुनिराज के चरणों में वीरभूमि झांसी आगमन हेतू पंचायत संवैधानिक अध्यक्ष अजित जैन के नेतृत्व में जैन समाज के प्रतिनिधि मण्डल ने डबरा में नवग्रह शक्ति पीठ में चल रहे पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में पहुंचकर श्रीफल भेंट कर झांसी नगर में पधारने का आग्रह किया। प्रतिनिधि मण्डल में पंचायत कनिष्ठ उपाध्यक्ष वरुण जैन, प्यावल तीर्थ मंत्री खुशाल जैन, वरिष्ठ समाजसेवी रमेश जैन अछरौनी, अशोक जैन नीम, पुलक जन चेतना मंच मुख्य शाखा के अध्यक्ष दिनेश जैन डीके, राजेन्द्र बड़जात्या, युवा समाजसेवी सौरभ जैन सर्वज्ञ, युवा व्यापारीगण सचिन सर्राफ, अंकित सर्राफ, दीपांक सिंघई शामिल रहे। पूज्य उपाध्याय श्री ने सभी को मंगल आशीर्वाद प्रदान किया। महोत्सव समिति,डबरा के पदाधिकारियों ने झांसी से पहुंचे प्रतिनिधि मण्डल के समस्त साधर्मी बंधुओं का तिलक लगाकर स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत सत्कार किया। इस अवसर पर सौरभ जैन सर्वज्ञ ने बताया कि पूज्य गुरुदेव विहसंत सागर जी महाराज के सानिध्य में पिछले वर्ष झांसी नगर में भगवान महावीर जयंती का भव्य एवम् ऐतिहासिक आयोजन हुआ था।

हार्ट फेल की चपेट में आ रहे भारतीय युवा आपके हाथ में ही है बचाव

झांसी! यथार्थ सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल ग्रेटर नोएडा में कार्डियक साइंसेज के एचओडी एंड सीनियर कंसल्टेंट डॉक्टर पंकज रंजन ने दिल से जुड़ी बीमारियों, इसके लक्षण और बचाव के तरीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी. डॉक्टर रंजन ने बताया कि भारत समेत पूरी दुनिया में दिल से जुड़ी बीमारियों के मामले काफी ज्यादा बढ़ रहे हैं. वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट के मुताबिक, हर पांच में से एक पुरुष और 8 में से एक महिला दिल की बीमारियों के कारण मौत की चपेट में आ रहे हैं. इस तरह के मामलों में ये बढ़ोतरी धमनियों में फैटी चीजें जमा हो जाने के कारण हो रही हैं क्योंकि इसकी वजह से दिल की ब्लड सप्लाई बाधित हो जाती है. धूम्रपान, मोटापा, हाई कोलेस्ट्रॉल, हाई ब्लड प्रेशर और डायबिटीज जैसी दिक्कतें दिल की सेहत को और ज्यादा खराब करती हैं.कुछ वक्त पहले तक हार्ट की बीमारी उम्रदराज लोगों में ज्यादा देखी जाती थी लेकिन अब ट्रेंड बदल गया है जो काफी चिंताजनक

है. जो युवा 20, 30 या 40 की उम्र में हैं वो भी हार्ट डिजीज की चपेट में आ रहे हैं. मॉडर्न लाइफ में जिस तरह का तनाव है उसके कारण यंग आबादी के हार्ट भी कमजोर हो रहे हैं. इसके अलावा जेनेटिक कारण और फैमिली हिस्ट्री भी हार्ट डिजीज के रिस्क फैक्टर माने जाते हैं. युवाओं में हार्ट डिजीज के ज्यादातर केस अधिक तनाव, काम से ज्यादा घंटे, नींद के पैटर्न में असामान्यता, स्मोकिंग और खराब जीवनशैली के कारण सामने आ रहे हैं.आंकड़े बताते हैं कि हर दिन दिल की बीमारियों के कारण करीब 9000 मौतें होती हैं यानी हर 10 सेकंड में एक जिंदगी जा रही है. हैरान करने वाली बात ये है कि इनमें से 900 मौतें ऐसे लोगों की होती हैं जिनकी उम्र 40 साल से कम है. ऐसे में ये जरूरी हो जाता है देश के लोगों को हार्ट डिजीज के खतरों के बारे में बताया जाए, नहीं तो ये मृत्युदर का सबसे बड़ा कारण बन जाएगा.भारत में प्रति वर्ष 2 लाख से ज्यादा ओपन हार्ट सर्जरी की जाती हैं, और हर साल इनमें 25 फीसदी का इजाफा हो रहा है, लेकिन ये भी नाकाफी साबित हो रही हैं. हार्ट अटैक से बचाव दरअसल लोगों को एजुकेट करके, इसके लक्षणों के बारे में अलर्ट करके ही किया जा सकता है

स्टूडेंट पुलिस कैडेट कार्यक्रम के अंतर्गत कार्यशाला का आयोजन किया गया

झांसी! स्टूडेंट पुलिस कैडेट कार्यक्रम के अंतर्गत फरवरी माह की आंतरिक गतिविधियों के अंतर्गत सूरज प्रसाद राजकीय बालिका इंटर कॉलेज झांसी में दिनांक 13.02.2024 को टीम भावना तथा अनुशासन के बारे में विस्तार से बताया गया सर्वप्रथम कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्या श्रीमती कीर्ति शर्मा व उपप्रधानाचार्या श्रीमती निधि चौहान द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया विद्यालय की ँच्च नोडल शिक्षिका श्रीमती असमा खान ने कैडेट्स को टीम भावना के अंतर्गत टीम भावना के स्वरूप एवं गुण क्या है टीम भावना को प्राप्त कैसे किया जा सकता है, तथा टीम भावना क्यों महत्वपूर्ण है जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा कर कार्यशाला का आयोजन किया गया इसके उपरांत उप प्रधानाचार्य श्रीमती निधि चौहान जी एवं प्रधानाचार्या श्रीमती कीर्ति शर्मा जी ने अनुशासन विषय के अंतर्गत स्वअनुशासन क्या है,जीवन में अनुशासन का क्या महत्व है, सफलता पाने के लिए अनुशासन का क्या महत्व है' को विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से समझाया कार्यशाला के उपरांत विद्यालय की ँच्च कैडेट्स ने बाह्य गतिविधि के अंतर्गत विभिन्न खेलों को खेला जैसे रस्सा खिचाई, कबड्डी व खो खो। उक्त खेलों के माध्यम से ँच्च कैडेट्स ने संगठित रूप से टीम भावना व स्वशासन के बारे में जाना।कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती कीर्ति शर्मा, उप प्रधानाचार्य निधि चौहान, एसपीसी नोडल असमा खान, डॉ शालू, डॉ उषा, नीतू सिंह व रचना नामदेव उपस्थित रहे व समस्त कैडेट्स को प्रोत्साहित किया

ग्रामीणों को जल जनित बीमारियों के प्रति करेंगे सचेत

–विधायक पूरन प्रकाश ने टीमों को हरी झंडी दिखाकर रवाना

(मथुरा) ग्रामीणों को दूषित पानी से पनपने वाली बीमारियों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसके लिए गांव गांव टीमें जा कर ग्रामीणों से संपर्क करेंगी और उन्हें बताएंगी कि जल जनित बीमारियां कैसे फैलती है और उन्हें फैलने से कैसे रोका जा सकता है। राज्य पेयजल स्वच्छता मिशन नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के द्वारा जल जीवन मिशन के अन्तर्गत मंगलवार को बलदेव में संस्था एक्शन फॉर रूरल डेवलपमेंट द्वारा जागरूकता रैली को रवाना किया गया। जिसमें विधायक बलदेव पूरन प्रकाश व खण्ड विकास अधिकारी नेहा रावत ने रैली को बलदेव ब्लाक परिसर से हरीझंडी दिखाई। ग्रामीणों को जलजनित बीमारियों से जागरूक करने को रैली में शामिल टीमों को दिखाकर रवाना किया। जिला परियोजना समन्वयस्क अंकुश सिंह ने बताया कि रैली में शामिल टीमें ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर नुक्कड़ नाटक, एवं स्व्च्छता मेला, स्वच्छता समितियों की बैठकें व आईईसी सामग्रियों का वितरण कर लोगों को अशुद्ध पेयजल,जलजनित रोगों से बचाव को लेकर जागरूक करने का

काम करेंगी। दूषित पेयजल के कारण ग्रामीणों को हैजा, कालरा, पोलियो, पीलिया, चर्मरोग, कैंसर, कुष्ठ रोग, टीबी जैसे रोगों की चपेट से बचाया जा सके। मंगलवार को बल्देव विकास खण्ड सरिसर से गाड़ीयों के काफिले को रवानगी के समय एडीओ साहब सिंह, सुभाष कुमार, भाजपा जिलाध्यक्ष मनीषा पारसर, जिला महामंत्री श्री देवेश पाठक, नरेन्द्र गोयल, मण्डल अध्यक्ष वेदप्रकाश सोलंकी, जिला कार्य कारणी सदस्य मानवेन्द्र उपाध्याय, जिला परियोजना समन्वयक अकुंश सिंह सह.जिला परियोजना समव्यक विवेक कुमार सिंह, मनोज मधेशिया, रीता देवी आदि उपस्थित रहे।

बरुआसगर में खजुराहो उदयपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस का पूर्व की तरह पुन:ठहराव किया जाए

झांसी !प्रबंधक रेलवे स्टेशन मास्टर को अपना दल एस के जिला महासचिव डॉ सुभाष रायकवार नेतृत्व में एक ज्ञापन दिया गया की बरुआसागर व् विश्व पर्यटक स्थल ओरछा धाम ओरछा रेलवे स्टेशन पर बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस एवं खजुराहो उदयपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस का पूर्व की तरह पुन: ठहराव जनहित में अतिशीघ्र कराया जाए है कोविड 19 के समय से बरुआसागर झाँसी उ०प्र० रेलवे स्टेशन पर बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस का ठहराव बंद था लेकिन बुंदेलखण्ड एक्सप्रेस एवं खजुराहो उदयपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस का ठहराव अभी तक बरुआसागर जिला झाँसी रेलवे स्टेशन पर ना होने से बरुआसागर व् बरुआसागर ओरछा राम राजा मंदिर के आस पास की जनता को भारी परेशानी सामना करना पड़ रहा है बरुआसागर झाँसी उ०प्र० विश्व पर्यटक स्थल (ओरछा धाम) ओरछा की रेलवे स्टेशन पर पूर्व की तरह पुन: बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस एवं खजुराहो उदयपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस का ठहराव जनहित में अतिशीघ्र कराये जाने की मांग की है इस दौरान चौधरी रैकवार आकाश रैकवार राजेश कश्यप शंकर भाई जी सतीश रैकवार मुरारी रैकवार यस रिकवर आनंद धर्मेंद्र दीपक रितिक संजू जीतू अखिलेश राघवेंद्र राहुल पुष्पेंद्र जगतसिंह आदि उपस्थित रहे

अब पार्षद भी जाएंगे रामलाल के दर्शन को अयोध्या

(मथुरा) नगर निगम मथुरा वृन्दावन की सदन की तृतीय बैठक जनरलगंज स्थित नगर निगम मथुरा वृन्दावन के नवीन हॉल में महापौर विनोद कुमार

अग्रवाल की अध्यक्षता में नगर आयुक्त शशांक चौधरी की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। बैठक में महापौर के निर्देशों के अनुपालन में सदन प्रभारी सहायक नगर आयुक्त राकेश कुमार त्यागी द्वारा तृतीय बैठक प्रारम्भ की गई। बैठक के दौरान नगर निगम मथुरा वृन्दावन मथुरा के द्वितीय अधिवेशन सदन की 30 दिसम्बर 2023 को हुई बैठक की संम्पुष्टि सर्वसम्मति से की गयी। लेखाधिकारी राजेश कुमार गौतम ने नगर निगम मथुरा वृन्दावन का पुनरीक्षित बजट वित्तीय वर्ष 2023–24 5,04,82,68,343 रूपये प्रस्तुत किया गया। जिस पर विस्तृत चर्चा के उपरान्त सर्व सम्मति से स्वीकृति प्रदान की गयी। राजेश कुमार गौतम लेखाधिकारी द्वारा नगर निगम मथुरा वृन्दावन का मूल बजट वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए 5,87,74,13,193 प्रस्तुत किया गया। जिस पर विस्तृत चर्चा के उपरान्त सर्व सम्मति से स्वीकृति प्रदान की गयी। नगर निगम मथुरा वृन्दावन में वर्तमान वित्तीय वर्ष के कर अदायगी पर दी जाने वाली 10 प्रतिशत छूट की अवधि को एक फरवरी से 31 मार्च तक की वृद्धि किये जाने की सर्व सम्मति से स्वीकृति प्रदान की गयी। चर्चा के दौरान पार्षद रेनू तिलकवीर चौधरी के द्वारा मांग की गई की समस्त पार्षदों को अयोध्या में श्री राम मंदिर में रामलला के दर्शन की व्यवस्था की जाए। इस पर महापौर एवं पार्षदगणों के द्वारा सहमति व्यक्ति की गई। बैठक में सर्व श्री उपसभापति श्री मुकेश सारस्वत एवं समस्त पार्षदगण तथा नगर निगम के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

युवाओं के कमान संभालने से पार्टी मजबूत होगी - अरविंद वशिष्ठ

झांसी! आज रू झाँसी में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता अरविंद वशिष्ठ जी की अध्यक्षता में उनके निवास में बैठक हुई जिसमें मुलायम सिंह यूथ बिग्रेड के नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष सैयद अली को सभी ने माला पगड़ी पहनाकर बधाई दी।

वरिष्ठ नेता अरविंद वशिष्ठ ने कहा कि मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड में हाई कमान द्वारा सैयद अली पर एक बार फिर विश्वास जताते हुए जिला अध्यक्ष बनाया गया है मुझे पूर्ण विश्वास है की सैयद अली जी के कमान संभालने से पार्टी मजबूत होगी युवा देश की कमान संभाले तो निश्चित देश मे एक नई क्रांति आएगी ,इतिहास गवाह है अंग्रेजों के जुल्मों से युवा क्रांतिकारियों ने ही अपना खून बहाकर देश को आजादी दिलाई। और आज भी अगर शिक्षित युवा राजनीति में आगे आएंगे तो जनता को जुमले नही बल्कि वास्तिवकता में विकास मिलेगा।उक्त बैठक में सर्वश्री किसान एवं व्यापारी नेता जितेन्द्र भदौरिया, सुशील मौर्या, निखिल पाठक ,अभिषेक दीक्षित,एड अनीकेत चौधरी ,सरताज अली, मनीष कश्यप, हैदर अली , साहिल

राष्ट्रीय भाजपा समर्थन मंच के प्रदेश अध्यक्ष मथुरा पहुंचे

(मथुरा) प्रदेश राष्ट्रीय भाजपा समर्थन मंच के प्रदेश अध्यक्ष रमेश सिंह रघुवंशी मथुरा पहुंचे। उन्होंने यहां मंच के कार्यकर्ताओं को सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी दी। साथ ही लोकसभा चुनाव से पहले कार्यकर्ताओं में जोश भरा। प्रदेश अध्यक्ष का मथुरा पहुंचने पर मंच के जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश सैनी के नेतृत्व में जनरल गंज स्थित जिला कार्यालय पर जोरदार स्वागत किया गया। इससे पहले प्रदेश अध्यक्ष ने वृंदावन में ठाकुर बांके बिहारी के दर्शन किये । जिला कार्यालय पर प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से कहा कि वह सरकार की योजनाओं को गांव गांव तक पहुचाएं। लोगों को बताएं कि किस तरह से केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार ने गरीब और वंचितों को गरीबी रेखा से निकालने के लिए योजनाएं संचालित कीं और यह भी सुनिश्चित किया कि योजनाएं उनके वास्तविक हकदारों तक पहुंचें। यही वजह है कि भाजपा सरकार की नीति और नीयत का ठंका देश के साथ विदेशों में भी बज रहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को ग्राम सभा स्तर व वार्ड स्तर से संगठन को जोड़ने का मूल मंत्र बताया। पार्टी ने चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देकर किसानों का सही अर्थों में सम्मान किया है। इससे पहले की कोई सरकार यह नहीं कर सकी। भाजपा किसानों की सबसे बडी हितैशी पार्टी है। इस मौके पर राष्ट्रीय भाजपा सनर्थन मंच के मथुरा जिले के उपाध्यक्ष सुरेश चौधरी, उपाध्यक्ष रवीन्द्र गोस्वामी, सचिव चन्द्रहास चौधरी, सचिव शिवराज सिंह चौधरी, सचिव मुकेश सैनी, कोषाध्यक्ष रिषी गोस्वामी, संगठन मंत्री खजान सिंह चौधरी, संगठन मंत्री लोकेश सैनी, विजय सैनी, शिवम सैनी, हिमांशु सैनी, शान्तनु शर्मा, मोहन प्रसाद, लोकेश चौधरी, मन्त्रवीर चौधरी, सुमित गोस्वामी आदि उपस्थित रहे।

बोर्ड परीक्षाओं से ठीक पहले डीएम ने केन्द्र व्यवस्थापकों के साथ की ब्रीफिंग

मथुरा। यूपी बोर्ड की परीक्षाओं के प्रारंभ होने में करीब सप्ताह भर का समय शेष बचा है। प्रशासन परीक्षाओं की तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटा है। परीक्षा शुरू होने से ठीक पहले जिलाधिकारी ने केन्द्र व्यवस्थापकों के साथ ब्रीफिंग की। जिलाधिकारी शैलेन्द्र कुमार सिंह की अध्यक्षता में चंपा अग्रवाल इंटर कॉलेज के सभागार में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा वर्ष 2024 के संबंध में समस्त 127 केंद्रों के व्यवस्थापकों के साथ बैठक हुई संपन्न। बोर्ड परीक्षा केंद्र व्यवस्थापकों के साथ समीक्षा बैठक में परीक्षा केंद्रों में सीसीटीवी कैमरे, स्ट्रांग रूम, क्लॉक रूम, कंट्रोल रूम आदि की व्यवस्था पूर्व में सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मजिस्ट्रेट व पुलिस अधिकारी जिम्मेदारी के साथ ड्यूटी का निर्वहन करे। यूपी बोर्ड परीक्षा 2024 के दृष्टिगत चंपा इंटर कॉलेज में सभी केंद्र व्यवस्थापकों की बैठक बुलाई गई, जिसमें केंद्र व्यवस्थापकों को प्रश्न पत्रों को जिम्मेदारी के साथ रखने के साथ साथ सीसीटीवी कैमरा लगाकर स्ट्रांग रूम तैयार करने व आवंटित छात्र छात्राओं की संख्या के हिसाब से फर्नीचर की व्यवस्था करने हेतु निर्देशित किया गया। श्री सिंह ने सभी केंद्र व्यवस्थापकों को परीक्षा को शांतिपूर्ण, शुचितापूर्ण और पारदर्शिता पूर्वक संपन्न करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि समस्त परीक्षाएं नकल विहीन व समयबद्ध रूप से संपन्न हो।

फ्लाइंग स्कॉट रखेंगे सतत निगरानी

यूपी बोर्ड परीक्षा में हाईस्कूल तथा इंटर के 76436 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। साथ ही 127 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा संपन्न कराई जाएगी। इस बोर्ड परीक्षा में हाईस्कूल के 37908 तथा इंटर के 38528 विद्यार्थी इस बोर्ड परीक्षा में शामिल होंगे। परीक्षा की निरंतर निगरानी हेतु फ्लाइंग स्कॉट द्वारा निरीक्षण किया जाए। पेपर, कॉपियां, प्रश्न पत्र समय से सेंटर पर पहुंचने की कार्यवाही की जाए। बोर्ड परीक्षा के समस्त मानकों का शत प्रतिशत अनुपालन करना एवं कराना सुनिश्चित करें। बोर्ड परीक्षा के समस्त नियमों की जानकारी के बारे में पूर्व में ही जानकारी ले लें।

कंट्रोल रूम में 24 घंटे ड्यूटी लगाई जाएः डीएम

पुलिस अधीक्षक नगर को निर्देश दिए कि पुलिस बल की केंद्रों के अनुसार ड्यूटी लगा दी जाए। पुलिस ड्यूटी का रोस्टर सभी को उपलब्ध कराया जाए। डीआईओएस को निर्देश दिए की कंट्रोल रूम से नियमित निगरानी रखी जाए तथा कंट्रोल रूम में 24 घंटे ड्यूटी लगाई जाए।

जाति मजहब की जगह विकास को चुनें: घनश्याम लोधी

(मथुरा) लोकसभा चुनाव के पहले उत्तर प्रदेश भाजपा ने जोइनिंग अभियान शुरू किया है। कांग्रेस, सपा और बसपा से चुनाव लड़ चुके नेताओं समेत 300 से अधिक कार्यकर्ताओं को भाजपा में शामिल किया गया है। महानगर अध्यक्ष घनश्याम लोधी की अध्यक्षता में जिला भाजपा कार्यालय पर आयोजित मिलन कार्यक्रम में सभी का स्वागत किया गया।

शामिल किए गए नेताओं और कार्यकर्ताओं में अन्य दलों से जुड़े पूर्व पार्षद प्रत्याशी, जिला पंचायतों के निर्वाचित सदस्य, नगरसेवक, क्षेत्रीय नेता, एपीएमसी के अध्यक्ष, सहकारी नेताओं समेत तालुका पंचायत से जुड़े जिला स्तर के नेता भाजपा में शामिल किए गए। महानगर अध्यक्ष ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भरोसा कर भाजपा में शामिल हुए हैं। अन्य दलों से आये नेता और उनके समर्थक स्वेच्छा से साथ जुड़े हैं और भाजपा ने उनका हृदय से स्वागत किया है। कांग्रेस और सपा की डूबती नाव देखकर और नेतृत्व के अभाव के कारण पार्टी छोड़ने पर मजबूर हुए। महानगर अध्यक्ष ने कहा कि जाति मजहब की जगह विकास चुनें और सभी पूरे मनोयोग से प्रधानमंत्री की उपलब्धियों को जन जन तक पहुंचाएं। महानगर मीडिया प्रभारी दीपांकर भाटिया ने बताया कि शामिल होने वालों में प्रमुख रूप से कांग्रेस के पूर्व पार्षद प्रत्याशी गोपाल ठाकुर, वृषभान गोस्वामी, यादव सेवा मंडल के पूर्व जिलाध्यक्ष प्रशांत यादव, वरिष्ठ समाजसेवी राधा शर्मा, शोएब खान, रिजवान खान, चांद, शकीला खान, नावेद कुरैशी, आरिफ खान, चांद बीबी, बादल शर्मा, कृष्णकांत शर्मा, विशाल यादव आदि को भाजपा की सदस्यता दिलाई।

संपादकीय

भारत रत्न की राजनीति

जयंत चौधरी का रुख पूरे विपक्ष की राजनीति पर एक प्रश्नचिह्न है। यह संकेत है कि ज्यादातर विपक्षी नेताओं की प्राथमिकता अपना और अपने परिवार का हित है। जब भाजपा उन हितों से तालमेल बैठा देती है, तो वे सहज ही उसकी तरफ खिंच जाते हैं। आरएलडी के नेता जयंत चौधरी ने राज्यसभा में कहा कि मोदी सरकार ने उनके दादा चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न से सम्मानित कर उनका दिल जीत लिया है। इसके पहले वे कह चुके थे कि अब भाजपा उन्हें अपने गठबंधन में बुलाती है, तो वे किस मुंह से उस न्योते को ठुकराएंगे! यह कहते हुए चौधरी अपने उन पूर्व बयानों को भूल गए, जिनमें उन्होंने मौजूदा केंद्र सरकार पर किसान विरोधी और सांप्रदायिक होने के इल्जाम लगाए थे। चौधरी का यह रुख असल में पूरे विपक्ष की राजनीति पर एक प्रश्नचिह्न है। यह इसका संकेत है कि विपक्ष के ज्यादातर नेता अपने और अपने परिवार के हित की लड़ाई लड़ रहे हैं। जब भाजपा उन हितों से तालमेल बैठा देती है, तो वे सहज ही उसकी तरफ खिंच जाते हैं। केंद्र ने ऐसे तालमेल बिठाने के लिए अब देश के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न को औजार बना लिया है। अपने सियासी समीकरण बिठाने के लिए एक महीने के अंदर उसने पांच दिवंगत शख्सियतों को यह सम्मान प्रदान कर दिया है। जिन व्यक्तियों सम्मानित किया गया है, उनमें सिर्फ एमएस स्वामीनाथन ही गैर–सियासी हैं। हालांकि उनके सम्मान को भी तमिलनाडु में भाजपा की चुनावी प्राथमिकताओं से जोड़कर देखा जा सकता है। यह बात पहले से स्पष्ट है कि भाजपा की आज की कामयाबियों का एक बड़ा कारण 1990 के दशक में उभरी तीनों प्रमुख परिघटनाओं– मार्केट, मंदिर और मंडल को अपने में समाहित कर लेना है। ऐसे में पीवी नरसिंह राव, लालकृष्ण आडवाणी और कर्पूरी ठाकुरध चौधरी चरण को सम्मानित करना उसके वर्तमान राजनीतिक समीकरणों से पूरी तरह मेल खाता है। जातीय प्रतिनिधित्व और प्रतीकों की राजनीति को साधने की वह महारत हासिल कर चुकी है। चूंकि विपक्ष नए सिरे से अपनी राजनीति का पुनर्आविष्कार करने में विफल रहा है, इसलिए भाजपा की इस कामयाबी ने ज्यादातर विपक्षी दलों और नेताओं को लगभग अस्त्र–विहीन बना दिया है। चूंकि भारत रत्न और अन्य नागरिक सम्मानों का अपने शासनकाल में उन्होंने भी सियासी मकसदों से इस्तेमाल किया था, इसलिए वे देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान के कथित अवमूल्यन पर आज शोर मचाने की स्थिति में भी नहीं हैं।

चुनावी एजेंडे के साथ संसद सत्र का समापन

संसद का बजट सत्र समाप्त हो गया है। आखिरी दिन श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर एक प्रस्ताव पास किया गया, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की गई। इससे एक दिन पहले सरकार की ओर से यूपीए सरकार के 10 साल के राज पर पेश किए गए श्वेत पत्र पर चर्चा की गई, जिसमें बताया गया कि कैसे मनमोहन सिंह की सरकार के समय देश की अर्थव्यवस्था का भऋा बैठ गया था। सत्र शुरू होने से पहले सरकार की ओर से रिपोर्ट पेश की गई थी, जिसमें बताया गया था कि पिछले 10 साल में देश कितनी तेज रफ्तार से तरक्की कर रहा है। इस बीच राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान दोनों सदनों में प्रधानमंत्री ने कांग्रेस शासन की कथित विफलताओं और परिवारवाद पर जोरदार हमला किया था।

इस तरह 17वीं लोकसभा के आखिरी सत्र में 18वीं लोकसभा के चुनाव का एजेंडा तय कर दिया गया। सरकार की उपलब्धियों के बखान के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने जिस तरह से कांग्रेस को अटैक किया उससे जाहिर हो गया कि भ्रष्टाचार और परिवारवाद भाजपा के प्रचार के प्रमुख मुद्दों में से एक होंगे। इसके बाद श्वेत पत्र में मनमोहन सिंह सरकार की विफलताओं और उस समय चर्चा में आए 15 घोटालों का जिक्र किया गया। एक बार फिर भाजपा इन घोटालों को उजागर करेगी। इसके बाद राममंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का मुद्दा उठा और संसद की कार्यवाही से पूरे देश में इसका संदेश दिया गया। इस तरह चुनावी एजेंडा तय करके सत्र का समापन हुआ।

गरीबी पर गोलमाल

श्वेत पत्र में नहीं बताया गया कि किस आधार पर सरकार गरीबी का आकलन कर रही है। यह इसलिए हैरान करने वाली बात है क्योंकि अंतरिम बजट पेश करने से पहले भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार की ओर से तैयार एक लंबी चौड़ी रिपोर्ट जारी की गई। चूंकि चुनावी साल में आम बजट नहीं पेश हो रहा था इसलिए सरकार आर्थिक सर्वे नहीं ला सकती थी तो उसकी बजाय देश की आर्थिक सेहत को लेकर एक रिपोर्ट पेश की गई, जिसमें सरकार की ओर से दावा है कि पिछले 10 साल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है। यह बहुत बड़ा आंकड़ा है। कांग्रेस का दावा है कि मनमोहन सिंह की सरकार के समय 14 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया है। लेकिन नरेंद्र मोदी सरकार उससे करीब दोगुनी संख्या में लोगों को गरीबी से बाहर निकालने का दावा कर रही है।रिपोर्ट आने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी सभाओं में भी इसका जिक्र किया। लेकिन सरकार के श्वेत पत्र में इसका कोई जिक्र नहीं है कि कैसे सरकार ने गरीबी के आंकड़े का पता लगाया है? सोचें, यह सरकार 10 साल पर होने वाली जनगणना नहीं करा सकी है। 1881 में जब से 10 साल पर होने वाली जनगणना शुरू हुई है तब से पहली बार ऐसा हुआ कि जनगणना नहीं कराई गई। अब जब जनगणना हुई ही नहीं है तो सरकार कहां से आंकड़े लाएगी? सो, गरीबी से जुड़े जो भी आंकड़े हैं उनको छिपा लिया गया।

साफ है श्वेत पत्र अर्थव्यवस्था की जानकारी देने की बजाय यूपीए के 10 साल के राज के कथित घोटालों को फिर से जिंदा करने की कोशिश में है। बताया गया है कि यूपीए के 10 साल के राज में 15 बड़े घोटाले हुए। ध्यान रहे सरकार अभी नए सिरे से भ्रष्टाचार विरोधी नैरेटिव गढ़ रही है। इस वजह से एक के बाद एक विपक्षी नेताओं के यहां छापे पड़ रहे हैं। भाजपा को लग रहा है कि भ्रष्टाचार का मुद्दा ही भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दूसरे विपक्षी नेताओं से अलग करेगा। भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई के नाम पर राज्यों के चुनाव में भी भाजपा को फायदा हुआ है। संभवतरू इसी वजह से कोयला से लेकर संचार और खेल से लेकर शारदा चिटफंड और रेलवे में नौकरी के बदले जमीन से जुड़े कथित घोटालों का इसमें जिक्र किया गया है। ध्यान रहे रेलवे में नौकरी के मामले में ही लालू प्रसाद और उनके पूरे परिवार से ईडी पूछताछ कर रही है।

भ्रष्टाचार के अलावा दूसरा मकसद मोदी के मजबूत नेतृत्व के नैरेटिव को और बढ़ाना है। इसलिए मनमोहन सिंह की सरकार पर आरोप लगाया गया है कि सरकार में नीतिगत अपंगता थी। सो, पहला मुद्दा यह कि सरकार भ्रष्टाचार और घोटाले में डूबी थी तो दूसरा यह कि वह फैसला नहीं कर पा रही थी। इसके मुकाबले मोदी सरकार ईमानदार है और फटाफट फैसले कर रही है यानी नेतृत्व मजबूत है।

नरेंद्र मोदी की राज नीति और कूटनीति हमेशा जीत की गारंटी होती है

आगामी लोकसभा चुनाव विशेष होंगे। इन चुनावों में विपक्षी दल कुछ अनूठा एवं विशेष कर पायेंगे, ऐसी संभावनाएं हर दिन कमजोर ही होती जा रही है। राहुल गांधी की यात्रा भी कोई प्रभाव स्थापित नहीं कर पा रही है, बल्कि कांग्रेस एवं इंडिया गठबंधन से विभिन्न दल दूरी बना रहे हैं। 2024 के आम चुनावों का रण सज चुका है, कुछ ही हफ्ते बचे हैं और भारतीय जनता पार्टी एवं सभी विपक्षी दलों ने भी कमर कस ली है। भाजपा एवं इंडिया गठबंधन दोनों ही खेमों में अब हर दिन चुनावी रणनीति को लेकर बैठकों, मुलाकातों एवं चुनावी गणित को फीट करने का दौर चल रहा है, एक तरफ भाजपा 2 हफ्ते बाद उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी करने की तैयारी कर रही है, वहीं दूसरी तरफ इंडिया गठबंधन मकर संक्रांति के बाद सीट शेयरिंग का फॉर्मूला फाइनल करने वाला है, लेकिन भाजपा ने स्वयं 370 एवं उसके गठबंधन का 400 का लक्ष्य लेकर ही चल रही है। हाल ही में एक मीडिया हाउस के सर्वे के अनुसार भाजपा को भले ही 2019 की तुलना में केवल एक सीट का फायदा हो रहा है, भले नरेन्द्र मोदी का प्रधानमंत्री बनना तय है लेकिन उनके गठबंधन को करीब 17 सीटों का नुकसान होता हुआ दिखाई दे रहा है। हो सकता है अन्य माध्यमों से भी ऐसी ही सूचनाएं भाजपा को मिल रही हो, इसलिये उसने 400 के लक्ष्य को हासिल करने का ठाना है। भाजपा एवं मोदी की चुनावी रणनीतियों एवं विश्वास से ऐसा लग रहा है कि एक बार फिर धमाकेदार जीत दर्ज कर अपनी हैट्रिक पूरी करेगी। इस जीत के बाद भारत में बड़े बदलाव एवं क्रांतिकारी परिवर्तन देखने को मिलेंगे। राजनीति, प्रशासनिक, लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में आमूल–चूल परिवर्तन हो तो कोई आश्चर्य नहीं है।नरेन्द्र मोदी, उनके राजनीतिक सलाहकार एवं भाजपा सम्भवतः इस मोड पर पहुंच गए हैं कि चुनाव जीतने के लिए उन्हें जितने तरह का रणनीतिक प्रबंधन करने जरूरी थे, वे सफलतापूर्वक किये जा चुके हैं या जल्द ही कामयाबी से कर लिये जाऐंगे। जितनी कमजोर कड़ियां थीं, उनकी मरम्मत कर ली गई है। जिन राज्यों में खराब दृश्य दिख रहे हैं, वहां भाजपा पूरी ताकत से लगी है। भाजपा ने 164 ऐसी सीटों की दो कैटेगरी तैयार कर ली है जहां 45 मंत्रियों को जी–जान से जुटने को कहा गया है, भाजपा कमजोर सीटों पर सबसे ज्यादा जोर लगा रही है क्योंकि 2019 के चुनाव में भाजपा की 48 ऐसी सीटें थीं जहां जीत का अंतर 2 प्रतिशत से भी कम था, इन सीटों पर विपक्षी गठबंधन अगर एक उम्मीदवार उतार देता है तो भाजपा के लिए बड़ी चुनौती हो सकती है। ऐसी ही खतरे वाली सीटों के लिये भाजपा की तीक्ष्ण एवं प्रभावी रणनीतियां बन रही है। ऐसी ही रणनीतियां से समूचे राष्ट्र के राजनीतिक परिदृश्यों को बदलने एवं अपने पक्ष में करने के लिये भाजपा जुटी है। इसके लिये प्रभावी एवं दूरगामी राजनीतिक से जुड़े बड़े फैसले लिये जा रहे हैं। नीतीश कुमार और जयंत चौधरी जैसे नेताओं को इंडिया गठबंधन से छीन लिया गया है। कांग्रेस के अशोक चव्हान को भाजपा में शामिल करके राज्यसभा में भेजा जा रहा है। मायावती और चंद्रबाबू नायडू को विपक्ष में जाने से रोक दिया गया है। शिवसेना और राकांपा की दो फाड कर दी गयी है। श्रीराम मन्दिर उद्घाटन से हिन्दू वोटों को प्रभावित किया गया है, वही पांच राजनीतिक रत्नों को 'भारत रत्न' सर्वोच्च पुरस्कार की घोषणा से आम चुनावों को प्रभावित करने का राजनीतिक कौशल दिखाया गया है।जब इतना बढ़िया, कौशलपूर्ण और प्रभावी राजनीतिक प्रबंधन हो चुका हो तो चार सौ का लक्ष्य हासिल करना भाजपा के लिये असंभव प्रतीत नहीं होता। वैसे प्रधानमंत्री के रूप में देश की जनता नरेन्द्र मोदी को ही सर्वाधिक पसन्द कर रही है, एक अनुशासित एवं राष्ट्रीय मूल्यों से प्रेरित पार्टी के रूप में भाजपा कायम है। मोदी का राजनीतिक कौशल ही है कि आम तौर से सरकारें चुनाव से पहले अपना खजाना खोलती हैं, लेकिन मोदी बिना खजाना खोले एवं लोकलुभावना घोषणाओं के चुनावी वैतरणी को सफलतापूर्वक पार करने की रणनीति बना रही है। मोदी जानते हैं कि लोकलुभावन योजनाएं या लाभार्थियों का संसार अपने आप वोटों में नहीं बदलता। उसके तीन स्तरों पर काम करना होता है। राज्यों के स्तर पर जहां अपनी स्थिति लगातार मजबूत करना जरूरी होता है, नेताओं के स्तर पर जो विभिन्न समुदायों की नुमाइंदगी करते हैं और समुदायों के स्तर पर जिन्हें लगातार पार्टी के साथ जोड़ने का अभियान चलाना पड़ता है। एक और स्तर इस बार के चुनावी गणित को प्रभावित करती हुई प्रतीत हो रही है, वह है मोदी का राजनीतिक कौशल एवं देश–विकास का उनका संकल्प। निश्चित ही मोदी भारतीय राजनीति में विश्वास और विकास के नायक हैं तो वैश्विक पटल पर महानायक बनकर देश और दुनिया को दिशा दिखा रहे हैं। कतर की जेल में बंद आठ पूर्व भारतीय नौसैनिकों की रिहाई और उनमें से सात का स्वदेश आ जाना एक ऐसी शुभ सूचना है, जिससे पूरे देश ने चौन की सांस ली है। इन भारतीयों की सकुशल रिहाई भारत की एक शानदार कूटनीतिक जीत है। यदि इसका श्रेय प्रधानमंत्री मोदी को दिया जा रहा है तो स्वाभाविक ही है, क्योंकि उन्होंने कुछ समय पहले दुबई में कतर के शासक से मुलाकात की थी। मोदी है तो सब कुछ मुमकिन है। यही कारण है कि उनकी छत्रछाया में भारत में राष्ट्रवाद का रंग गहरा हुआ है और भारत विश्वगुरु बनने की राह पर चल पड़ा है। आगामी लोकसभा चुनाव विशेष होंगे। इन चुनावों में विपक्षी दल कुछ अनूठा एवं विशेष कर पायेंगे, ऐसी संभावनाएं हर दिन कमजोर ही होती जा रही है। राहुल गांधी की यात्रा भी कोई प्रभाव स्थापित नहीं कर पा रही है, बल्कि कांग्रेस एवं इंडिया गठबंधन से विभिन्न दल दूरी बना रहे हैं। यह चुनाव पहले ही उनकी असफलता की घोषणा है। इधर मोदी के प्रति लोगों का आकर्षण कायम है। इसका बड़ा कारण मोदी की राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय छवि कायम रहना है। मोदी ने अनेक चमत्कार घटित किये हैं, जिसका अहसास देश की जनता को है। यूक्रेन युद्ध के समय वहां फंसे भारतीयों को वापस लाना हो या कोरोना के दौरान दुनिया भर में टीका भेजना, ये सभी नरेंद्र मोदी की वैश्विक सोच का परिणाम है। प्रधानमंत्री मोदी के इस विश्वास एवं दृढ़ता की अनेक वजहें है। एक बड़ी वजह हाल ही में साल 2023 के विधानसभा चुनावों में भाजपा ने शानदार जीत दर्ज करना भी है। विशेषकर मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ का परिणाम तो कल्पना से भी बाहर था। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में मोदी के नेतृत्व में ऐतिहासिक एवं चमत्कारी जीत की संभावनाओं से इंकार नहीं किया जा सकता। क्योंकि प्रधानमंत्री के कार्यकाल की अनेक सुखद एवं उपलब्धिभरी प्रतिध्वनियां हैं, जिनमें चांद एवं सूर्य पर विजय पताका फहरा देने के बाद धरती को स्वर्ग बनाने की मुहीम चल रही है, राष्ट्रीय जीवन में विकास की नयी गाथाएं लिखते हुए भारत को दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनाने की ओर अग्रसर किया जा रहा है। भारत में जी–20 देशों महासम्मेलन सफलतापूर्वक सम्पन्न होना भी एक बड़ी उपलब्धि है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस जिम्मेदारी को संभालने का अर्थ था भारत को सशक्त करने के साथ–साथ दुनिया को एक नया चिन्तन, नया आर्थिक धरातल, शांति एवं सह–जीवन की संभावनाओं को बल देना। भाजपा इसलिए भी आशान्वित है, क्योंकि जिस विपक्षी एकता की बात 2023 के मध्य से चल रही थी, उसमें दरारे पड़ती ही जा रही है। तमाम विपक्षी पार्टियां अपने–अपने ढंग से चुनाव लड़ने को तैयार हैं और कांग्रेस से उनकी खींचतान चल रही है। फिर, जहां–जहां भाजपा के लिए मुश्किलें खड़ी हो सकती थीं, वहां पार्टी ने अपने अनवरत प्रयासों से खुद को मजबूत बना लिया है। दूसरी ओर कांग्रेस एवं विपक्षी दलों के पास भाजपा एवं मोदी विरोध का कोई सशक्त धरातल एवं मुद्दें नहीं है।

संत वैलेन्टाइन को सच्ची श्रद्धाजंली देने के लिए 14 फरवरी

'वैलेन्टाइन दिवस' को 'पारिवारिक एकता दिवस'के रूप में मनायें!

– डा . जगदीश गांधी, संस्थापक–प्रबन्धक,

सिटी मोन्टेसरी स्कूल, लखनऊ

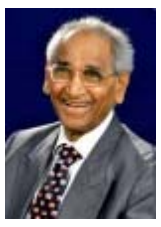

(1) **'वैलेन्टाइन दिवस' के वास्तविक, पवित्र एवं शुद्ध भावना को समझने की आवश्यकताः–**

संसार को 'परिवार बसाने' एवं 'पारिवारिक एकता' का संदेश देने वाले महान संत वैलेन्टाइन के 'मृत्यु दिवस' को आज भारतीय समाज में जिस 'आधुनिक स्वरूप' में स्वागत किया जा रहा है, उससे हमारी भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता प्रभावित हो रही है। संत वैलेन्टाइन ने तो युवा सैनिकों को विवाह करके परिवार बसाने एवं पारिवारिक एकता की प्रेरणा दी थी। इस कारण अविवाहित युवा पीढ़ी का अपने प्रेम का इजहार करने का 'वैलेन्टाइन डे' से कोई लेना–देना ही नहीं है। आज वैलेन्टाइन डे के नाम पर समाज पर बढ़ती हुई अनैतिकता ने हमारे समक्ष काफी असमंजस्य तथा सामाजिक पतन की स्थिति पैदा कर रखी है।

(2) **विवाह के पवित्र बन्धन को 'वैलेन्टाइन दिवस' पूरी तरह से स्वीकारता एवं मान्यता देता है –**

'वैलेन्टाइन डे' विवाह के पवित्र बन्धन को पूरी तरह से स्वीकारता एवं मान्यता देता है। आज महान संत वैलेन्टाइन की मूल, पवित्र एवं शुद्ध भावना को भुला दिए जाने के कारण यह महान दिवस मात्र युवक–युवतियों के बीच रोमांस के विकृत स्वरूप में देखने को मिल रहा है। वैलेन्टाइन डे को मनाने के पीछे की जो कहानी प्रचलित है उसके अनुसार रोमन शासक क्लाडियस (द्वितीय) किसी भी तरह अपने राज्य का विस्तार करना चाहता था। इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए वह अपनी संसार की सबसे ताकतवर सेना बनाने के लिए जी–जान से जुटा था। राजा के मन में स्वार्थपूर्ण विचार आया कि विवाहित व्यक्ति अच्छे सैनिक नहीं बन सकते हैं। इस स्वार्थपूर्ण विचार के आधार पर राजा ने तुरन्त राजाज्ञा जारी करके अपने राज्य के सैनिकों के शादी करने पर पाबंदी लगा दी।

(3) **महान संत वैलेन्टाइन के प्रति सच्ची श्रद्धा प्रकट करने के लिए मनाया जाता था 'वैलेन्टाइन दिवस'–**

रोम के एक चर्च के पादरी महान संत वैलेन्टाइन को सैनिकों के शादी करने पर पाबंदी लगाने संबंधी राजा का यह कानून ईश्वरीय इच्छा के विरूद्ध प्रतीत हुआ। कुछ समय बाद उन्होंने महसूस किया कि युवा सैनिक विवाह के अभाव में अपनी शारीरिक इच्छा की पूर्ति गलत ढंग से कर रहे हैं। सैनिकों को गलत रास्ते पर जाने से रोकने के लिए पादरी वैलेन्टाइन ने रात्रि में चर्च खोलकर सैनिकों को विवाह करने के लिए प्रेरित किया। सम्राट को जब यह पता चला तो उसने पादरी वैलेन्टाइन को गिरफ्तार कर माफी मांगने के लिए कहा अन्यथा राजाज्ञा का उल्लघंन करने के लिए मृत्यु दण्ड देने की धमकी दी। सम्राट की धमकी के आगे संत वैलेन्टाइन नहीं झुके और उन्होंने प्रभु निर्मित समाज को बचाने के लिए मृत्यु दण्ड को स्वीकार कर लिया। संत वैलेन्टाइन की मृत्यु के बाद लोगों ने उनके त्याग एवं बलिदान को महसूस करते हुए प्रतिवर्ष 14 फरवरी को उनके 'शहीद दिवस' पर उनकी दिवंगत आत्मा की शान्ति के लिए प्रार्थनायें आयोजित करना प्रारम्भ कर दिया। इसलिए ऐसे महान संत के 'शहीद दिवस' पर खुशियां मनाकर उनकी भावनाओं का निरादर करना सही नहीं है।

(4) **वैलेन्टाइन डे को 'आधुनिक' तरीके से मनाना भावी पीढ़ी के प्रति अपराध–**

'वैलेन्टाइन डे' मनाने को तेजी से प्रोत्साहित करने के पीछे 'वैलेन्टाइन डे' कार्डो एवं महंगे उपहारों की ब्रिकी के लिए एक बड़ा बाजार विकसित करना एवं मंहगे होटलों में डिनर के आयोजनों की प्रवृत्तियों को बढ़ाकर अनैतिक ढंग से अधिक से अधिक लाभ कमाने वाली शक्तियां इसके पीछे सक्रिय हैं। विज्ञापन के आज के युग में वैलेन्टाइन बाजार को भुनाने का अच्छा साधन माना जाता है। मल्टीनेशनल कंपनियां अपने उत्पादों को बेचने के लिए अपना बाजार बढ़ाना चाहती हैं और इसके लिए उन्हें युवाओं से बेहतर ग्राहक कहीं नहीं मिल सकता। अतः 'वैलेन्टाइन डे' को आधुनिक तरीकों से मनाने को प्रोत्साहित करना भावी पीढ़ी एवं मानवता के प्रति अपराध ा है। अन्तिम विश्लेषण यह साफ संकेत देते हैं कि 'वैलेन्टाइन डे' के आधुनिक स्वरूप का भारतीय समाज एवं छात्रों में किसी प्रकार का स्वागत नहीं होना चाहिए क्योंकि यह मात्र सस्ती प्रेम भावनाओं को प्रदर्शित करने की छूट कम उम्र में छात्रों को देकर उनकी अनैतिक वृत्ति को बढ़ावा देता है।

(5) **परिवार, स्कूल एवं समाज को ईश्वरीय प्रकाश से प्रकाशित करें –**

हम संत वैलेन्टाइन के इन विचारों का पूरी तरह से समर्थन करते हैं कि विवाह के बिना किसी स्त्री–पुरूष में अनैतिक संबंध होने से समाज में नैतिक मूल्यों में गिरावट आ जाएगी और समाज ही भ्रष्ट हो जाएगा। इस समस्या के समाधान का एक मात्र उपाय है, बच्चों को बचपन से ही भौतिक, सामाजिक, मानवीय तथा आध्यात्मिक सभी प्रकार की संतुलित शिक्षा देकर उनका सर्वागीण विकास किया जाए। किसी भी बच्चे के लिए उसका परिवार, स्कूल तथा समाज ये तीन ऐसी पाठशालायें हैं जिनसे ही बालक अपने सम्पूर्ण जीवन को जीने की कला सीखता है। इसलिए यह जरूरी है कि परिवार, स्कूल तथा समाज तीनों मिलकर बच्चे को ईश्वरीय प्रकाश से प्रकाशित करें।

(6) **परिवार, विद्यालय तथा समाज से मिली शिक्षा ही मनुष्य के चरित्र का निर्माण करती हैः–**

किसी भी मनुष्य के सम्पूर्ण जीवन को तीन प्रकार के चरित्र निर्धारित करते हैं। पहला प्रभु प्रदत्त चरित्र, दूसरा माता–पिता के माध्यम से प्राप्त वांशिक चरित्र तथा तीसरा परिवार, स्कूल तथा समाज से मिले वातावरण से विकसित या अर्जित चरित्र। इसमें सबसे अधिक महत्वपूर्ण चरित्र तीसरा अर्थात् 'अर्जित चरित्र' होता है। बालक को जिस प्रकार की शिक्षा परिवार, विद्यालय तथा समाज से मिलती है वैसा ही उसका चरित्र निर्मित हो जाता है। इसलिए आज संसार में बढ़ते अमानवीय कृत्य जैसे हत्या, बलात्कार, चोरी, भ्रष्टाचार, अन्याय आदि शैतानी सभ्यता इन्ही तीनों क्लासरूमों से मिल रही उद्देश्यविहीन शिक्षा के कारण ही है।

(7) **'वैलेन्टाइन डे' को 'पारिवारिक एकता दिवस' के रूप में मनाने की प्रतिज्ञा लें –**

आइये, वैलेन्टाइन डे पर हम सभी लोग यह प्रतिज्ञा ले कि हम अपने मस्तिष्क से भेदभाव हटाकर सारी मानवजाति से प्रेम करेंगे व समानता की भावना पैदा करेंगे। भारत की संस्कृति व सभ्यता ही आज की जरूरत है। प्रेम तो ईश्वर से होना चाहिए क्योंकि यही जीवन का शाश्वत सत्य है। अगर ईश्वर से हमारा तार कट गया तो कोई अन्य प्रेम हमें नहीं बचा पाएगा। इसलिए हमें वैलेन्टाइन डे पर भाई–बहन का प्रेम, दादा–दादी का प्रेम, माता–पिता का प्रेम, गुरूजनों का प्रेम भी शामिल करना चाहिए तभी हम इस त्योहार का सही मूल्यांकन कर सकेंगे। संत वैलेन्टाइन के प्रति सच्ची श्रद्धा यही होगी कि हम 14 फरवरी 'वैलेन्टाइन डे' को पवित्र भावना से 'पारिवारिक एकता दिवस' के रूप में मनायें और संसार के सभी बच्चों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को यह संदेश भेजें कि सभी लोग एक–दूसरे से समान रूप से प्रेम करें, आदर करें, तभी एक आध्यात्मिक विश्व की स्थापना हो सकेगी। –जय जगत–

आज का राशिफल

मेष राशि–आज आपका दिन नया बदलाव लाने वाला है। आज सामाजिक क्षेत्र में आपकी सक्रियता बढ़ेगी। किसी काम में आपको सकारात्मक परिणाम मिलेगा, जिससे आपको खुशी महसूस होगी। आज समय का सही इस्तेमाल करेंगे और हर काम को लगन से करने की ललक रहेगी। अच्छे नतीजे भी मिलेंगे। इस राशि की महिलाएं और लड़कियां खासतौर से अपने व्यक्तित्व को निखारने में ध्यान देंगी। साथ ही अपने क्षेत्र में वर्चस्व बनाए रखने की कोशिश भी रहेगी।

वृष राशि–आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। इस राशि के छात्रों को अपने शिक्षकों का पूरा–पूरा सहयोग मिलेगा। साथ ही करियर में आगे बढने के नए अवसर प्राप्त होंगे। निजी व्यस्तता के चलते काम अधूरे रह सकते हैं। इस राशि के सरकारी नौकरी करने वालों को एक्स्ट्रा काम और जिम्मेदारी मिल सकती है। आप पूरे आत्मविश्वास के साथ काम कर लेंगे। आज आपको जीवनसाथी से खुशखबरी मिलेगी, जिससे पूरे दिन मन प्रसन्न रहेगा। आय के नए रास्ते बनेंगे।

मिथुन राशि–आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आपको किसी खास काम में अनुभवी व्यक्ति से मदद मिलेगी। आप परिवार के साथ मूवी देखने का प्लान बनाएंगे। घर में नजदीकी रिश्तेदारों के आने से उत्सव का माहौल रहेगा। कई तरह के विचारों का आदान–प्रदान रहेगा। सही समय पर सही फैसला लेने से आपको नौकरी और बिजनेस में अच्छा मौका मिल सकता है। साथ ही उधार के लेन–देन करने से आज के दिन आपको बचना चाहिए।

कर्क राशि–आज आपका दिन ठीक–ठाक रहेगा। परिवारिक माहौल बेहतर बना रहेगा। आपके काम में परिवार वालों का सहयोग बना रहेगा। कई मामलों में धीरज और धैर्य भी रखना जरूरी है। बातचीत में सही शब्दों का इस्तेमाल करें। गुस्से और जल्दबाजी से काम बिगड़ सकते हैं। कारोबार में मेहनत का फायदा मिलेगा। ऑफिस में बहुत संजीदगी से काम करें। आपको अपनी सोच और व्यवहार को संतुलित रखना चाहिए।

सिंह राशि–आज आपका दिन खुशनुमा पल लेकर आया है। आज आप अपना लक्ष्य निर्धारित करने के लिए कोई नई योजना बनाएंगे, योजना भविष्य में कारगर साबित होगी। आज नए कामों पर आपका ध्यान रहेगा। उसके सकारात्मक नतीजे भी मिलेंगे। अपने स्वभाव में सकारात्मक बदलाव लाएंगे। जिससे परिवार और रिश्तेदारों के बीच आपकी अच्छी इमेज बनेगी इस राशि के जो लोग नौकरी में है, आज उन्हें कोई अच्छी खबर मिलेगी।

कन्या राशि–आज का दिन अच्छा रहने वाला है। छात्रों के करियर में आज नया बदलाव आएगा, जो उनके भविष्य के लिए फायदेमंद होगा। आज आपकी सेहत बढिया रहेगी। किसी विशेष काम को लेकर सफलता मिल सकती है। जिससे आप खुश रहेंगे। नए कामों की योजनाएं बनेंगी। अपनी किसी योजना पर काम करने के लिए लोगों से मदद मिल सकती है।

तुला राशि–आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज ऑफिस के काम में आप थोड़े बिजी होंगे। आपको थोड़ी थकान महसूस होगी, अपने खान–पान पर विशेष ध्यान दें। आज आपके कारोबार में तेजी आएगी। सहकर्मियों की मदद से आपके काम बन जाएंगे। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। अपने विचारों को पॉजिटिव रखना बहुत जरूरी है। आप घरेलू सामान खरीदने में पैसे खर्च करेंगे। परिवार के कुछ खास मामलों में आज आपको अनदेखी करने से बचना चाहिए।

वृश्चिक राशि–आज किसी खास काम में आपको फायदा मिलेगा। माता– पिता के साथ आपके रिश्ते बेहतर होंगे। जीवनसाथी आपकी बातों से प्रभावित होंगे, आपके कामों में आपकी मदद भी करेंगे। सामाजिक या राजनैतिक जान–पहचान मजबूत होगी। अपने में ऊर्जा और प्रसन्नता महसूस करेंगे। परिवार के सदस्य के करियर से जुड़ी अच्छी खबर मिल सकती है। नकारात्मक परिस्थितियां बनने पर धैर्य रखें। बिजनेस के मामलों में आज का दिन बेहतर रहेगा।

धनु राशि–आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज आप असंभव कार्यों को भी पूरा करने में सफल होंगे। आपको अचानक धन लाभ के अवसर प्राप्त होंगे, घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा। अपने से बड़े और समझदार इंसान की मदद से आपकी परेशानियां सुलझ सकती हैं। नजदीकी दोस्त या रिश्तेदार के साथ खराब रिश्ते दोबारा अच्छे हो सकते हैं।

मकर राशि–आज आपका दिन उत्साह से भरा रहेगा। आपके पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे। आपकी कोशिशें सफल होंगी, थोड़ी–सी मेहनत करके आप अपने उद्देश्यों को आसानी से प्राप्त करेंगे। नवविवाहितों के जीवन में खुशियां बढ़ेगी। आपकी सकारात्मक सोच से परिस्थितियां अच्छी होंगी। घर में धार्मिक आयोजन हो सकता है। आपकी कोशिशों से रिश्ते सुधरेंगे। बिजनेस में खास बदलाव होंगे। उसके सकारात्मक नतीजे मिलेंगे।

कुंभ राशि–आज आपका दिन नई उमंगों के साथ शुरू होगा। ऑफिस में सभी लोगों के साथ बेहतर तालमेल बना रहेगा। आप शाम को किसी समारोह में शामिल होंगे। संतान की उपलब्धि को लेकर घर में उत्सव रहेगा।

मीन राशि–आज आप खुशियों से भरे दिन की शुरुआत करने वाले हैं। पारिवारिक मामलों को लेकर आपको थोड़ी भागदौड़ करनी पड़ेगी। ऑफिस में काम धीमी गति से पूरे होंगे। थोड़ा समय परिवार और बच्चों की समस्याओं को समझने और सुलझाने के लिए निकालें। आज समय के हिसाब से काम करने के तरीकों में बदलाव करना जरूरी है।

30 साल के संघर्ष को सुलझाने के लिए बातचीत, अजरबैजान की गोलीबारी में 2 अर्मेनियाई सैनिक की मौत

अजरबैजान की सीमा सेवा ने एक बयान में कहा कि उसने एक ष्उकसावेष् के प्रतिशोध में ष्बदला लेने की कार्रवाईष् की, जैसा कि अर्मेनियाई बलों ने एक दिन पहले कहा था। आर्मेनिया ने आज कहा कि देश की अत्यधिक सैन्यीकृत सीमा पर अजरबैजान की गोलीबारी में उसके दो सैनिक मारे गए हैं, जो पिछले साल 30 साल से अधिक समय से चले आ रहे रुक–रुक कर युद्ध को समाप्त करने के लिए दोनों पक्षों के समझौते पर बातचीत शुरू होने के बाद पहली घातक घटना है। आर्मेनिया के रक्षा मंत्रालय ने टेलीग्राम मैसेजिंग ऐप पर पोस्ट किए गए एक बयान में कहा कि दक्षिणी अर्मेनियाई गांव नेरकिन हैंड के पास एक युद्ध चौकी पर उसके दो सैनिक मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। अजरबैजान की सीमा सेवा ने एक बयान में कहा कि उसने एक ष्उकसावेष् के प्रतिशोध में ष्बदला लेने की कार्रवाईष् की, जैसा कि अर्मेनियाई बलों ने एक दिन पहले कहा था। इसमें कहा गया है कि आगे के उकसावे का जवाब अब से अधिक गंभीर और निर्णायक उपायों से दिया जाएगा। आर्मेनिया का सैन्य और राजनीतिक नेतृत्व इस घटना के लिए पूरी तरह जिम्मेदार है। अजरबैजान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि अर्मेनियाई बलों ने सोमवार शाम को नेरकिन हैंड से लगभग 300 किमी दूर सीमा के उत्तर–पश्चिमी खंड पर बाकू के ठिकानों पर गोलीबारी की। आर्मेनिया के रक्षा मंत्रालय ने इस बात से इनकार किया है कि ऐसी कोई घटना हुई है। नागोर्नो–काराबाख को लेकर अर्मेनिया और अजरबैजान तीन दशकों से अधिक समय से संघर्ष में बंद हैं। सितंबर में अजरबैजान ने जबरदस्त हमले में काराबाख को वापस ले लिया, जिससे क्षेत्र के लगभग सभी अर्मेनियाई निवासियों का तेजी से पलायन हुआ, और संघर्ष को औपचारिक रूप से समाप्त करने के लिए एक संधि के लिए दोनों पक्षों की ओर से नए सिरे से दबाव पड़ा। हालाँकि अर्मेनिया और अजरबैजान के बीच घातक गोलीबारी दशकों से आम रही है, वार्ता शुरू होने के बाद से सीमा अधिक शांतिपूर्ण हो गई है, सितंबर 2023 में कराबाख के पतन के बाद से थोड़ी गंभीर लड़ाई हुई है। हाल के महीनों में शांति वार्ता रुकी हुई दिखाई दे रही है, दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर राजनयिक प्रक्रिया को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया है।

आतंकवाद और मानवता में से किसी एक चुने पाकिस्तान.. प्रधानमंत्री मोदी का क्नइंप से दिया गया भाषण वायरल

अपनी यात्रा के दौरान, मोदी द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी को बढ़ाने के रास्ते तलाशने के लिए संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ द्विपक्षीय बैठकें करने वाले हैं। वे विभिन्न क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी दृष्टिकोण का आदान–प्रदान करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की दो दिवसीय यात्रा के लिए रवाना हो गए। पीएम के कार्यक्रमों में यूई की राजधानी अबू धाबी में पहले हिंदू मंदिर का उद्घाटन शामिल है। प्रधानमंत्री अपनी यात्रा के पहले दिन शहर में भारतीय प्रवासियों को संबोधित करेंगे और बुधवार को मंदिर का उद्घाटन करेंगे। अपनी यात्रा के दौरान, मोदी द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी को बढ़ाने के रास्ते तलाशने के लिए संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ द्विपक्षीय बैठकें करने वाले हैं। वे विभिन्न क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी दृष्टिकोण का आदान–प्रदान करेंगे। पीएम मोदी के दुबई में दिए भाषण खूब वायरल हो रहे हैं। दुबई क्रिकेट स्टेडियम में पीएम नरेंद्र मोदी के भाषण में शामिल होने के लिए लोग चिलचिलाती धूप का सामना करते हुए कतार में खड़े नजर आए थे। जब प्रधानमंत्री पद संभालने के एक साल बाद ही 2015 में पीएम मोदी ने दुबई क्रिकेट स्टेडियम में 50,000 मजबूत भारतीय प्रवासियों को संबोधित किया तो भीड़ ने जोर–जोर से स्वागत किया था। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि मैं एक बार फिर आप सभी को प्यार और समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं। अभूतपूर्व प्रतिक्रिया को देखते हुए आयोजन समिति ने अलर्ट जारी किया कि ऑनलाइन पंजीकरण करना दुबई क्रिकेट स्टेडियम में प्रवेश की गारंटी नहीं है। पाकिस्तान के खिलाफ परोक्ष रूप से कटाक्ष करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस्लामाबाद से आतंकवाद और मानवता में से किसी एक को चुनने को कहा। पीएम ने कहा कि हम पासपोर्ट का रंग नहीं देखते, हमारे खून का रंग ही काफी है। जब अटल बिहारी वाजपेई जी प्रधानमंत्री थे, तब भारत ने परमाणु परीक्षण किया था और दुनिया हैरान रह गई थी। भारत पर प्रतिबंध लगा दिये गये। उस समय, वाजपेयी जी ने दुनिया भर में भारतीयों से देश की मदद करने के लिए कहा था। इस खाड़ी देश में काम करने वाले भारतीयों का सबसे बड़ा योगदान भारत का खजाना भरना है। दुबई में दुनिया के तमाम देशों के लोग रहे हैं. दुनिया के सबसे ठंडे इलाकों के लोगों को भी यहां का 40 डिग्री सेल्सियस तापमान पसंद है। उस ताकत की कल्पना कीजिए, वह चुंबकीय शक्ति जिसने दुनिया को यहां दुबई तक खींच लिया है।

मैं क्या कर रहा हूं, कहां जा रहा हूं...जार्डन किंग संग बाइडेन ने ऐसा क्या किया, वीडियो होने लगा वायरल

जब जॉर्डन के राजा बोलने के लिए तैयार दिखे तो बाइडेन अब्दुल्ला और मंच के पीछे–पीछे घूमने लगे। फिर उसने खड़े होने की सही जगह जानने के लिए फर्श पर मार्क ढूंढना शुरू कर दिया।अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन और जॉर्डन के किंग अब्दुल्ला की मुलाकात हुई। इस दौरान जॉर्डन के राजा अब्दुल्ला द्वितीय ने जो बाइडेन के साथ हुई बातचीतमें गाजा में पूर्ण युद्धविराम की अपील की है। लेकिन बाइडेन कंनफ्यूज होने की वजह से आलोचना का शिकार हो रहे हैं। अपनी यादाश्त और बढ़ती उम्र को लेकर चिंताओं के बीच जॉर्डन के राजा अब्दुल्ला द्वितीय के साथ मंच साझा करते समय बाइडेन भ्रमित दिखे। मंगलवार को रॉयल के भाषण से पहले 81 वर्षीय बाइडेन ने कहा कि महामहिम, आपके ऊपर है। जब जॉर्डन के राजा बोलने के लिए तैयार दिखे तो बाइडेन अब्दुल्ला और मंच के पीछे–पीछे घूमने लगे। फिर उसने खड़े होने की सही जगह जानने के लिए फर्श पर मार्क ढूंढना शुरू कर दिया।अब्दुल्ला के बाईं ओर और जॉर्डन के फ्ला के सामने जाने का निर्णय लेने से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति दो स्थानों के बीच डगमगाते रहे। बाइडेन की अनिश्चितता से किंग अब्दुल्ला भी कंफ्यूज हो गए जब उन्होंने अपनी बाई ओर देखा तो अमेरिकी राष्ट्रपति वहां नहीं नजर आए। बाइडेन ने जवाब में कहा कि मैं आपकी दूसरी ओर हूं। फिर वह मुस्कुराते हुए किंग के बाईं ओर चले गए। रिपब्लिकन ने तुरंत वीडियो का इस्तेमाल बाइडेन की संज्ञानात्मक क्षमताओं पर सवाल उठाने के लिए किया। एक यूजर ने एक्स पर लिखा, जॉर्डन के राजा के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में बाइडेन फिर से मंच पर खो गए। रिपब्लिकन नेशनल कमेटी द्वारा संचालित एक एक्स अकाउंट आरएनसी रिसर्च ने वीडियो को इस विवरण के साथ साझा किया, ष्बिडेनरू मैं क्या कर रहा हूं? ष्मैं कहां जा रहा हूं?

फ्रांस ने इजराइल–लेबनान विवाद खत्म करने के लिए फ्रांस का प्रस्ताव, हिज्बुल्ला बोला– पहले गाजा को संभालो

चार वरिष्ठ लेबनानी और तीन फ्रांसीसी अधिकारियों ने कहा कि दस्तावेज, पश्चिमी मध्यस्थता के हफ्तों के दौरान बेरूत में लाया गया पहला लिखित प्रस्ताव, पिछले हफ्ते फ्रांसीसी विदेश मंत्री स्टीफन सेजॉर्न द्वारा प्रधान मंत्री नजीब मिकाती सहित लेबनानी राज्य के शीर्ष अधिकारियों को दिया गया था। फ्रांस ने लेबनान को एक लिखित प्रस्ताव भेजा है जिसका उद्देश्य इजराइल के साथ शत्रुता समाप्त करना और विवादित लेबनान–इजराइल सीमा का निपटारा करना है। योजना में हिज्बुल्लाह की विशिष्ट इकाई सहित लड़ाकों को सीमा से 10 किमी पीछे हटने का भी आह्वान किया गया है। रॉयटर्स द्वारा देखे गए दस्तावेज के अनुसार, प्रस्ताव का उद्देश्य सीमा पर ईरान समर्थित हिजबुल्लाह और इजराइल के बीच लड़ाई को समाप्त करना है। शत्रुताएं गाजा युद्ध के समानांतर चल रही हैं और विनाशकारी, सर्वव्यापी टकराव की चिंता को बढ़ावा दे रही हैं। चार वरिष्ठ लेबनानी और तीन फ्रांसीसी अधिकारियों ने कहा कि दस्तावेज, पश्चिमी मध्यस्थता के हफ्तों के दौरान बेरूत में लाया गया पहला लिखित प्रस्ताव, पिछले हफ्ते फ्रांसीसी विदेश मंत्री स्टीफन सेजॉर्न द्वारा प्रधान मंत्री नजीब मिकाती सहित लेबनानी राज्य के शीर्ष अधिकारियों को दिया गया था। यह एक ऐसे संघर्ष को रोकने के उद्देश्य की घोषणा करता है जो ष्नियंत्रण से बाहर जाने का जोखिम उठाता है और ष्स्थिति सही होने पर संभावित युद्धविराम लागू करता हैष् और अंततः लेबनान और इजराइल के बीच विवादास्पद भूमि सीमा के चित्रण पर बातचीत की कल्पना करता है। हिजबुल्लाह ने गाजा में युद्ध समाप्त होने तक औपचारिक रूप से तनाव कम करने की बातचीत को खारिज कर दिया, जबकि अमेरिकी मध्य पूर्व दूत अमोस होचस्टीन द्वारा इसी तरह के मध्यस्थता प्रयासों के कुछ विवरण हाल के हफ्तों में प्रसारित हो रहे हैं, लेबनान को दिए गए फ्रांसीसी लिखित प्रस्ताव का पूरा विवरण पहले नहीं बताया गया है। तीन–चरणीय योजना में सीमा वार्ता के साथ समाप्त होने वाली तनाव घटाने की 10–दिवसीय प्रक्रिया की परिकल्पना की गई है। एक फ्रांसीसी राजनयिक सूत्र ने कहा कि यह प्रस्ताव इजराइल, लेबनान और हिजबुल्लाह की सरकारों के सामने रखा गया है। फ्रांस के लेबनान के साथ ऐतिहासिक संबंध हैं। देश में 20,000 नागरिक हैं और संयुक्त राष्ट्र शांति सेना के हिस्से के रूप में लगभग 800 सैनिक हैं।

पाकिस्तान में किसी भी सरकार बने, हम साथ काम करने के लिए तैयार अमेरिका

अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने अपने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''मुझे नहीं लगता कि अभी तक कोई नयी पाकिस्तानी सरकार बनी है। मेरा मानना है कि सरकार के गठन को लेकर अब भी चर्चा जारी है।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन एक बात हमने चुनावों से पहले कही थी और हम फिर से स्पष्ट करेंगे कि पाकिस्तानी लोग जिसे भी अपना प्रतिनिधि चुनेंगे, हम उस सरकार के साथ काम करेंगे।'' वाशिंगटन। पाकिस्तान में आम चुनावों के बाद किसी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलने पर नेताओं की खरीद–फरोख्त संबंधी अफवाहों और नेशनल असेंबली की सीट पर परिणाम घोषित करने में हुई देरी के बीच अमेरिकी विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने सोमवार को कहा कि अमेरिका, पाकिस्तान में सत्ता में आने वाली किसी भी सरकार के साथ काम करने के लिए तैयार है। पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग ने बृहस्पतिवार को हुए आम चुनाव के परिणामों में देरी के लिए मतदान वाले दिन इंटरनेट और मोबाइल सेवाओं के निलंबन को जिम्मेदार ठहराया जबकि उसने पहले कहा था कि चुनाव प्रबंधन प्रणाली (ईएमएस) इंटरनेट पर निर्भर नहीं है और इंटरनेट बंद होने से काम प्रभावित नहीं होगा। आयोग ने दावा किया कि परिणामों में देरी से ''किसी विशिष्ट राजनीतिक दल'' को नुकसान नहीं हुआ है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने अपने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''मुझे नहीं लगता कि अभी तक कोई नयी पाकिस्तानी सरकार बनी है। मेरा मानना है कि सरकार के गठन को लेकर अब भी चर्चा जारी है।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन एक बात हमने चुनावों से पहले कही थी और हम फिर से स्पष्ट करेंगे कि पाकिस्तानी लोग जिसे भी अपना प्रतिनिधि चुनेंगे, हम उस सरकार के साथ काम करेंगे।'' मिलर ने पाकिस्तान के चुनावों के दौरान मतों से छेड़छाड़ के आरोपों के बारे में सवाल किए जाने पर कहा, ''जहां तक धांधली के आरोपों का सवाल है, तो हम चाहेंगे कि इसकी पूरी जांच हो।'' पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग ने रविवार को आम चुनाव के अंतिम परिणाम घोषित किए, जिसमें जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी 'पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) द्वारा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवारों ने101सीट पर जीत दर्ज की है। वहीं, तीन बार के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की पाकिस्तान मुस्लिम लीग–नवाज (पीएमएल–एन) 75 सीट जीतकर तकनीकी रूप से संसद में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। बिलावल जरदारी भुट्टो की पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) को 54 सीट मिलीं, जबकि विभाजन के दौरान भारत से आए उर्दू भाषी लोगों की मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट पाकिस्तान (एमक्यूएम–पी) को 17 सीट मिली हैं। बाकी 12 सीट पर अन्य छोटे दलों ने जीत हासिल की। पीटीआई ने शुरू में सरकार बनाने का दावा किया था, लेकिन उसकी संभावनाएं बाद में कमजोर पड़ने लगीं। सरकार बनाने के लिए किसी पार्टी को प्रत्यक्ष मतदान से निर्वाचित 133 सदस्यों के समर्थन की जरूरत होगी। कुल मिलाकर, साधारण बहुमत हासिल करने के लिए 336 में से 169 सीट की आवश्यकता है, जिसमें महिलाओं और अल्पसंख्यकों के लिए सुरक्षित सीट भी शामिल हैं।

जहां वो कहेंगी वहीं करेंगे वोट... अमेरिकी चुनाव में टेलर स्विफ्ट ने क्यों बढ़ाई बाइडेन–ट्रंप की धड़कन ?

रेडफील्ड और विल्टन स्ट्रैटेजीज द्वारा किए गए सर्वेक्षण में पाया गया कि 18 प्रतिशत मतदाताओं का कहना है कि टेलर स्विफ्ट द्वारा समर्थित उम्मीदवार को वे वोट देंगे और इसकी काफी संभावना है।अमेरिका में 5 नवंबर को इसी साल चुनाव होने हैं। डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन दोनों ही पार्टियां इसकी तैयारी में जुटी हुई है। ऐसा लगता है कि आकिरी लड़ाई डोनाल्ड ट्रंप और जो बाइडेन के बीच होने वाली है। अमेरिका चुनाव में इस बार मशहूर गायिका टेलर स्विफ्ट की चर्चा बहुत हो रही है। कई ट्रम्प समर्थक महसूस कर रहे हैं कि डेमोक्रेट अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के लिए पॉप स्टार का समर्थन प्राप्त करने के लिए कर रहे हैं। अरबपति वैश्विक पॉप स्टार ने 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में बाइडेन का समर्थन किया जब उनका पहली बार ट्रम्प के खिलाफ मुकाबला हुआ। इस वर्ष की दौड़ में उसे अभी तक किसी उम्मीदवार के समर्थन का ऐलान अभी तक नहीं किया गया है। टेलर स्विफ्ट का समर्थन राष्ट्रपति पद की कड़ी दौड़ में मतदाताओं को प्रभावित कर सकता है। रियलक्लियर पॉलिटिक्स औसत के अनुसार, मतदान डेटा से पता चलता है कि डोनाल्ड ट्रम्प वर्तमान में एक काल्पनिक आमने–सामने के मैच में देश भर में बाइडेन से 2 प्रतिशत वोट से आगे चल रहे हैं। स्विफ्ट अपने फैन बेस के आधार के कारण राजनीतिक प्रभाव रखती है, जिसे स्विफ्टीज के नाम से जाना जाता है। वैश्विक स्तर पर उसके बिकने वाले संगीत समारोहों में यात्रा करके स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं में अरबों का निवेश करती है। कैनसस सिटी चीफ्स के लिए कठिन अंत, ट्रैविस केल्स के साथ उसके संबंधों के प्रति प्रशंसकों के आकर्षण के कारण, उन्होंने एनबीसी के संडे नाइट फुटबॉल की दर्शकों की संख्या में वृद्धि की। रेडफील्ड और विल्टन स्ट्रैटेजीज द्वारा किए गए सर्वेक्षण में पाया गया कि 18 प्रतिशत मतदाताओं का कहना है कि टेलर स्विफ्ट द्वारा समर्थित उम्मीदवार को वे वोट देंगे और इसकी काफी संभावना है। जनवरी में कराए गए सर्वे में 45 फीसदी वोटरों ने कहा कि वे टेलर स्विफ्ट के प्रशंसक हैं और वे उस प्रत्याशी को वोट दे सकते हैं जिसका समर्थन टेलर स्विफ्ट करेंगी। आपको बता दें कि टेलर स्विफ्ट की पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रति नापसंदगी जगजाहिर है। उन्होंने 2020 के एक ट्वीट में श्वेत वर्चस्व और नस्लवाद की आग भड़काने के लिए ट्रंप की निंदा की थी।

पिछले आठ महीनों में ये तीसरी यात्रा, रवाना होने से पहले जानें पीएम मोदी ने क्या कहा

अपने प्रस्थान बयान में पीएम मोदी ने कहा कि मैं अबू धाबी में संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति महामहिम शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से मिलने और हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने पर व्यापक चर्चा करने के लिए उत्सुक हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार सुबह दिल्ली से यूएई के लिए रवाना हुए। वह 13 से 14 फरवरी तक दो दिनों के लिए संयुक्त अरब अमीरात में रहेंगे, जिसके बाद वह दोहा की यात्रा करेंगे। उनकी यह यात्रा कतर में अधिकारियों द्वारा सोमवार को आठ पूर्व भारतीय नौसेना कर्मियों को रिहा किए जाने के बाद हो रही है। भारतीय प्रवासियों के सदस्यों ने पीएम मोदी के यूएई पहुंचने से पहले अबू धाबी के जायद स्पोर्ट्स सिटी स्टेडियम में श्बार बार चाहिए मोदीश गाया।अपने प्रस्थान बयान में पीएम मोदी ने कहा कि मैं अबू धाबी में संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति महामहिम शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से मिलने और हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने पर व्यापक चर्चा करने के लिए उत्सुक हूं। मुझे यह सौभाग्य मिला है। पदभार संभालने के बाद से यूएई की मेरी 7वीं यात्रा है। हाल ही में गुजरात में महामहिम की मेजबानी की, जहां वह वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट 2024 में मुख्य अतिथि थे। यूएई के उपराष्ट्रपति, प्रधान मंत्री और रक्षा मंत्री और दुबई के शासक महामहिम शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम के निमंत्रण पर, मैं 14 फरवरी 2024 को दुबई में विश्व सरकार शिखर सम्मेलन में विश्व नेताओं की सभा को संबोधित करूंगा। मेरी चर्चाएँ शिखर सम्मेलन से इतर प्रधान मंत्री महामहिम शेख मोहम्मद बिन राशिद के साथ दुबई के साथ हमारे बहुमुखी संबंधों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। यात्रा के दौरान मैं अबू धाबी में पहले हिंदू मंदिर का भी उद्घाटन करूंगा। बीएपीएस मंदिर सद्भाव, शांति और सहिष्णुता के मूल्यों के लिए एक स्थायी श्रद्धांजलि होगी, जिसे भारत और संयुक्त अरब अमीरात दोनों साझा करते हैं।

मोदी ने 8 नवंबर 2016 को जो किया अब उसे दोहराएगा पाकिस्तान, मुल्क की मजबूती के लिए बनाया ये प्लान

नकदी की कमी वाले देश में नकली मुद्राओं के खतरे से निपटने के उद्देश्य से पाकिस्तान के केंद्रीय बैंक ने पाकिस्तानी मुद्रा को आधुनिक बनाने के लिए विशिष्ट सुरक्षा संख्याओं और डिजाइन सहित उन्नत सुरक्षा सुविधाओं के साथ नए मुद्रा नोट पेश करने की घोषणा की है। अक्सर ये कहा जाता है कि जो दूसरों के लिए गड्ढा खोदता है वो कभी न कभी खुद भी इसमें गिरता है। फेक करेंसी के जरिए कश्मीर में आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले पाकिस्तान के साथ भी कुछ ऐसा ही होता नजर आ रहा है। आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान में नकली नोट एक बड़ी समस्या बनकर सामने आया है। जिससे निपटने के लिए वो भी अब मोदी सरकार के 8 नवंबर वाले फैसले को दोहरा सकता है। नकदी की कमी वाले देश में नकली मुद्राओं के खतरे से निपटने के उद्देश्य से पाकिस्तान के केंद्रीय बैंक ने पाकिस्तानी मुद्रा को आधुनिक बनाने के लिए विशिष्ट सुरक्षा संख्याओं और डिजाइन सहित उन्नत सुरक्षा सुविधाओं के साथ नए मुद्रा नोट पेश करने की घोषणा की है। स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान के गवर्नर जमील अहमद ने कहा कि मुद्रा नोटों को उन्नत अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा सुविधाओं के साथ शामिल किया जाएगा, उन्होंने कहा कि परिवर्तन धीरे–धीरे होगा ताकि पाकिस्तान को किसी भी व्यवधान का सामना न करना पड़े। हालाँकि, कुछ वित्तीय विशेषज्ञों को आश्चर्य है कि क्या नए मुद्रा नोटों को पेश करने में नकली और काले धन बाजार से निपटने के लिए 5,000 रुपये या उच्च मूल्य वर्ग के नोटों का विमुद्रीकरण भी शामिल हो सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, नकदी की कमी से जूझ रही पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था काले धन के अवैध उपयोग से काफी प्रभावित है, जो उच्च मूल्यवर्ग के नोटों के प्रचलन के कारण आसान है। कैपिटल इन्वेस्टमेंट के सोहेल फारूक ने कहा कि पाकिस्तान की मौद्रिक प्रणाली की अखंडता सुनिश्चित करने के लिए यह सही कदम है, लेकिन क्या इसमें नोटबंदी भी शामिल होगी, यह देखना होगा। केंद्रीय बैंक के अनुसार, उन्होंने पुष्टि की कि बाजार में नकली मुद्रा नोटों के उपयोग में वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि यदि नए मुद्रा नोट प्रसारित किए जाते हैं, तो यह परिसंचरण में विश्वसनीयता सुनिश्चित करेगा और व्यवसायों को भी विश्वास दिलाएगा। एक अन्य बैंकर ने कहा कि केंद्रीय बैंक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि नई मुद्रा के कार्यान्वयन के दौरान जनता और व्यवसायों को कोई असुविधा न हो।

कुलदीप यादव ने रविंद्र जडेजा की वापसी को लेकर दिया बड़ा अपडेट

वहीं तीसरे मुकाबले से पहले कुलदीप यादव ने उनकी वापसी पर बड़ा संकेत दिया है। हैदराबाद में पहले टेस्ट के दौरान हैमस्ट्रिंग चोट लगने के कारण, ऑलराउंडर को संभावित रूप से तीन से आठ सप्ताह के लिए बाहर कर दिया गए थे। हालांकि, सिर्फ दो सप्ताह के बाद जडेजा फिट हैं और सक्रिय हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरा टेस्ट मैच राजकोट में खेला जाएगा। लेकिन इस मैच में रविंद्र जडेजा के खेलने को लेकर संशय अभी भी बना हुआ है। वहीं तीसरे मुकाबले से पहले कुलदीप यादव ने उनकी वापसी पर बड़ा संकेत दिया है। हैदराबाद में पहले टेस्ट के दौरान हैमस्ट्रिंग चोट लगने के कारण, ऑलराउंडर को संभावित रूप से तीन से आठ सप्ताह के लिए बाहर कर दिया गए थे। हालांकि, सिर्फ दो सप्ताह के बाद जडेजा फिट हैं और सक्रिय हैं। रविंद्र जडेजा के जल्द स्वस्थ होना एनसीए में बीसीसीआई के मेडिकल स्टाफ की शक्ति और एथलीट की सर्वोच्च क्षमताओं का प्रमाण है। राजकोट में तीसरे टेस्ट से पहले उनके टीम साथी कुलदीप यादव ने लगभग पुष्टि कर दी है कि रविंद्र जडेजा खेलेंगे। राजकोट में प्री–मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में चाइनामैन ने कहा कि मुझे भी ऐसा ही लगता है। उन्होंने अपना रूटीन किया और कल भी एक सत्र किया। हालांकि, रविंद्र जडेजा को इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के लिए स्वस्थ हैं लेकिन फैंस अभी भी उनकी फिटनेस केलिए चिंतित है।

गलत संकेत क्यों दे रहे हैं? बीसीसीआई ने केएल राहुल की फिटनेस पर उठाए सवाल

राहुल अपनी चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं। बीसीसीआई की प्रेस रिलीज के अनुसार, बल्लेबाज ठीक होने की राह पर थे और 90 प्रतिशत फिट थे और इसलिए तीसरे टेस्ट के लिए उसके नाम पर विचार नहीं किया गया।केएल राहुल इंग्लैंड के खिलाफ शेष तीन टेस्ट मैचों से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह देवदत्त पडिक्कल को मौका दिया गया है। लेकिन इससे पहले उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ अंतिम तीन मैचों के लिए भारतीय स्क्वॉड में रखा गया था। राहुल अपनी चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं। बीसीसीआई की प्रेस रिलीज के अनुसार, बल्लेबाज ठीक होने की राह पर थे और 90 प्रतिशत फिट थे और इसलिए तीसरे टेस्ट के लिए उसके नाम पर विचार नहीं किया गया। बता दें कि, बोर्ड ने एक प्रेस रिलीज में कहा, राहुल 90 प्रतिशत मैच फिटनेस तक पहुंच गए हैं और बीसीसीआई मेडिकल टीम की देखरेख में अच्छी प्रगति कर रहे हैं। सीरीज 1–1 से बराबरी पर है राहुल एनसीए बेंगलुरु में कछ और समय बिताएंगे और संभवतरू चौथे और पांचवें टेस्ट के लिए लौट आएंगे। ऐसा कहने के बाद, इससे कुछ लोग नाराज हो गए हैं। वहीं बीसीसीआई के एक वरिष्ठ सूत्र ने नाम ना छापने की शर्त पर पीटीआई को बताया कि, केएल राहुल ने अभी तक राजकोट में रिपोर्ट नहीं की है। स्थानीय रविंद्र जडेजा को टीम के साथ जोड़ा गया है। ये हमेशा फिटनेस से जुड़ा मामला था और बोर्ड की मेडिकल टीम को अभी भी भरोसा नहीं है कि वह मैच फिट है। बीसीसीआई के वरिष्ठ अधिकारी ने पूछा कि, अगर बीसीसीआई की मेडिकल टीम को पहले से पता था कि राहुल की स्क्वॉड चोट इतनी गंभीर है जितनी दिख रही है, तो पहले उन्हें अस्थायी टीम में क्यों रखा गया। खिलाड़ी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपनी बल्लेबाजी के वीडियो पोस्ट करके गलत संकेत क्यों भेज रहा है।

दत्ताजीराव गायकवाड़ ने दुनिया को कहा अलविदा, बड़ौदा में हुआ निधन

भारत के सबसे उम्रदराज टेस्ट क्रिकेटर और पूर्व कप्तान दत्ताजीराव गायकवाड़ का उम्र संबंधी बीमारियों के कारण निधन हो गया। वह 95 साल के थे और भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज और राष्ट्रीय कोच अंशुमान गायकवाड़ के पिता थे। मंगलवार को भारत के सबसे उम्रदराज टेस्ट क्रिकेटर और पूर्व कप्तान दत्ताजीराव गायकवाड़ का उम्र संबंधी बीमारियों के कारण निधन हो गया। वह 95 साल के थे और भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज और राष्ट्रीय कोच अंशुमान गायकवाड़ के पिता थे। परिवार के एक सूत्र ने 'पीटीआई–भाषा' को बताया कि उन्होंने पिछले 12 दिनों से बड़ौदा के एक अस्पताल के आईसीयू (गहन चिकित्सा कक्ष) में जिंदगी और मौत से जूझने के बाद आज सुबह अंतिम सांस ली। उन्होंने 1952 और 1961 के बीच भारत के लिए 11 टेस्ट खेले थे। उन्होंने 1959 में इंग्लैंड दौरे पर राष्ट्रीय टीम की कप्तानी भी की थी। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 1952 में लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ पदार्पण किया और उनका अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच 1961 में चेन्नई में पाकिस्तान के खिलाफ था। गायकवाड़ ने रणजी ट्रॉफी में 1947 से 1961 तक बड़ौदा का प्रतिनिधित्व किया। दत्ताजीराव गायकवाड़ ने 47.56 की औसत से 3139 रन बनाए, जिसमें 14 शतक शामिल थे। उनका सर्वोच्च स्कोर 1959–60 सत्र में महाराष्ट्र के खिलाफ नाबाद 249 रन था। वह 2016 में भारत के सबसे उम्रदराज टेस्ट क्रिकेटर बने थे। उनसे पहले पहले दीपक शोधन भारत के सबसे अधिक उम्र वाले टेस्ट क्रिकेट थे।

विदेशी खिलाड़ियों के टूर्नामेंट से हटने का सिलसिला जारी

पाकिस्तान सुपर लीग (PSL) से कई अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों ने नाम वापस ले लिए हैं। इतना ही नहीं कई क्रिकेट बोर्ड अपने खिलाड़ियों को इस लीग में भाग लेने की अनुमति देने से इनकार कर रहे हैं। पीएसएल 17 फरवरी से लाहौर में शुरू होने वाला है। पाकिस्तान की लीग यानी पाकिस्तान सुपर लीग से कई अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों ने नाम वापस ले लिए हैं। इतना ही नहीं कई क्रिकेट बोर्ड अपने खिलाड़ियों को इस लीग में भाग लेने की अनुमति देने से इनकार कर रहे हैं। पीएसएल 17 फरवरी से लाहौर में शुरू होने वाला है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पीएसएल की सभी 6 टीमें इस बात से नाराज हैं कि विदेशी खिलाड़ी बांग्लादेश प्रीमियर लीग, आईएलटी 20 और एसए 20 लीग में खेलने का फैसला कर रहे हैं। इससे उनकी फ्रेंचाइजी को काफी नुकसान उठाना पड़ेगा। पीएसएल की टीम मुल्तान सुल्तांस ने टूर्नामेंट शुरू होने से पहले ही कई खिलाड़ियों को खो दिया है। ये ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्हें उन्होंने शुरू में आगामी सत्र के लिए साइन किया था। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज रीस टॉपले चोट के कारण हटने वाले सबसे पहले खिलाड़ी हैं। इंग्लैंड एंव वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने साथ ही कहा कि उसने पीएसएल में खेलने के लिए टॉपले को अनापत्ति प्रमाण पत्र (छब्) जारी नहीं किया है। कुछ अन्य बोर्ड भी पीएसएल के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र देने के बारे में सोच रहे हैं। कुछ अन्य बोर्ड भी पीएसएल के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र देने के बारे में सोच रहे हैं।

मुल्तान को पाकिस्तान के तेज गेंदबाज एहसानुल्लाह की भी कमी खलेगी जो पिचले साल पीएसएल के बाद कोहनी की चोट से उबरने में नाकाम रहे हैं। पेशावल जाल्मी ने भी दक्षिण अफ्रीका के लुंगी एनगिडी के रूप में एक बड़ा नाम गंवा दिया है, जबकि क्वेटा ग्लैडिएटर्स श्रीलंका के वानिंदु हसरंगा के बिना उतरेगा। वेस्टइंडीज के क्रिकेटर शाई होप, मैथ्यू फोर्ड और अकील हुसैन, दक्षिण अफ्रीका के तबरेज शम्शी और रासी वान डर डुसेन, इंग्लैंड के जेम्स विन्स और अफगानिस्तान के नूर अहमद और नवीन उल हक भी पूरे टूर्नामेंट से हट गए हैं। साथ ही खिलाड़ियों के हटने से नाराज फ्रेंचाइजी के एक मालिक ने पीसीबी से टूर्नामेंट की तारीखों पर फिर से विचार करने को कहा है। क्योंकि जब एक की जगहतीन लीग एकसाथ हो रही हैं तो बड़े खिलाड़ियों को मिलना संभव नहीं है। उन्होंने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि एसए 20 हाल ही में खत्म हुई और आईएलटी 20 उस दिन समाप्त होगा, जिस दिन पीएसएल शुरू होगी। इसलिए अब बड़े खिलाड़ियों को साइन करना मुश्किल हो रहा है।

दत्ताजीराव गायकवाड़ ने दुनिया को कहा अलविदा, बड़ौदा में हुआ निधन

भारत के सबसे उम्रदराज टेस्ट क्रिकेटर और पूर्व कप्तान दत्ताजीराव गायकवाड़ का उम्र संबंधी बीमारियों के कारण निधन हो गया। वह 95 साल के थे और भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज और राष्ट्रीय कोच अंशुमान गायकवाड़ के पिता थे। मंगलवार को भारत के सबसे उम्रदराज टेस्ट क्रिकेटर और पूर्व कप्तान दत्ताजीराव गायकवाड़ का उम्र संबंधी बीमारियों के कारण निधन हो गया। वह 95 साल के थे और भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज और राष्ट्रीय कोच अंशुमान गायकवाड़ के पिता थे। परिवार के एक सूत्र ने 'पीटीआई–भाषा' को बताया कि उन्होंने पिछले 12 दिनों से बड़ौदा के एक अस्पताल के आईसीयू (गहन चिकित्सा कक्ष) में जिंदगी और मौत से जूझने के बाद आज सुबह अंतिम सांस ली। उन्होंने 1952 और 1961 के बीच भारत के लिए 11 टेस्ट खेले थे। उन्होंने 1959 में इंग्लैंड दौरे पर राष्ट्रीय टीम की कप्तानी भी की थी। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 1952 में लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ पदार्पण किया और उनका अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच 1961 में चेन्नई में पाकिस्तान के खिलाफ था। गायकवाड़ ने रणजी ट्रॉफी में 1947 से 1961 तक बड़ौदा का प्रतिनिधित्व किया। दत्ताजीराव गायकवाड़ ने 47.56 की औसत से 3139 रन बनाए, जिसमें 14 शतक शामिल थे। उनका सर्वोच्च स्कोर 1959–60 सत्र में महाराष्ट्र के खिलाफ नाबाद 249 रन था। वह 2016 में भारत के सबसे उम्रदराज टेस्ट क्रिकेटर बने थे। उनसे पहले पहले दीपक शोधन भारत के सबसे अधिक उम्र वाले टेस्ट क्रिकेट थे।

इस इंग्लिश दिग्गज का बड़ा बयान, कहा– शर्म की बात है विराट कोहली नहीं खेल रहे

इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने आईएएनएस से कहा कि, ये सीरीज के लिए शर्म की बात है कि विराट कोहली नहीं खेल रहे हैं। वह एक चौंपियन खिलाड़ी हैं। लेकिन हमेशा की तरह फैमिली पहले आनी चाहिए। भारत ने आखिरी टेस्ट जीता था। ये युवाओं के लिए अच्छा मौका है कि वह कोहली की गैरमौजूदगी में खुद को साबित करें। इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी तीन टेस्ट के लिए भी भारतीय स्क्वॉड का ऐलान हो गया है। इस स्क्वॉड में विराट कोहली का नाम शामिल नहीं है। वह पहले दो टेस्ट भी नहीं खेले थे। इंग्लैंड के क्रिकेटर ने कोहली का सीरीज से बाहर होना शर्मनाक बताया है। उन्होंने कहा कि ये यंग खिलाड़ियों के लिए अच्छा मौका है। दरअसल, इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने आईएएनएस से कहा कि, ये सीरीज के लिए शर्म की बात है कि विराट कोहली नहीं खेल रहे हैं। वह एक चौंपियन खिलाड़ी हैं। लेकिन हमेशा की तरह फैमिली पहले आनी चाहिए। भारत ने आखिरी टेस्ट जीता था। ये युवाओं के लिए अच्छा मौका है कि वह कोहली की गैरमौजूदगी में खुद को साबित करें। हमने पाकिस्तान में 3–0 से सीरीज जीती थी। न्यूजीलैंड में भी हम अच्छे रहे थे। बैजबॉल क्रिकेट को आगे ले जा रहा है इसे भविष्य में देखना दिलचस्प होगा। हालांकि, ये पहला मौका है जब विराट कोहली घरेलू सीरीज में नहीं खेल रहे हैं। भारत ने हैदराबाद टेस्ट हारने के बाद विशाखापट्टनम में धमाकेदार वापसी की और सीरीज को 1–1 से बराबर कर दिया। विराट कोहली ने कप्तान रोहित शर्मा और टीम मैनेजमेंट को निजी कारण बताते हुए ब्रेक लिया था।

क्रैनबेरी के बढ़िया स्वाद के साथ होते हैं कई स्वास्थ्य लाभ, बनाएं डाइट का हिस्सा

क्रैनबेरी लाल रंग के छोटे–छोटे फल होते हैं, जो रूबी की तरह दिखते हैं। ये फल न केवल स्वादिष्ट होते हैं बल्कि कई स्वास्थ्य लाभों से युक्त भी होते हैं।ये फाइबर, विटामिन (सी, ई) और मैंगनीज जैसे खनिजों से भरपूर होते हैं। क्रैनबेरी में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो ऑक्सीडेटिव तनाव के खिलाफ शरीर की सुरक्षा को मजबूत करते हैं।आइए जानते हैं कि क्रैनबेरी को डाइट में शामिल करने से शरीर को क्या–क्या लाभ मिल सकते हैं।

किडनी की सुरक्षा

क्रैनबेरी एंटीऑक्सीडेंट और प्रोएन–थोसायनिडिन जैसे यौगिकों से भरपूर होती हैं। ये फल यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन (ज़्जढ़ढ) को रोकने में मदद करते हैं, जो किडनी पर दबाव डाल सकता है।हानिकारक बैक्टीरिया को रोककर क्रैनबेरी किडनी से संबंधित समस्याओं के जोखिम को कम करती हैं। इसके अलावा इसके सूजनरोधी गुण किडनी के स्वास्थ्य में योगदान देते हैं।अपने खान–पान में इन्हें शामिल करना आपकी किडनी को स्वस्थ बना सकता है। ये किडनी संबंधित बिमारियों से लडने में भी सहायक होती हैं।

मजबूत प्रतिरक्षा प्रणाली

क्रैनबेरी विशेष यौगिकों से लैस होती हैं और शरीर के बैक्टीरिया और यीस्ट से लड़ती हैं। ये आपके स्वास्थ्य के लिए एक अंगरक्षक की तरह काम कर सकती हैं।क्रैनबेरी में मौजूद यौगिक न केवल आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करते हैं बल्कि सर्दी–जुकाम की परेशानी को भी कम करने में मदद करते हैं। इस बेरी के सेवन से आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली दुरुस्त हो जाएगी।क्रैनबेरी का जूस पीने से भी कई फायदे मिल सकते हैं।

कैंसर रोधी गुण

क्रैनबेरी कैंसर से लडने में मदद करने वाले खाद्य–पदार्थों में से एक है। क्रैनबेरी से प्राप्त यौगिक कीमोथेरेपी के प्राकृतिक रूप की तरह काम करते हैं। ये कैंसर कोशिकाओं के विकास को सक्रिय रूप से रोकते हैं।क्रैनबेरी का सेवन आपके शरीर में कैंसर के खतरे को कम कर सकता है। बता दें कि ये किसी भी पारंपरिक उपचार का विकल्प नहीं है, लेकिन पारंपरिक उपचार के साथ–साथ इनका सेवन शरीर के लिए फायदेमंद होगा।

सूजनरोधी गुण

क्रैनबेरी में सूजन–रोधी शक्तियां होती हैं, जो सूजन को बढ़ाने वाले क्रिएक्टिव प्रोटीन (ष्टक्रक्क) को कम करती हैं। इसके अलावा ये फल वजन घटाने में भी मदद करते हैं।क्रैनबेरी एडिपोजेनेसिस को रोककर इसे नियंत्रित रखती हैं, जो वसा कोशिका निर्माण की प्रक्रिया है। इसलिए अपनी रोजाना की डाइट में क्रैनबेरी का आनंद लेने से न केवल सूजन में राहत मिलती है बल्कि आपका वजन भी कम होता है।

फंगल प्रतिरोधी लाभ

क्रैनबेरी दांतों की सडन और फंगल संक्रमण के खिलाफ प्राकृतिक सुरक्षा देती हैं। ये एसिड बनने से रोकती हैं और मुंह में हानिकारक बैक्टीरिया नहीं पनपने देतीं, जिससे कैविटी कम हो जाती हैं।साथ ही क्रैनबेरी हानिकारक फंगस के विकास में भी रुकावट लाती हैं।

अंगूर का अधिक सेवन करने से हो सकती हैं ये स्वास्थ्य समस्याएं, जानिए सही मात्रा

अंगूर कई विटामिन और खनिजों से भरपूर होते हैं।यही वजह है कि डॉक्टर भी इन्हें डाइट में शामिल करने की सलाह देते हैं, लेकिन अंगूर का अधिक सेवन फायदे से ज्यादा नुकसान पहुंचा सकता है।अमूमन लोग छोटे होने के कारण अधिक अंगूर खा लेते हैं और इससे उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।आइए जानते हैं कि ज्यादा अंगूर खाने से क्या–क्या समस्याएं हो सकती हैं और रोजाना कितनी मात्रा में इनका सेवन करना लाभदायक है।

दस्त या कब्ज

अंगूर में प्राकृतिक शर्करा अधिक होती है और उच्च शर्करा युक्त खाद्य पदार्थों के अधिक सेवन से दस्त की समस्या हो सकती है।इसके अतिरिक्त अंगूर अघुलनशील फाइबर से भी भरपूर होते हैं और इनकी अधिक मात्रा पाचन क्रिया को प्रभावित कर सकती है, जिससे दस्त या कब्ज हो सकते हैं।अंगूर का अधिक सेवन पेट दर्द का कारण भी बन सकता है।यहां जानिए सर्दियों में ये आदतें उत्पन्न कर सकती हैं कब्ज की समस्या।

वजन का बढना

अंगूर के अधिक सेवन से वजन बढने की भी संभावना रहती है और इसका कारण इनमें मौजूद प्राकृतिक शर्करा हो सकती है।कई लोग इस वजह से इन्हें अपनी डाइट में शामिल कर लेते हैं क्योंकि इनमें फाइबर और कम कैलोरी होती है, लेकिन अंगूर के जरिए अधिक मात्रा से शरीर में पहुंचने वाली शर्करा से वजन कम होने की बजाय बढ़ सकता है।इसलिए वजन घटाने वाले लोग इस फल का कम ही मात्रा में सेवन करें।

गैस होना

कभी भी खाली पेट अंगूर का सेवन न करें क्योंकि इस स्थिति में अधिक अंगूर खाने से गैस की समस्या हो सकती गै।इससे आंतों की परत को भी नुकसान पहुंच सकता है, जिससे सिरदर्द और उल्टी भी हो सकती है।बता दें कि सैलिसिलिक एसिड की मौजूदगी के कारण अंगूर आपके पेट में जलन पैदा कर सकते हैं, जिससे गैस बनने लगती है।यहां जानिए गैस की समस्या से राहत दिलाने वाले हर्बल चाय।

गर्भावस्था में पहुंचा सकते हैं नुकसान

गर्भवती महिलाओं के लिए भी अंगूर का अधिक सेवन मुसीबत बन सकता है।इसका मुख्य कारण है कि अंगूर में फिनोलिक यौगिक मौजूद होते हैं, जिसकी अधिकता से गर्भवती महिला और होने वाले शिशु का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है।इसके अतिरिक्त स्तनपान कराने वाले महिलाओं को भी अंगूर का अधिक सेवन करने से बचना चाहिए।इन स्थितियों में महिलाओं को कुछ ही मात्रा में अंगूर खाने चाहिए।

क्या है अंगूर की सही मात्रा?

सही मात्रा में अंगूर खाने से शरीर के साथ–साथ त्वचा को कई लाभ मिल सकते हैं, लेकिन अगर आप इनका अधिक सेवन करते हैं तो इससे त्वचा पर उल्टा असर पड़ सकता है।दरअसल, अंगूर के अधिक सेवन से त्वचा पर सूजन, खुजली और रैशेज जैसी समस्याएं हो सकती हैं।बता दें कि रोजाना 20 से 30 अंगूर का सेवन करना ही स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है।

द इंद्राणी मुखर्जी स्टोरी बरीड ट्रुथ का ट्रेलर जारी, शीना मर्डर केस का हर पन्ना खोलेगी सीरीज

शीना बोरा हत्याकांड तो हर किसी को याद होगा। अब इस हत्याकांड के सभी राज से एक–एक करके पर्दा उठने वाला है। दरअसल, द इंद्राणी मुखजीरूर बरीड ट्रुथ डॉक्यूमेंट्री सीरीज का ट्रेलर जारी हो गया है।इस ट्रेलर ने आते ही सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। द इंद्राणी मुखजीरूर बरीड ट्रुथ डॉक्यूमेंट्री सीरीज में शीना बोरा की मौत से लेकर इंद्राणी की गिरफ्तारी तक हर चीज को बेहद बारीकी से दिखाया गया है।द इंद्राणी मुखर्जी स्टोरीरू बरीड ट्रुथ शीना बोरा मर्डर मामले को दिखाती है, जो लंबे समय तक चर्चा में बना रहा। शीना बोरा हत्याकांड साल 2012 का है। इस केस में इंद्राणी मुखर्जी और उनके पति पीटर मुखर्जी का नाम सामने आया था। यह डॉक्यूमेंट्री कहानी के दोनों पक्षों के कई राज खोलेगी। इंद्राणी की गिरफ्तारी, जेल में उनके साथ किए गए सुलूक समेत कई पर्तें खुलने वाली हैं। अब इसके ट्रेलर को सोशल मीडिया पर अच्छा रिस्पांस मिल

रहा है। अभी इंद्राणी जमानत पर बाहर हैं। द इंद्राणी मुखर्जी स्टोरीरू बरीड ट्रुथ में खुद मुखर्जी के साथ–साथ उनके परिवार, वकीलों और मामले को उजागर करने वाले अनुभवी पत्रकारों के इंटरव्यू भी शामिल होने वाले हैं। दर्शक भी अब इस डॉक्यूमेंट्री सीरीज को देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, मैं इसका इंतजार कर रहा हूं।शीना बोरा मामले में आरोपी इंद्राणी मुखर्जी सीरीज की रिलीज डेट की भी घोषणा हो गई है। नेटफ्लिक्स इंडिया ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर इसका ट्रेलर जारी करते हुए कैप्शन में लिखा, बंद दरवाजों के पीछे यह परिवार रहस्यों के अलावा और भी बहुत कुछ छुपाता है। द इंद्राणी मुखर्जी स्टोरीरू बरीड ट्रुथ में उस हत्याकांड के बारे में गहराई से जानें, जिसने एक बार पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था, जो 23 फरवरी को केवल नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।।

किरण राव की लापता लेडीज का दूसरा गाना सजनी हुआ रिलीज, फिल्म 1 मार्च को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

काफी समय से किरण राव के निर्देशन में बनी फिल्म लापता लेडीज के चर्चे सुनने को मिल रहे हैं. फिल्म का ट्रेलर आ चुका है जिसे काफी पसंद किया जा रहा है और वो यूट्यूब पर ट्रेंडिंग भी रहा. अब फिल्म लापता लेडीज का दूसरा गाना रिलीज किया गया है. इस गाने के बोल सजनी है जिसे यूट्यूब पर रिलीज किया गया है. किरण राव द्वारा निर्देशित फिल्म लापता लेडीज का ट्रेलर मजेदार है.

ट्रेलर के देखने के बाद से ही लोग फिल्म देखने के लिए उत्सुक हैं, लोग जानना चाहते हैं कि फिल्म में इस बार आखिर निर्देशक किरण राव क्या नया लाने वाली हैं. फिल्म अभी 1 मार्च को रिलीज होगी फिलहाल आप इसके दूसरे गाने का आनंद उठाएं.

सजनी लापता लेडीज जैसे कॉमेडी–ड्रामा का दूसरा गाना है, जिसमें रोमांस और प्यार की झलक देखने मिल रही है. गाने को अरिजीत सिंह ने गाया है और संगीत राम संपत ने दिया है जबकि दिव्यनिधि शर्मा ने गाने के बोल लिखे हैं. सजनी गाना आपके प्यार भरे दिल के लिए बहुत ही खास है. यह गाना एक सुंदर मेलोडी है जो आपके दिल को छू जाएगी. इसके लिए लिखे गए शब्दों के साथ, यह गाना प्यार की मीनिंग को बहुत ही अच्छे तरीके से बयां करता है.

जियो स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत, लापता लेडीज किरण राव द्वारा निर्देशित और आमिर खान और ज्योति देशपांडे द्वारा निर्मित है. यह फिल्म आमिर खान प्रोडक्शंस और किंडलिंग प्रोडक्शंस के बैनर तले बनाई गई है, जिसकी स्क्रिप्ट बिप्लब गोस्वामी की अवॉर्ड विनिंग कहानी पर आधारित है. फिल्म के स्क्रीनप्ले और डायलॉग को स्नेहा देसाई द्वारा लिखा गया है, जबकि बाकी डायलॉग्स को दिव्यनिधि शर्मा द्वारा लिखा गया है. यह फिल्म 1 मार्च 2024 को रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार है.

आपकी जानकारी के लिए बता दें, किरण राव आमिर खान की एक्स वाइफ हैं लेकिन वे अभी भी अच्छे दोस्त हैं. अच्छी दोस्ती के कारण ही आमिर खान के साथ किरण राव ने प्रोड्यूस किया है.

इसके पहले इनकी जोड़ी में फिल्म पीपली लाइव (2010) बनाई थी जिसे काफी लोकप्रियता मिली थी. आमिर खान और किरण राव आपसी सहमती से साल 2021 में तलाक लिए थे लेकिन आज भी अच्छी बॉन्डिंग शेयर करते हैं.

फाइटर ने फिर पकड़ी रफ्तार, 200 करोड़ से बस थोड़ी दूर रह गई फिल्म

ऋतिक रोशन स्टारर फिल्म श्फाइटरस्य का क्रेज दर्शकों के सिर चढ़कर बोल रहा है. ये फिल्म 25 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. इस फिल्म के एरियल एक्शन ने दर्शकों के होश उड़ा दिए हैं. वहीं फिल्म का प्लॉट और ऋतिक रोशन–दीपिका पादुकोण की ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री फिल्म की यूएसपी रही.इसी के साथ श्फाइटरस्य को दर्शकों से शानदार रिस्पॉन्स मिला और फिल्म ने दमदार कारोबार भी किया. हालांकि इस बीच फिल्म की कमाई में उतार–चढ़ाव भी देखा गया लेकिन रिलीज के तीसरे शनिवार के बाद थर्ड संडे को एक बार फिर श्फाइटरस्य के कलेक्शन में उछाल आया है. चलिए यहां जानते हैं श्फाइटरस्य ने रिलीज के तीसरे रविवार यानी 18वें दिन कितनी कमाई की है?श्फाइटरस्य को रिलीज हुए तीन हफ्ते हो चुके हैं और ये बॉक्स ऑफिस पर जमी हुई है. साल 2023 की ब्लॉकबस्टर फिल्म पठान के निर्देशक सिद्धार्थ आनंद ने श्फाइटरस्य को भी डायरेक्ट किया है. हालांकि श्फाइटरस्य बॉक्स ऑफिस पर पठान जैसा जादू नहीं बिखेर पाई और इस फिल्म की कमाई भी उम्मीद के मुताबिक नहीं रही. बावजूद इसके श्फाइटरस्य अब 200 करोड़ का आंकड़ा छूने के नजदीक पहुंच गई है.फिल्म की कमाई की बात करें तो श्फाइटरस्य ने 22.5 करोड़ रुपयों से खाता खोला था. इसके बाद फिल्म का पहले हफ्ते का कलेक्शन 146.5 करोड़ रुपये रहा. दूसरे हफ्ते में फिल्म ने 41 करोड़ की कमाई की. वहीं अब ये फिल्म रिलीज के तीसरे हफ्ते में है. श्फाइटरस्य ने तीसरे शुक्रवार जहां 1.75 करोड़ की कमाई की थी तो तीसरे शनिवार श्फाइटरस्य का कलेक्शन 3.65 करोड़ रुपये रहा. वहीं अब इस फिल्म की रिलीज के तीसरे संडे की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं. रिपोर्ट के मुताबिक श्फाइटरस्य ने रिलीज के तीसरे संडे को 4 करोड़ का कलेक्शन किया है. इसी के साथ श्फाइटरस्य की 18 दिनों की कुल कमाई अब 196.90 करोड़ रुपये हो गई है. श्फाइटरस्य घरेलू बाजार में तो अच्छा परफॉर्म कर ही रही है वहीं ये फिल्म दुनियाभर में भी छाई हुई है. ट्रेड श्फाइटरस्य की वर्ल्डवाइड कमाई की बात करें तो ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण स्टारर इस फिल्म 340 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन कर लिया है. ये फिल्म अब वर्ल्डवाइड 400 करोड़ का आंकड़ा छूने की ओर बढ़ रही है. सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बनी श्फाइटरस्य में ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण के अलावा अनिल कपूर, करण सिंह ग्रोवर, अक्षय ओबेराय और संजीदा शेख सहित कई कलाकारों ने अहम रोल प्ले किया है.

दुनियाभर में ईगल ने भरी ऊंची उड़ान! 3 दिनों में 30 करोड़ के पार हुई रवि तेजा की फिल्म

रवि तेजा की फिल्म ईगल 9 फरवरी को थिएटर्स में रिलीज हुई है. फिल्म दर्शकों को पसंद आ रही है और ये अच्छी कमाई भी कर रही है. ईगल को रिलीज हुए चार दिन हो गए हैं और फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अपना दबदबा बनाया हुआ है. घरेलू बॉक्स ऑफिस के साथ–साथ रवि तेजा की फिल्म दुनियाभर में धमाल मचा रही है और हर रोज करोड़ों का कारोबार कर रही है.ईगल के तीन दिनों का वर्ल्डवाइड कलेक्शन सामने आ चुका है, जिसके मुताबिक फिल्म ने तीन दिनों में तीस करोड़ से ज्यादा का बिजनेस कर लिया है. पहले दिन फिल्म ने वर्ल्डवाइड 11.90 करोड़ और दूसरे दिन 9 करोड़ कमाए थे. वहीं अब ट्रेड एनालिस्ट रमेश बाला की मानें तो रवि तेजा की फिल्म ने तीसरे दिन के कलेक्शन के साथ तीन दिनों में कुल 30.6 करोड़ रुपए बटोर लिए हैं. रमेश बाला ने एक्स पर फिल्म का वर्ल्डवाइड कलेक्शन पोस्टर शेयर करते हुए लिखा– मुझे बहुत अच्छा लगा! ईगल ने 3 दिनों में दुनिया भर में 30 करोड़ से ज्यादा की कमाई की. बता दें घरेलू बॉक्स ऑफिस पर भी ईगल का जलवा कि ईगल घरेलू बॉक्स ऑफिस पर भी हर रोज करोड़ों में खेल रही है. फिल्म ने रिलीज के पहले दिन 6.2 करोड़ की ओपनिंग की थी. वहीं दूसरे दिन फिल्म ने 5 करोड़ कमाए तो तीसरे दिन का कलेक्शन 4.85 करोड़ रुपए रहा. इस तरह तेलुगु और हिंदी, दो भाषाओं में रिलीज हुई रवि तेजा की इस फिल्म ने तीन दिनों में कुल 16.5 करोड़ रुपए का बिजनेस किया. कार्तिक गट्टमनेनी के डायरेक्शन में बनी ईगल के स्टारकास्ट की बात करें तो फिल्म में रवि तेजा लीड रोल में हैं. वहीं काव्या थापर, अनुपमा परमेश्वरन, विनय राय, नवदीप और मधु भी फिल्म का हिस्सा हैं.

शाहिद–कृति की फिल्म पर हुई नोटों की बरसात,तीसरे दिन हुआ तगड़ा कारोबार

शाहिद कपूर और कृति सेनन स्टारर फिल्म श्तेरी बातों में ऐसा उलझा जियाच्च बीते शुक्रवार सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. वैलेंटाइन वीके में रिलीज हुई इस यूनिक लव स्टोरी पर बेस्ड फिल्म का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे थे. फिल्म का जमकर प्रमोशन भी किया गया था. हालांकि रिलीज के बाद फिल्म की ओपनिंग धीमी रही लेकिन वीकेंड पर फिल्म ने रफ्तार पकड़ ली. चलिए यहां जानते हैं श्तेरी बातों में ऐसा उलझा जियाच्च ने रिलीज के तीसरे दिन यानी पहले संडे कितने करोड़ का कलेक्शन किया है. श्तेरी बातों में ऐसा उलझा जियाच्च ने दर्शकों का दिल जीत लिया है. फिल्म की पहले दिन की कमाई कम रही लेकिन वीकेंड पर फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ मजबूत बना ली है. फिल्म की कमाई की बात करें श्तेरी बातों में ऐसा उलझा जियाच्च ने रिलीज के पहले दिन 6.7 करोड़ का कलेक्शन किया था. दूसरे दिन शाहिद और कृति की फिल्म की कमाई में 44.03 फीसदी का उछाल आया और इसने 9.65 करोड़ का कारोबार किया. वहीं अब श्तेरी बातों में ऐसा उलझा जियाच्च के तीसरे दिन यानी संडे की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं.रिपोर्ट के मुताबिक श्तेरी बातों में ऐसा उलझा जियाच्च ने रिलीज के तीसरे दिन यानी पहले संडे को 10.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया है. इसी के साथ श्तेरी बातों में ऐसा उलझा जियाच्च के तीन दिनों का कलेक्शन 26.85 करोड़ रुपये हो गया है.तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया की वर्ल्डवाइड कमाई की बात करें तो फिल्म ने शुक्रवार को यानी पहले दिन 14.04 करोड़ रुपये की कमाई की थी. दूसरे दिन दुनियाभर में फिल्म ने 20.02 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया. तीसरे दिन फिल्म वर्ल्डवाइड 50 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर जाएगी.

इम्पॉसिबल लव स्टोरी के रूप में प्रेजेंट की गई तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया में शाहिद को कृति स्टार एक रोबोट के साथ प्यार हो जाता है. इसके बाद फिल्म में कई ऐसे मोड़

आते हैं तो हंसाते भी हैं और खूब एंटरटेन करते हैं. न्यूकमर अमित जोशी और आराधना साह द्वारा निर्देशित इस फिल्म में धर्मेंद्र और डिंपल कपाडिया ने भी अहम रोल प्ले किया है.

रायसिंघानी बनाम रायसिंघानी से ओटीटी डेब्यू कर रही रीम शेख, ग्रे शेड के किरदार में आएंगी नजर

एक्ट्रेस रीम शेख, जो लीगल ड्रामा रायसिंघानी बनाम रायसिंघानी के साथ अपना ओटीटी डेब्यू करने के लिए तैयार हैं, ने कहा कि वह पहली बार ग्रे शेड का किरदार निभा रही हैं। तुझसे है राब्ता, गुल मकई में अपने काम के लिए मशहूर रीम इस शो में अंकिता पांडे का किरदार निभा रही हैं।अंकिता एक ऐसा किरदार है जो

जटिल है, उन्होंने कहा, फिर भी उससे जुडना आसान है।अपने किरदार में खुद को ढालने के बारे में बात करते हुए, रीम ने कहा, अंकिता का किरदार निभाना मेरे लिए बेहद रोमांचकारी है। यह न केवल ओटीटी दुनिया में मेरा पहला प्रोजेक्ट है, बल्कि ग्रे शेड्स वाले किरदार को निभाने में मेरी पहली कोशिश भी है।दीया और बाती हम की एक्ट्रेस ने कहा, अंकिता और मेरे बीच मतभेदों के बावजूद, यह अविश्वसनीय है कि कैसे सिर्फ 20 मिनट का मेकअप और ड्रेस मुझे बदले और गुस्से से भरी उसकी दुनिया में ले जाती है।उन्होंने आगे कहा, यह भूमिका मेरे लिए आसान नहीं है। इस रोल ने मुझे अंकिता के मानस में गहराई से उतरने और उसके रिश्तों के जटिल जाल को उजागर करने की भी अनुमति दी है। शो में जेनिफर विंगेट, करण वाही और संजय नाथ हैं। यह 12 फरवरी से सोनी लिव पर प्रसारित हो रहा है।

नेहा धूपिया की पार्टी में मलाइका अरोड़ा ने दिखाया ग्लैमरस अंदाज, दलजीत कौर की टूटी दूसरी शादी

बॉलीवुड सुपरस्टार अमिताभ बच्चन से भी रामायण में सबसे प्रतिष्ठित भूमिकाओं में से एक के लिए संपर्क किया गया है। रणबीर कपूर अभिनीत फिल्म इस समय शहर में चर्चा का विषय बनी हुई है। नितेश तिवारी के निर्देशन में बनने वाली इस फिल्म के लिए आए दिन कलाकारों के चयन की खबरें आती रहती हैं। रणबीर कपूर अभिनीत फिल्म इस समय शहर में चर्चा का विषय बनी हुई है। नितेश तिवारी के निर्देशन में बनने वाली इस फिल्म के लिए आए दिन कलाकारों के चयन की खबरें आती रहती हैं। हाल ही में, यह अफवाह जोरों पर थी कि जान्हवी कपूर ने सीता के रूप में साई पल्लवी की जगह ले ली है। अब हालिया रिपोर्टों के अनुसार, बॉलीवुड सुपरस्टार अमिताभ बच्चन से भी रामायण में सबसे प्रतिष्ठित भूमिकाओं में से एक के लिए संपर्क किया गया है। हालाँकि, उपरोक्त खबर के बारे में अभिनेता की टीम या निर्माताओं की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। सलमान खान ने 2023 की फिल्म टाइगर 3 के बाद अपनी अगली रिलीज की आधिकारिक घोषणा नहीं की है। सलमान के उत्साही प्रशंसक इस बात को लेकर अधीर हो रहे थे कि सुपरस्टार ने कोई फिल्म क्यों साइन नहीं की है। हालांकि यह पुष्टि हो गई है कि अभिनेता की 2024 में कोई रिलीज नहीं होगी, हालिया रिपोर्टों से पता चलता है

सेक्सी सिल्वर आउटफिट में मोनालिसा ने ढाया कहर, फ्लान्ट किया परफेक्ट फिगर

भोजपुरी से लेकर टीवी इंडस्ट्री तक में अपनी अलग पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस मोनालिसा की हर अदा पर लोग फिदा हैं। मोनालिसा की फैन फॉलोइंग जबरदस्त है। उनकी एक झलक पाने के लिए उनके चाहने वाले बेकरार रहते हैं। यही वजह है कि मोनालिसा अक्सर अपने फैंस को विजुअल ट्रीट देती रहती हैं। इस बीच मोनालिसा की कुछ तस्वीरें सामने आई हैं, जिनमें उनका लुक देखने लायक है। भोजपुरी अदाकारा मोनालिसा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट को अपडेट करते हुए कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जो कि इंटरनेट पर लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गई हैं। सामने आई इन फोटोज में भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा डीपनेक आउटफिट में नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस का ये लुक देखते ही बन रहा है। सामने आई इन तस्वीरों में मोनालिसा ने कैमरे के सामने किलर पोज दिए हैं। उनका हर एक पोज इंटरनेट पर वायरल हो रहा है। भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा की इन तस्वीरों से लोगों की नजरें नहीं हट रही हैं। मोनालिसा की फोटोज को लोग बार–बार देख रहे हैं। भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा की इन तस्वीरों पर लोग जमकर रिएक्ट कर रहे हैं। यह कहना गलत नहीं होगा कि मोनालिसा की हर अदा पर लोग जान छिड़क रहे हैं। भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। मोनालिसा आए दिन अपने फैंस के साथ तस्वीरें और वीडियोज शेयर करती रहती हैं। मालूम हो कि भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा की इंस्टाग्राम पर लंबी चौड़ी फैन फॉलोइंग है। एक्ट्रेस को इंस्टा पर 5.4 मिलियन से ज्याद लोग फॉलो करते हैं। जानकारी के लिए बता दें कि भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा सलमान खान के शो बिग बॉस में नजर आई थीं। इस शो में मोनालिसा ने जमकर धमाल मचाया था।

पुष्पा 2 के सेट से फिल्म निर्माता सुकुमार की तस्वीर साझा की, साथ ही लिखा ये संदेश

अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना फिलहाल अपनी आगामी फिल्म पुष्पा 2 की शूटिंग में व्यस्त हैं। फिल्म का निर्माण जोरों पर है और टीम इस फिल्म को बड़ी सफलता बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। रश्मिका मंदाना ने सेट से फिल्म निर्माता सुकुमार की एक स्पष्ट तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की। अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना फिलहाल अपनी आगामी फिल्म पुष्पा 2 की शूटिंग में व्यस्त हैं। फिल्म का अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर तस्वीर साझा की और लिखा, ष्स्पष्ट रूप से पोज देते हुए... ⁄तलेंनाान...रुच्नीचंजेमत्नसमष। निर्माताओं ने भी इसे साझा किया और लिखा, ष्श्रीवल्ली ने स्पष्ट रूप से मनमौजी निर्देशक को पकड़ लिया... ⁄पंउर्तेउपां ने

⁄तलेंनाान की एक तस्वीर साझा की... जो उनके द्वारा रुच्नीचं2जेमत्नसम के सेट पर क्लिक की गई थी..शूट तीव्र गति से प्रगति पर है! शंसक कुछ अपडेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे और पूछने के लिए टिप्पणी अनुभाग में चले गए। एक उपयोगकर्ता, ष्सुक्कू अल्लू अर्जुन इन वन फ्रेमष। एक अन्य यूजर ने कहा, श्श्सुक्कू और बनी की बॉन्डिंग मेकर्स ने हाल ही में फिल्म की रिलीज से पहले ही इसकी ओटीटी रिलीज की घोषणा कर दी है। हां, पुष्पा 2 भी ओटीटी पर आएगी। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी.

लोकप्रिय गायिका और अभिनेत्री मलिका राजपूत की सुल्तानपुर में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

सुल्तानपुर की मशहूर गायिका और अभिनेत्री विजय लक्ष्मी उर्फ मलिका राजपूत की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। उनका शव उनके घर के कमरे में लटका हुआ पाया गया। स्थानीय पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। सुल्तानपुर की मशहूर गायिका और अभिनेत्री विजय लक्ष्मी उर्फ मलिका राजपूत की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। उनका शव उनके घर के कमरे

में लटका हुआ पाया गया। स्थानीय पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। मंगलवार को कोतवाली नगर के सीताकुंड इलाके में स्थित घर के अंदर कमरे में गायिका और अभिनेत्री का शव पंखे से लटका मिला। उनके परिवार के सदस्य पूरी तरह सदमे में हैं। उनके घर के आसपास रहने वाले लोग भी मौके पर जमा हो गए हैं। वे मलिका की मां को सांत्वना देते भी नजर आए। इसी बीच स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचायत नामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मल्लिका की मां सुमित्रा सिंह ने बताया कि जब यह घटना घटी तो उन्हें इसकी जानकारी नहीं थी। उन्होंने कहा श्पहले दरवाजा बंद था और लाइट जल रही थी। हमने तीन चक्कर लगाए लेकिन दरवाजा नहीं खोल सके। आखरिकार मैंने खिड़की से झाँक कर देखा तो वह वहीं खड़ी थी।

डीएम ने की राजस्व कार्यों की समीक्षा

राजस्व वादों का निस्तारण प्राथमिकता के साथ करें सुनिश्चित

(आरएनएस)
देवरिया(उ0प्र0) देवरिया जिले मे जिलाधिकारी अखण्ड प्रताप सिंह की अध्यक्षता में कलक्ट्रेट सभागार में राजस्व, कर–करेत्तर एवं राजस्व न्यायालय के कार्य प्रगतियों की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। जिलाधिकारी ने राजस्व न्यायालय से जुड़े सभी पीठासीन अधिकारियों को स्पष्ट रुप से यह निर्देशित किया कि प्रत्येक दशा में वे पांच वर्षो से अधिक समय से लंबित विभिन्न धाराओं के वादों का निस्तारण प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित करें। किसी भी दशा में इससे अधिक अवधि की एक भी वाद लम्बित नही होनी चाहिये। उप जिलाधिकारी इस पर विशेष रुप से ध्यान देते हुए पीठासीन अधीनस्थ अधिकारी न्यायालयों के वादो का निस्तारण तत्कालिक रुप में सुनिश्चित करायें। इसमें किसी भी दशा में शिथिलता नही होनी चाहिये ।जिलाधिकारी कर–करेत्तर समीक्षा के दौरान जिन विभागो के माह की लक्ष्यपूर्ति कम है, उन्हें निर्देश दिया कि कार्ययोजना बनाकर अपने लक्ष्य की पूर्ति करें। उन्होंने परिवहन विभाग को ओवरलोडिंग वाले वाहनो पर प्रवर्तन कार्य किये जाने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने उप जिलाधिकारियों को निर्देश दिया कि अन्नपूर्णा भवन, जल जीवन मिशन एवं स्कूलों की बाउन्ड्री के लिए जहां जमीनो की आवश्यकता हो, उसे उपलब्ध कराने हेतु जमीनों का चिन्हांकन करायें, ताकि संचालित योजना के तहत कार्य परियोंजना का निर्माण पूर्ण कराया जा सके। उन्होंने मुख्यमंत्री डैशबोर्ड वाले कार्य बिन्दुओं से जुडे अधिकारियों से कहा कि वे इन बिन्दुओं पर पूरी सक्रियता से कार्य करें। किसी भी दशा में इसमें रैकिंग कम नही होनी चाहिये।जिलाधिकारी श्री सिंह ने धारा–24 के आदेशों का अनुपालन भी कराये जाने का निर्देश देते हुए कहा कि अपूर्ण व गलत फार्मेट पर पत्रावलियां दाखिल दफ्तरी हेतु न भेजी जाये, अन्यथा ऐसी पत्रावलियां दाखिल दफ्तरी हेतु स्वीकार नही की जायेगी। सन्दर्भ निस्तारण प्रकरण की समीक्षा में उन्होंने कहा कि प्राप्त सभी सन्दर्भो का समयान्तर्गत उसका समाधान सभी अधिकारी सुनिश्चित करेंगे।
अपने भूमिधरी जमीनों का कंप्यूटरीकृत सत्यापन खतौनी अवश्य ही करें प्राप्त जिलाधिकारी अखण्ड प्रताप सिंह ने आमजन से अपेक्षा करते हुए कहा है कि अपने जमीनों की खतौनी तहसील परिसर अवस्थित भूलेख कार्यालय से कंप्यूटरीकृत व प्रमाणित खतौनी अवश्य ही प्राप्त करें तथा उसमें नाम अंश आदि की त्रुटियों का मिलान कर ले। यदि कोई कमी या त्रुटि हो तो संबंधित उप जिलाधिकारी के संज्ञान में लाये ताकि उसका समाधान कराया जा सके। बैठक मुख्य राजस्व अधिकारी अधिकारी जल मोहन, एडीएम एफआर अरुण कुमार राय, एडीएम प्रशासन गौरव श्रीवास्तव, एसडीएम रुद्रपुर रत्नेश तिवारी, एसडीएम सलेमपुर श्याम मणि त्रिपाठी, एसडीएम भाटपाररानी, तहसीलदार गण, डीजीसी नवनीत मालवीय सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

आपात स्थिति में 17 गर्भवती का एम्बुलेंस कर्मियों ने कराया एम्बुलेंस में सुरक्षित प्रसव

(आरएनएस)
देवरियारू (उ0प्र0) देवरिया जिले मे जननी सुरक्षा योजना के तहत 102 एंबुलेंस जिले की गर्भवती के लिए वरदान साबित हो रही है। एंबुलेंस की इस सुविधा से ग्रामीण क्षेत्र की गर्भवती को अस्पताल ले जाने और वापस घर पहुँचाने में मदद मिल रही है। साथ ही एम्बुलेंस से परिवहन के दौरान महिला को प्रसव पीड़ा बढ़ने और हालत बिगड़ने पर एंबुलेंस कर्मियों ने ही सुरक्षित प्रसव कराया और मातृ शिशु मृत्यु दर में कमी लाने में वह मददगार बन रहे हैं। अप्रैल 2023 से अब तक 17811 गर्भवती को अस्पताल ले जाने और वापस घर छोड़ने की सुविधा दी गई है। इस दौरान 17 गर्भवती का सुरक्षित प्रसव एम्बुलेंस में ही कराया गया । भागलपुर ब्लॉक अंतर्गत एकोना गांव निवासी रघुवीर की पत्नी नीतू देवी ((27) ने अस्पताल जाते समय एंबुलेंस में बच्ची को जन्म दिया। रघुवीर बताते हैं कि सोमवार की सुबह नीतू को प्रसव पीड़ा शुरू हुई तो गांव की आशा कार्यकर्ता पुष्पा देवी को सूचना देने के साथ 102 नंबर एम्बुलेंस को भी सूचना दी। दस मिनट बाद 102 नंबर की एंबुलेंस नीतू को लेने घर पहुंची। एंबुलेंस कर्मी आशा कार्यकर्ता के साथ नीतू को लेकर अस्पताल जा रहे थे। रास्ते में ही एकोना मोड़ ईंट भट्ठे के पास नीतू को प्रसव पीड़ा तेज हुई और उनकी हालत बिगड़ने लगी। यह देख एंबुलेंस चालक रंजीत ने ईएमटी अवनीश कुमार के कहने पर गाड़ी को रोक दिया। ईएमटी अवनीश कुमार और आशा पुष्पा ने सूझबूझ के साथ महिला का प्रसव एंबुलेंस में कराया। महिला ने एक बच्ची को जन्म दिया। इसके बाद एंबुलेंस दोनों को लेकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र परासिया चंदौर पहुंची और भर्ती कराया। रघुवीर ने बताया कि जच्चा–बच्चा दोनों स्वस्थ हैं। सीएमओ डॉ. राजेश झा ने बताया कि एंबुलेंस की सुविधा से न केवल दूर दराज के क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों को बड़ा लाभ पहुंचा है, बल्कि एम्बुलेंस के जरिए स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर भर्ती होने में भी सुविधा रहती है। इतना ही नहीं रास्ते में कोई आपात स्थिति होने पर प्रशिक्षित स्टॉफ काफी हद तक

जल्द नजदीकी प्रसव केंद्र पहुंचाने

स्थिति को संभाल भी लेता है। सीएमओ ने बताया कि अक्सर ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली महिलाओं को प्रसव के समय अस्पताल पहुंचने में परेशानी होती है। इसके लिए एंबुलेंस चालकों को सुरक्षित और ट्रैफिक से मुक्त रास्तों के जरिए जल्द से को कहा गया है । सीएमओ ने बताया कि प्रसव के बाद महिला को जांच के लिए 45 दिन तक और बच्चे को ट
ीकाकरण और स्वास्थ्य जांच के लिए दो वर्ष तक 102 एम्बुलेंस कि सुविधा सरकारी प्रावधानों के अनुसार दी जाती है।

17 व 18 फरवरी को चार पालियों में आयोजित होगी परीक्षा

शुचितापूर्ण एवं नकलविहीन परीक्षा कराना प्राथमिकता-डीएम

डीएम ने की समीक्षा दिए आवश्यक निर्देश

सद्दाम हुसैन देवरिया
देवरिया (उ0प्र0) देवरिया जिले मे जिलाधिकारी अखंड प्रताप सिंह की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा की उपस्थिति में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आगामी 17 एवं 18 फरवरी को उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित होने वाली उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी नागरिक पुलिस सीधी भर्ती परीक्षा–2023 के संबन्ध में सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टेटिक मजिस्ट्रेट एवं केंद्र व्यवस्थापक सहित समस्त अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में डीएम ने परीक्षा को शुचितापूर्ण एवं नकलविहीन बनाने के संबन्ध में आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नागरिक आरक्षी भर्ती परीक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण परीक्षा है। इसमें किसी भी स्तर पर कोताही क्षम्य नहीं होगी। जिलाधिकारी ने बताया कि यूपीपी नागरिक आरक्षी भर्ती परीक्षा 17 एवं 18 फरवरी को जनपद के 16 परीक्षा केंद्रों पर चार पालियों में आयोजित होगी, जिसमें 30,240 परीक्षार्थी शामिल होंगे। प्रथम पाली की परीक्षा 10 से 12 तथा द्वितीय पाली की परीक्षा अपराह्न 3 से 5 बजे तक आयोजित होगी। परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने के लिए 6 सेक्टर, 16 स्टेटिक एवं 16 केंद्र व्यवस्थापक तैनात किए गए हैं। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर पुलिस इंस्पेक्टर रैंक का अधिकारी की भी तैनाती की गई है। जिलाधिकारी ने बताया कि परीक्षा कक्षा में सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य रूप से होंगे। सभी परीक्षा केंद्रों पर जैमर की व्यवस्था भी की जाएगी। किसी भी तरह के इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस को परीक्षा केंद्र के अंदर ले जाने की अनुमति नहीं होगी। परीक्षा शुरू होने से दो घण्टे पूर्व परीक्षार्थियों का प्रवेश प्रारंभ हो जाएगा। प्रवेश पत्र, पहचान पत्र और बायोमेट्रिक जांच के उपरांत ही परीक्षार्थी को प्रवेश की अनुमति मिलेगी। जिलाधिकारी ने कहा कि समस्त केंद्र व्यवस्थापक परीक्षा केंद्र के मुख्य गेट पर दृश्य स्थलों पर सीटिंग प्लान चस्पा करना सुनिश्चित करेंगे। परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए गेट पर ही क्लॉक रूम बनाया जाए। उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्र पर परीक्षार्थियों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाए। पेयजल, प्रकाश व्यवस्था एवं शौचालय इत्यादि की जांच करा लें। जांच के उपरांत ही परीक्षार्थी को प्रवेश दिया जाए। दो फ्लाइंग स्क्वायड का भी गठन किया गया है जो परीक्षा की अवधि में भ्रमणशील रहेगी। पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा ने कहा कि परीक्षा की मॉनिटरिंग शीर्ष स्तर से की जा रही है। अतः किसी भी तरह के लापरवाही की गुंजाइश नहीं है। सभी अधिकारी अपने दायित्वों का निर्वहन शासन की मंशा के अनुरूप करना सुनिश्चित करें। बैठक में एडीएम प्रशासन गौरव श्रीवास्तव, अपर पुलिस अधीक्षक दीपेंद्रनाथ चौधरी सहित समस्त सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टेटिक मजिस्ट्रेट एवं केंद्र व्यवस्थापक मौजूद थे।

ग्राम न्यायालय का उद्घाटन महत्वपूर्ण मुकदमों की होगी सुनवाई

(आरएनएस)
देवरिया (उ0प्र0) देवरिया जिले के सलेमपुर तहसील प्रांगण में ग्राम न्यायालय का उद्घाटन हुआ इसमें सलेमपुर तहसील के वरिष्ठ वकील गढ़ तहसीलदार सलेमपुर उप जिला अधिकारी सलेमपुर क्षेत्राधिकारी सलेमपुर समेत सभी सक्षम अधिकारी उपस्थित रहे ।इस ग्राम न्यायालय का उद्घाटन विधि विधान से पूजा पाठ कर किया गया इस ग्राम न्यायालय के उद्घाटन से सलेमपुर तहसील की जनता को लाभ मिलेगा इस न्यायालय में समस्त फौजदारी व दीवानी के मुकदमों की सुनवाई होगी जिले से पुराने मामले की फाइल भी इस ग्राम न्यायालय में मंगाई जाएगी।ग्राम न्यायालय के न्याय अधिकारी के रूप में सक्षम शेखर अपर सिविल जज देवरिया ने कार्यभार ग्रहण किया उक्त अवसर पर अधिवक्ता संघ के तहसील सलेमपुर देवरिया के अध्यक्ष उमाशंकर तिवारी, सुधांशु तिवारी,सदानंद कुशवाहा,प्रमोद तिवारी,परमानंद यादव, समीम अहमद सिद्दकी ,लाल बहादुर यादव,देवमोहन तिवारी,रत्नेश श्रीवास्तव,परशुराम मिश्र, चंदभूषण तिवारी आदि अधिवक्ता उपस्थित रहे तथा अधिवक्ता संघ सलेमपुर देवरिया द्वारा स्मृति चिन्ह अतिथिगण को देकर सम्मानित किया गया ।

सीडीओ ने किया ब्लाक का निरीक्षण,

जेई समेत दो कार्मिक मिले अनुपस्थित

एक दिन का वेतन काटने का दिया निर्देश

(आरएनएस)
देवरियारू (उ0प्र0) देवरिया जिले मे मुख्य विकास अधिकारी प्रत्यूष पांडेय ने आज रामपुर कारखाना ब्लॉक का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण में जेई बद्रीनाथ प्रसाद एवं चतुर्थ श्रेणी कार्मिक सुनीता देवी बिना कोई अवकाश स्वीकृत कराये अनुपस्थित मिले, जिस पर सीडीओ ने गहरी नाराजगी जताई और अनुपस्थित कार्मिकों का एक दिन का वेतन काटने के साथ कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्देश दिया। सीडीओ आज दोपहर लगभग साढ़े बारह बजे ब्लॉक कार्यालय पहुंचे। उन्होंने सर्वप्रथम उपस्थिति पंजिका की जांच की जिसमें दो कार्मिक अनुपस्थित मिले। इसके उपरांत उन्होंने विभिन्न अभिलेखों की जांच की और विभिन्न योजनाओं की अद्यतन प्रगति के संबन्ध में खण्ड विकास अधिकारी सतीश दुबे से प्राप्त की। सीडीओ ने ब्लॉक परिसर को स्वच्छ रखने एवं सुंदर बनाने के संबन्ध में भी आवश्यक निर्देश दिए।
सीडीओ ने नवनिर्मित आंगनबाड़ी केन्द्र का किया निरीक्षणमुख्य विकास अधिकारी प्रत्यूष पांडेय द्वारा आज विकास खण्ड पथरदेवा के ग्राम पंचायत कौलाचक में निर्मित हो रहे नवनिर्मित आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया गया। 11.84 लाख रुपये की लागत से निर्माणाधीन केंद्र में वर्तमान में छत लग चुका है। प्लास्टर, विद्युत वायरिंग, शौचालय आदि का कार्य हो गया है। सीडीओ ने भवन को 18 पैरामीटर पर पूर्ण करने और बाला पेंटिंग, विद्युतीकरण के बाद ही हैंडओवर प्राप्त करने का निर्देश दिया। इसके बाद सीडीओ ने निर्माणाधीन आरआरसी सेन्टर का भी निरीक्षण किया, जहां रंगाई का कार्य होता मिला, जिसको शीघ्र पूर्ण करवाए जाने का निर्देश दिया गया। मौके पर ग्राम प्रधान अबरार अहमद, सचिव उमेश चंद आदि मौजूद रहे। इसके पश्चात ग्राम पंचायत सीतापट्टी में बन रहे

लर्निंग लैब का निरीक्षण किया गया विद्यालय के छात्रों को कॉपी का वितरण भी किया। इसके बाद ग्राम पंचायत खैराट में राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी हिना खान के निवास पर पहुंच कर प्रोत्साहित किया तथा भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। हिना के अनुरोध पर मुख्य विकास अधिकारी ने ग्राम पंचायत में खेल के मैदान के निर्माण के लिए भूमि का भी निरीक्षण किया तथा उपायुक्त श्रम रोजगार को खेल मैदान के निर्माण के लिए आवश्यक निर्देश दिए। ग्राम पंचायत खैराट के मझऊआं में जर्जर हो चुके जच्चा बच्चा केंद्र को निष्प्रयोज्य कर निर्माण करवाएं जाने के सम्बन्ध मे मुख्य चिकित्सा अधिकारी से वार्ता हेतु निर्देशित किया इसके पश्चात ग्राम खैराट के कॉमन सर्विस सेन्टर का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ग्राम प्रधान राजीव प्रताप सिंह सचिव उमेश चंद जिला पंचायती राज अधिकारी सर्वेश पाण्डेय, जिला कार्यक्रम अधिकारी कृष्णकांत राय, जिला युवा कल्याण अधिकारी नीतीश राय, उपायुक्त मनरेगा आलोक पांडेय, खण्ड विकास अधिकारी अनिल कुमार सिंह, बाल विकास परियोजना अधिकारी विश्वदीपक पांडेय, एपीओ रवि प्रकाश सिंह आदि मौजूद रहे।

नंद बाबा दुग्ध मिशन के अंतर्गत श्नंदिनीकृषक समृद्धि योजना की हुई शुरुआत

उत्तर प्रदेश में गोवंशीय पशुओं की नस्ल सुधार और दुग्ध उत्पादन बढ़ाने में योगी सरकार बड़ी पहल

ई-लाटरी के माध्यम से पांच लाभार्थियों का किया गया चयन

प्रयागराज(आरएनएस)। यूपी सरकार उत्तर प्रदेश में किसानों के साथ पशुपालकों की आमदनी बढ़ाने के लिए भी प्रयत्न कर रही है। सरकार की तरफ से इसके लिए जहां गायों की डेयरी खोलने में सब्सिडी दी जा रही है तो वहीं दूसरी तरफ स्वदेशी गोवंश की नस्ल सुधार के प्रयास भी किए जा रहे हैं। नंद किशोर दुग्ध मिशन के अंतर्गत शुरू की गई तीन प्रमुख योजनाओं में प्रयागराज जनपद को भी शामिल किया गया है।
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर गोवंशीय पशुओं के दुग्ध उत्पादन को बढ़ाने और किसानों की आमदनी दोगुनी करने के लिए नंदिनी कृषक समृद्धि योजना लॉन्च की गई है।
योजना के प्रथम चरण में प्रदेश के जिन 10 मंडलों के जनपद मुख्यालय का चयन किया गया है उसमें प्रयागराज जनपद भी शामिल है। इसमें प्रथम चरण में 25 दुधारू देसी नस्ल की गायों की 35 इकाइयां स्थापित की जानी हैं । इस योजना के अंतर्गत प्रत्येक लाभार्थी को ध्62 लाख की लागत की दुधारू गो वंश की इकाई स्थापित करनी होगी। इसमें योजना का 15 फीसदी स्वयं लाभार्थी लगाएगा, 35 फीसदी का उसे ऋण दिया जायेगा और 50 फीसदी सरकार की तरफ से अनुदान दिया जाएगा। यह योजना देसी नस्लों के लिए है जिसमें साहीवाल, गिर, थारपारकर और गंगातीरी शामिल हैं। लाभार्थी 25 जानवर रख सकता है ।
प्रयागराज में भी इसकी शुरुआत हो गई है। जिला पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ.अनिल कुमार सिंह के मुताबिक विकास भवन में मंगलवार को मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में ई –लाटरी के माध्यम से नन्द बाबा दुग्ध मिशन अंतर्गत ष्नंदिनी कृषक समृद्धि योजनाष् के पांच लाभार्थियों का चयन कर लिया गया है। अधिकारी के मुताबिक इस योजना के अंतर्गत जनपद स्तर पर 28 आवेदन प्राप्त हुए थे जिसमें 20 आवेदन नियमानुसार पात्र पाए गए। जनपद को आवंटित लक्ष्य 5 के सापेक्ष 20 आवेदन प्राप्त होने के कारण पांच लाभार्थियों का चयन सुसंगत शासनादेश के अंतर्गत दिए गए प्रावधान के नियमानुसार विकास भवन कार्यालय में ई–लाटरी के माध्यम से किया गया। विकास भवन कार्यालय में मुख्य विकास अधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में चयन समिति के सदस्यों की मौजूदगी में किया गया। समिति में मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, उप दुग्ध शाला विकास अधिकारी, एवं लीड बैंक मैनेजर तथा लाभार्थियों की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। जिसमे 5 लाभार्थियों का चयन किया गया जबकि दो अन्य लाभार्थी प्रतीक्षा सूची में रखे गए है।
जिन पांच लोगों का इसमें चयन किया गया है उसमे श्रृंगवेरपुर से अभिनव मिश्रा, शंकरगढ़ से भानु प्रताप सिंह , नेवरिया कौड़िहार से प्रदीप कुमार सिंह, कीडगंज सदर से शकुंतला सिंह और मऊआइमा से विवेक कुमार सिंह शामिल हैं।

हटाए गए इलाहाबाद विश्वविद्यालय के चीफ प्राक्टर

प्रयागराज(आरएनएस)। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्रों के लगातार आंदोलन के बाद कुलपति ने चीफ प्राक्टर प्रोफेसर राकेश सिंह को हटा दिया है। कुलपति ने एक उच्चस्तरीय कमेटी का गठन किया है जो छात्र अभिषेक गुप्ता की पिटाई के मामले की जांच करेगी। जांच कमेटी को एक माह के अंदर जांच पूरी कर रिपोर्ट देने का निर्देश दिया गया है। रिपोर्ट आने तक भौतिक विभाग के विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर के एन उत्तम कार्यवाहक के चीफ प्राक्टर का दायित्व संभालेंगे। रजिस्ट्रार प्रोफेसर एन क शुक्ला ने इस संबंध में पत्र जारी कर दिया है जिसमें स्पष्ट किया गया है कि जांच कमेटी अपनी रिपोर्ट एक माह के भीतर कुलपति को सौंपेगी। जांच कमेटी में के अध्यक्ष वनस्पति विभाग प्रोफेसर प्रियंवदा सिंह शामिल हैं।

केचुआ खाद एक सम्पूर्ण जैविक खाद– डा. माथुर

प्रयागराज(आरएनएस)। चौधरी महादेव प्रसाद के जन्तु विज्ञान विभाग में आज वर्मीकम्पोस्ट पिट का उद्घाटन हुआ एवम् केचुआ खाद बनाने की विधि का प्रदर्शन भी किया गया। इस कार्यक्रम में सभी का स्वागत डा०विनीता जयसवाल, समन्वयक, जन्तु विज्ञान विभाग ने किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डा. वन्दना माथुर, पूर्व संयोजिका जन्तु विज्ञान विभाग थी। डा. माथुर ने अपने उद्बोधन में कहा कि केचुआ खाद एक सम्पूर्ण जैविक खाद है। इसका प्रयोग सभी फसलो में किया जाता है। केचुआ खाद से खाद के साथ केचुऐ भी प्राप्त हो जाते हैं। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता एवम् प्रशिक्षक डा. नौशाद आलम, वैज्ञानिक, चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवम् तकनीकी विश्वविद्यालय, कानपुर थे । डा. आलम ने केचुआ खाद बनाने की पूरी विधि की जानकारी दी तथा वर्मी पिट को पूरी तरह से प्रशिसण ले रहे विद्यार्थियों से भरवा कर तैयार करवाया
डा. आलम में बताया कि यह खाद लगभग दो महीने में तैयार हो जायेगी। इसमें केचुओं की संख्या चार गुनी हो जायेगी। इस खाद से हमारी मृदा की गुणवत्ता में वृद्धि होगी। इस कार्यक्रम का संचालन डा. हेमलता पन्त एवम् धन्यवाद ज्ञापन डा. ज्योति वर्मा क्रमशः सहसंयोजिका एवम् संयोजिका, शार्ट टर्म कोर्स वी. वी. वी एस द्वारा किया गया।

गोंदिया एक्सप्रेस लूट कांड में शामिल सपेरों की तलाश में जुटी आरपीएफ और जीआरपी

प्रयागराज(आरएनएस)। गोंदिया एक्सप्रेस ट्रेन में लूट की घटना को अंजाम देने वाले सपेरों को आरपीएफ और जीआरपी तलाश कर रही है। गोंदिया एक्सप्रेस ट्रेन में सोमवार सुबह दिन में घुसे सपेरों ने यात्रियों के साथ इरादतगंज से जसरा स्टेशन के बीच लूट की घटना को अंजाम दिया था। मामले को लेकर सतना जीआरपी ने रिपोर्ट दर्ज की है। मामले की जांच किया जा रहा है।
बरौनी से गोंदिया जा रही गोंदिया एक्सप्रेस ट्रेन सोमवार सुबह तकरीबन पांच बजे छिवकी स्टेशन से आगे बढ़ी।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।